कोई और प्रकाशक ढूंढ लेते.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

क्या रणबीर की ब्रह्मास्त्र 2 में... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 147 | गाजियाबाद / रविवार 30 अगस्त 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

पूर्व सीएम ममता बनर्जी के खिलाफ दर्ज हुआ केस

- आरोप-छात्र परिषद में तय समय से ज्यादा प्रोग्राम चला

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मामला 28 अगस्त को तृणमूल छात्र परिषद के कार्यक्रम से जुड़ा है। आरोप है कि कोर्ट ने कार्यक्रम के लिए दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक का समय दिया था। लेकिन आयोजकों ने तय समय के बाद भी कार्यक्रम जारी रखा। शिकायत के मुताबिक, टीएमसी समर्थकों ने बैरिकेड हटाए। पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की की। कैथेड्रल रोड पर ट्रैफिक ब्लॉक किया। यह मामला टीएमसी के दो गुटों के

कार्यक्रम की अनुमति से जुड़ा था। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट ने कार्यक्रम को लेकर कोर्ट में याचिका लगाई थी। 28 अगस्त को टीएमसी के स्थापना दिवस पर बड़े राजनीतिक कार्यक्रम के लिए जगह, भीड़ और ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर विवाद था। दोनों गुटों ने कार्यक्रम के लिए मायो रोड की मांग की थी। कलकत्ता हाईकोर्ट ने ट्रैफिक और कानून-व्यवस्था को देखते हुए दोनों को मायो रोड पर कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी और अलग-अलग जगहों पर सीमित शर्तों के साथ कार्यक्रम की अनुमति दी।

नेपाल के 'सैलाब' ने बढ़ाई भारत की टेंशन

- 200 ग्लेशियल झीलों पर मंडराया खतरा,25 अतिसंवेदनशील

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुधवार को नेपाल में ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड यानी ग्लेशियल झील फटने से आई अचानक बाढ़ की घटना ने भारत को अपनी रणनीति और तैयारियों पर फिर से विचार करने को मजबूर कर दिया है। इस घटना ने एक बार फिर याद दिलाया है कि हिमालयी क्षेत्रों में लगभग 200

ऐसी ग्लेशियल झीलें मौजूद हैं, जिनसे भविष्य में अत्यधिक खतरा हो सकता है और इसके लिए तुरंत कदम उठाने की जरूरत है।

सरकारी सर्वेक्षणों के अनुसार, हिमालयी रेंज में कुल मिलाकर लगभग 7,500 ग्लेशियल झीलें मौजूद हैं, जो एक बड़ी चिंता का विषय है। इनमें से 10 प्रतिशत झीलें केवल सिक्किम में स्थित हैं और वहां की 25 झीलों को बेहद खतरनाक श्रेणी में रखा गया है।

एथेनॉल ब्लेंडिंग पर सुप्रीम कोर्ट में कल सुनवाई

मांग-पंपों पर बताया जाए पेट्रोल में कितना एथेनॉल मिला रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट 31 अगस्त को उस जनहित याचिका पर सुनवाई करेगी, जिसमें देश के सभी पेट्रोल पंपों के नोजल और पेट्रोल बिल पर एथेनॉल की सटीक मात्रा यानी प्रतिशत लिखे होने की मांग की गई है। एजेंसी के मुताबिक न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की बेंच इस मामले की सुनवाई करेगी। यह याचिका नरेंद्र कुमार गोस्वामी की ओर से दायर की गई है। याचिका में केंद्र सरकार और संबंधित अधिकारियों को यह निर्देश देने का अनुरोध किया है कि पेट्रोल पंपों की हर डिस्पेंसिंग नोजल पर एथेनॉल ब्लेंडिंग का प्रतिशत स्पष्ट रूप से

लिखा जाए। इसके साथ ही, जब भी कोई ग्राहक पेट्रोल खरीदे, तो उसको मिलने वाली रसीद पर भी यह अनिवार्य रूप से लिखा हो कि उस ईंधन में कितने प्रतिशत एथेनॉल मिला हुआ है।

ऑनलाइन कंपैटिबिलिटी डेटाबेस बनाने की मांग

याचिकाकर्ता ने अदालत से मांग की है कि सरकार एक आधिकारिक और सार्वजनिक ऑनलाइन डेटाबेस तैयार करे। इस डेटाबेस में वाहन निर्माता, मॉडल, इंजन के प्रकार और निर्माण के वर्ष के हिसाब से सर्च करने की सुविधा हो। इससे आम नागरिक यह आसानी से जान सकेंगे कि उनकी गाड़ी ई 20 या अन्य एथेनॉल मिश्रण के अनुकूल है या नहीं।

'ऊर्जा' क्षेत्र में कोयले पर निर्भरता कम करेगा भारत

- 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ रहा देश

देश में 24 परमाणु ऊर्जा रिएक्टर संचालित, नौ रिएक्टर का चल रहा है निर्माण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए क्षमता विस्तार की गति बढ़ा दी है और 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। शुक्रवार को जारी आधिकारिक फैक्ट शीट में बताया गया कि इस समय में देश में 24 परमाणु ऊर्जा संयंत्र काम कर रहे हैं। इनकी कुल स्थापित क्षमता 8.78 गीगावाट है। 7.5 गीगावाट की संयुक्त क्षमता वाले नौ संयंत्रों का निर्माण चल रहा है। फैक्ट शीट में कहा गया है कि सरकार ने 10 स्वदेशी प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर (पीएचडब्लूआर) को स्थापित करने को मंजूरी दी है। 500 मेगावाट के दो फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (एफबीआर) के लिए प्रारंभिक परियोजना गतिविधियों को भी मंजूरी दी गई है। भारत का परमाणु कार्यक्रम तकनीकी आत्मनिर्भरता की रणनीति पर आधारित है। इसे देश के विशाल थोरियम भंडार का इस्तेमाल करने और साथ ही ईंधन पर लगे पुराने प्रतिबंधों से निपटने के लिए विकसित किया गया था। फैक्ट शीट में भारत के स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए तीन-चरण वाले परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम का उल्लेख किया गया है। इसके तहत भारत यूरेनियम-आधारित ईंधन से थोरियम-आधारित ईंधन की तरफ धीरे-धीरे बढ़ रहा है। यह देश में ही नवाचार को बढ़ावा देने के साथ ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।

नमक-शकर-फैट ज्यादा हुआ तो पैकेट पर लिखनी होगी चेतावनी

- लाल षटकोण छपेगा, एफएसएसआईए का प्रस्ताव, सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा पेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब अगर पैकेड फूड में सेचुरेटेड फैट, शुगर और नमक की मात्रा तय लिमिट से ज्यादा है, तो कंपनियों को पैकेट पर षटकोण आकार का लाल निशान लगाना होगा। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा पेश कर इसकी जानकारी दी है। इसका मकसद उपभोक्ताओं को खाने-पीने की उन चीजों के प्रति जागरुक करना है, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। 3 डी एंड अवर हेल्थ सोसाइटी नाम के एक पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाकर डिब्बा बंद या पैकेट वाले खाने पर अनिवार्य वार्निंग लेबल लगाने की मांग की थी। इस मामले की पिछली सुनवाई (13 अगस्त) के दौरान जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने एफएसएसएआई को नियमों में देरी के लिए फटकार लगाई थी और पूछा था कि क्या सरकार नहीं चाहती कि उसके लोग स्वस्थ रहें। इसके बाद एफएसएसआईए ने यह हलफ नामा पेश किया है।

एफएसएसआईए ने सुप्रीम कोर्ट में दिया प्रस्ताव

एफएसएसआईए ने शीर्ष अदालत को सूचित किया है कि वह ज्यादा फैट, ज्यादा चीनी और नमक वाले खाने-पीने की चीजों के पैकेट पर सामने की तरफ एक लाल रंग का चेतावनी लेबल लगाने का प्रस्ताव दिया है। यह लेबल लोगों को आसानी से समझ आने वाली चेतावनी देगा। प्रस्ताव के मुताबिक, यह वार्निंग लेबल लाल रंग के षट्कोण (हेक्सागोनल- 6 कोनों वाला) आकार का होगा। इसे पैकेट के फ्रंट यानी ठीक सामने की तरफ लगाया जाएगा। कोई भी फूड प्रोडक्ट हाई फैट, हाई शुगर या हाई साल्ट की श्रेणी में आता है या नहीं, इसका फैसला एफएसएसआईए-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन द्वारा जारी डायट्री गाइडलाइंस फॉर इंडियंस, 2024 के मानकों के आधार पर किया जाएगा।

राहुल गांधी ने प्रोजेक्टर पर दिखाया खड़गे का भाषण

- कहा-हल्द्वानी में उनकी सभा के बाद मंच का शुद्धीकरण हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने प्रोजेक्टर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का भाषण दिखाया। राहुल ने कहा कि उत्तराखंड के हल्द्वानी में उनके भाषण के बाद मंच का शुद्धीकरण किया गया। प्रधानमंत्री दोषियों पर ऐक्शन लें। दलितों पर सदियों से अत्याचार हो रहा है। देश में दो विचारधाराओं के बीच लड़ाई है। हजारों साल से इस देश में दलितों पर अत्याचार, हिंसा की गई है। संविधान में यह गैरकानूनी है। लेकिन आज भी स्कूल में दलित बच्चों से टॉयलेट साफ कराया जाता है। झाड़ू-पोछा लगवाया जाता है। यह हिंदुस्तान की रियलिटी है। कई गांवों में उन्हें सार्वजनिक कुएं से पानी नहीं लेने दिया जाता, इसलिए अलग कुआं खोदना पड़ता है।

'दिमागी नक्सल' पर पीएम को आरएसएस का समर्थन!

- ऑर्गनाइजर ने सोनिया गांधी की एनसीए पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से कहा था कि जंगल से नक्सली खत्म हो गए हैं, अब उनकी जगह दिमागी नक्सलियों ने ले ली है। पीएम मोदी के इस बयान पर काफी घमासान मचा। अब पीएम मोदी के इस दिमागी नक्सल वाले बयान को आरएसएस का समर्थन मिलता दिख रहा है। आरएसएस की सहयोगी साप्ताहिक पत्रिका ऑर्गनाइजर ने अपने संपादकीय में यूपीए

सरकार के दौरान सोनिया गांधी की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय सलाहकार परिषद पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ऑर्गेनाइजर का तर्कहै कि यूपीए के दौर में सोनिया गांधी की अगुवाई वाली नेशनल एडवाइजरी काउंसिल (एनसीए) ने माओवादी सोच को पॉलिसी बनाने की प्रक्रिया में शामिल होने दिया।

संपादकीय में यह भी कहा गया कि दिमागी नक्सल शब्द का इस्तेमाल हर आंदोलनकारी या सुधारवादी समूह के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

एनसीए को बताया गया दिमागी नक्सलियों के कब्जे का उदाहरण

ऑर्गनाइजर ने अपने संपादकीय 'Classic takeover of the dimagi Naxals of governance' में आरोप लगाया कि एनसीए के जरिए माओवादी विचारधारा से प्रभावित सोच ने नीति निर्माण में जगह बनाई। संपादकीय में ऑर्गनाइजर ने एनसीए को शासन-व्यवस्था पर दिमागी नक्सलियों के कब्जे का एक बेहतरीन उदाहरण बताया। इसमें कहा गया है कि हथियारबंद विद्रोह बुरी तरह नाकाम रहा है।

तमिलनाडु में विजय सरकार के लिए होंगे फुलटाइम गवर्नर

- आंध्र के पूर्व सीएम किरण कुमार रेड्डी हो सकते हैं राज्यपाल

चेन्नई (एजेंसी)। बीजेपी ने तमिलनाडु के नए सीएम सी जोसेफ विजय को एनडीए के करीब लाने के लिए खास रणनीति बनाई है। प्रधानमंत्री के विदेश दौरे से लौटने के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल के साथ राज्यों में खाली पड़े राज्यपाल के पद भी भरे जाएंगे। तमिलनाडु में भी प्रभारी गवर्नर राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर की जगह एन किरण कुमार रेड्डी को राज्यपाल बनाया जा सकता है। एन. किरण कुमार रेड्डी संयुक्त आंध्र प्रदेश के आखिरी मुख्यमंत्री रहे हैं। वाईएस राजशेखर रेड्डी के हेलीकॉप्टर दुर्घटना में निधन के बाद कांग्रेस ने वाईएस जगन मोहन रेड्डी के दावे को दरकिनार कर उन्हें सीएम बनाया था।

पेपर लीक रोकने के लिए ज्यादा ऐक्टिव हुआ एनटीए

- देश में 'परीक्षा' सिस्टम बदलने की शुरू हुई तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार की छह सदस्यीय हाई-पावर्ड टास्क फोर्स ने सार्वजनिक परीक्षाओं में व्यापक सुधार के लिए लोगों से सुझाव मांगे हैं। छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, शैक्षणिक संस्थानों और नागरिक संगठनों से भी राय मांगी गई है। इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता वाली यह टास्क फोर्स खास तौर पर एनटीए की परीक्षाओं के संचालन, सुरक्षा, परीक्षा डिजाइन और व्यवस्था में सुधार पर काम कर रही है। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय के मुताबिक, टास्क फोर्स का लक्ष्य परीक्षा व्यवस्था को सुरक्षित, पारदर्शी, निष्पक्ष और भविष्य के लिए तैयार बनाना है।

13 सितंबर तक दे सकते हैं सुझाव

सुझाव 13 सितंबर तक अंग्रेजी, हिंदी या क्षेत्रीय भाषाओं में दिए जा सकते हैं। इसके लिए सरकार ने वेबसाइट, फोन, वॉट्सऐप और ईमेल के जरिए सुझाव भेजने की व्यवस्था की है। इन सुझावों के आधार पर टास्क फोर्स सरकार को परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए अपनी सिफारिशें देगी। केंद्र ने नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता में टास्क फोर्स जुलाई में बनाई थी।

15 साल बाद रोहणी नक्षत्र में मनेगा श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव

- अष्टमी तिथि के साथ रोहणी नक्षत्र का बन रहा दुर्लभ संयोग

उज्जैन (एजेंसी)। देशभर में 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाई जाएगी। इस बार 15 साल बाद जन्माष्टमी पर ऐसा विशेष संयोग बन रहा है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र में मनाया जाएगा। ज्योतिषाचार्य पंडित अक्षत व्यास के अनुसार द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भी मध्यरात्रि में अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र में हुआ था। इस बार जन्माष्टमी पर भी इसी तरह का संयोग बन रहा है। पंडित व्यास के मुताबिक कई बार जन्माष्टमी पर अष्टमी तिथि तो रहती है, लेकिन रोहिणी नक्षत्र का संयोग नहीं बनता। इस बार दोनों एक ही दिन मिल रहे हैं। यही वजह है कि इस जन्माष्टमी को विशेष माना जा रहा है। रामानंदी संप्रदाय में जन्मोत्सव के लिए रोहिणी नक्षत्र को विशेष महत्व दिया जाता है। इस बार वैष्णव और रामानंदी समेत सभी प्रमुख संप्रदायों में 4 सितंबर को ही जन्माष्टमी मनाई जाएगी।

मध्यरात्रि में रोहिणी नक्षत्र का संयोग

ज्योतिषाचार्य के अनुसार जन्माष्टमी की अर्धरात्रि में अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र का एक साथ होना विशेष फलदायी माना जाता है। कई वर्षों में भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी पर वृष राशि में चंद्रमा तो रहता है, लेकिन रोहिणी नक्षत्र का संयोग नहीं बन पाता। इस बार सभी प्रमुख ज्योतिषीय तत्व एक साथ आ रहे हैं। धार्मिक मान्यताओं में भी ऐसे संयोग में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है।

उज्जैन के मंदिरों में होंगे विशेष आयोजन

जन्माष्टमी पर उज्जैन के प्रमुख कृष्ण मंदिरों में विशेष सजावट, अभिषेक और पूजन-अर्चन किया जाएगा। भरतपुरी स्थित इस्कॉन मंदिर में सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ रहेगी। भगवान राधा मोहन का अभिषेक कर नए वस्त्र पहनाए जाएंगे। आभूषण और पुष्पमालाओं से श्रृंगार के बाद भक्तों को प्रसाद वितरित किया जाएगा। सिंधिया ट्रस्ट के श्री द्वारकाधीश गोपाल मंदिर में पंचामृत पूजन-अभिषेक के बाद दर्शन शुरू होंगे। विशेष श्रृंगार के साथ ढोली बुआ का कीर्तन होगा। मध्यरात्रि 12 बजे विशेष आरती की जाएगी। भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली सांदीपनि आश्रम में भी विशेष पूजन और आरती होगी। यहां सुबह से रात तक श्रद्धालु दर्शन कर सकेंगे। जन्माष्टमी पर आश्रम में विशेष धार्मिक आयोजन किए जाएंगे।

नेपाल-तिब्बत सीमा पर महाप्रलय में महाराष्ट्र के 200 से 400 नागरिक फंसे, 60 के लापता होने की आशंका

मुंबई (एजेंसी)। नेपाल और तिब्बत की सीमा से लगे क्षेत्रों में आई भीषण बाढ़ और प्राकृतिक आपदा के बीच महाराष्ट्र के करीब 200 से 400 नागरिकों के फंसे होने का अनुमान है। इनमें से करीब 100 से 125 लोगों का एक समूह सुरक्षित बताया जा रहा है। यह समूह मानसरोवर की ओर आगे बढ़ रहा है या फिर वहां से वापसी के मार्ग पर है। हालांकि, सीमा क्षेत्र में सड़कें और इमिग्रेशन पोस्ट बह जाने के कारण इन यात्रियों की सुरक्षित वापसी बड़ी चुनौती बन गई है। नेपाल और चीन की सरकारें उनके लिए वैकल्पिक मार्ग तलाशने में जुटी हैं। अखिल महाराष्ट्र गिर्यारोहण महासंघ के अध्यक्ष उमेश झिरपे ने कहते हैं कि वे प्रभावित यात्रियों और कुछ गिर्यारोहकों के लगातार संपर्क में हैं। उनके अनुसार, मुंबई से गए एक समूह के करीब 60 लोगों के लापता होने की आशंका है। इस समूह में महाराष्ट्र के नागरिकों के अलावा कुछ अनिवासी भारतीय भी शामिल हैं। वहीं, अब तक करीब 105 नागरिकों के सुरक्षित रूप से भारत लौटने की जानकारी सामने आई है। सीमा क्षेत्र में लगातार खराब मौसम और बाढ़ के कारण राहत एवं बचाव अभियान बेहद चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। कई स्थानों पर संपर्क मार्ग और सड़कें क्षतिग्रस्त होने से यात्रियों तक पहुंचना मुश्किल हो रहा है। प्रभावित लोगों के परिजन भी चिंता में हैं। महाराष्ट्र से लापता नागरिकों के कई रिश्तेदार नेपाल की ओर रवाना होने लगे हैं। इस बीच, काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने प्रभावित भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए विशेष सहायता कक्ष शुरू किया है। दूतावास और स्थानीय प्रशासन के माध्यम से फंसे हुए लोगों की जानकारी जुटाने तथा उन्हें सुरक्षित निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। उमेश झिरपे ने कहा कि प्रभावित तीर्थयात्रियों और नागरिकों की तलाश, बचाव कार्य तथा आवश्यक सहायता पहुंचाने के लिए संबंधित प्रशासन और आपातकालीन एजेंसियां पूरी ताकत से काम कर रही हैं। अत्यंत चुनौतीपूर्ण मौसम के बीच अभियान चलाया जा रहा है और आने वाले दिनों में भी प्राकृतिक संकट का खतरा बना हुआ है। ऐसे में यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई वंदे भारत एक्सप्रेस, यात्रियों में मची अफरा-तफरी

हजारीबाग (एजेंसी)। हजारीबाग में देर रात चरही और बेस रेलवे स्टेशन के बीच रांची से पटना जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस दुर्घटना की शिकार हो गई। पटरी पर अचानक आई एक लकड़ी से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली से ट्रेन टकरा गई। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। एक बड़ा ट्रेन हादसा होने से बाल-बाल बच गया। जानकारी के मुताबिक हादसा इतना जोरदार था कि टक्कर के बाद ट्रेन को थोड़ा नुकसान हुआ। घटना के तुरंत बाद ट्रेन पायलट ने मुस्तैदी दिखाते हुए गाड़ी को रोक दिया। इसके बाद वंदे भारत एक्सप्रेस करीब 41 मिनट तक दुर्घटनास्थल पर ही खड़ी रही। घटना की जानकारी तुरंत रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस को दी गई। ट्रेन रुकने के बाद तकनीकी टीम ने मौके पर पहुंचकर ट्रेन की जांच की। सुरक्षा मानकों को पूरा करने और रूट क्लियर होने के बाद ट्रेन को पटना के लिए रवाना किया गया। हादसे के कारण ट्रेन में सवार यात्रियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। हालांकि किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर ट्रक-पिकअप की टक्कर, आग लगने से चालक जिंदा जला

झाबुआ (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में दिल्ली-मुंबई 8-लेन एक्सप्रेसवे के पहुंच मार्ग पर शुक्रवार रात ट्रक और पिकअप वाहन की आमने-सामने जोरदार टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई जिसमें पिकअप चालक जिंदा जल गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार रात एक ट्रक दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही पिकअप से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कुछ ही देर में दोनों वाहनों में आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गईं और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में पिकअप चालक को वाहन से बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। वह वाहन के अंदर ही फंस गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान मियाटी निवासी तेरु खिमा भाबर के रूप में हुई है। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद वहां जाम लगा गया। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने घटनास्थल पर यातायात व्यवस्था को सुचारू कराया। साथ ही हादसे के संबंध में मामला दर्ज कर फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है। लोगों का कहना है कि एक्सप्रेस-वे के पहुंच मार्ग की चौड़ाई कम होने के कारण यहां वाहनों की आवाजाही में परेशानी होती है। सड़क पर एक साथ दोनों दिशाओं से आने-जाने वाले वाहनों के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इस मार्ग पर लगातार हादसे होने से क्षेत्रवासियों में चिंता बढ़ रही है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से एक्सप्रेस-वे के पहुंच मार्ग की चौड़ाई बढ़ाने, यातायात व्यवस्था को बेहतर करने और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक सुरक्षा इंतजाम करने की मांग की है।

कोई और प्रकाशक ढूंढ लेते, इसमें सरकार को बीच में लाने की क्या जरूरत है?

सोनिया गांधी की किताब को लेकर कांग्रेस के आरोप पर बीजेपी का पलटवार

नई दिल्ली, एजेंसी।
सोनिया गांधी की किताब बिलॉन्गिंग से जुड़े विवाद में सरकार पर कांग्रेस के हमलों को लेकर बीजेपी नेताओं ने कांग्रेस के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि यह लेखक और प्रकाशक के बीच का विवाद है। सोनिया गांधी की आत्मकथा बिलॉन्गिंग को छापने से प्रकाशक कंपनी पेंगुइन इंडिया ने मना कर दिया है। इसके बाद कांग्रेस ने सरकार पर सवाल उठाए थे। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शनिवार को कहा कि लेखक और प्रकाशक के बीच में कहीं किसी तरह का अंतरविरोध है। प्रकाशक का अपना प्रॉरोगेटिव है और लेखक का अपना व्यूपॉइंट है। उसको राजनीति में लाने के बजाय किसी और प्रकाशक ढूंढ लेते, इसमें भारत सरकार को बीच में लाने की क्या जरूरत है?
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा कि मुझे समझ नहीं आ रहा कि वे सरकार पर दबाव के आरोप क्यों लगा रहे हैं। पेंगुइन इंडिया और रैंडम हाउस इंडिया ने साफ कर दिया है कि यह किताब उनकी नहीं है। अब इसके पीछे क्या मकसद था, यह तो वे या सोनिया गांधी समझ सकती हैं। अपने आधिकारिक बयान में उन्होंने साफ कहा था कि वे कुछ हिस्सों को हटाने की कोशिश कर रहे थे और सोनिया गांधी इससे सहमत नहीं थीं। यह पब्लिशर और लेखक के बीच का विवाद है। उन्होंने कहा कि पहले भी ऐसा हुआ है, जब प्रकाशक को कुछ चीजें नहीं छापनी होती हैं तो वह अपनी आपत्ति दर्ज करता है। इसमें सरकार का रोल कहां से आया?
उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी को यह देश को बताना चाहिए कि वह विवादित अंश क्या था। क्या उन्होंने अपनी सास के बारे में कुछ लिख दिया था? क्या अपने देवर के बारे में कुछ ऐसी चीजें लिखीं, जो उन्हें नहीं लिखनी चाहिए थीं। या कुछ और बात है, जो पेंगुइन ने कहा है। उन्होंने कहा कि इस पर सोनिया गांधी खामोश हैं। बीजेपी प्रवक्ता आरपी सिंह ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि जब भी कोई किताब प्रकाशित होती है, तो वह प्रकाशक और लेखक के बीच के रिश्ते पर आधारित होती है और दोनों की ही मिली-जुली जिम्मेदारी होती है। किताब में दिए गए तथ्यों और कंटेंट के लिए दोनों ही जिम्मेदार होते हैं।
वहीं बिहार सरकार में मंत्री अशोक कुमार चौधरी ने कहा कि हमें नहीं पता कि असलियत क्या है। सोनिया गांधी की किताब को लेकर किसने दबाव डाला। पेंगुइन ने क्या किया या क्या नहीं किया। इस पर चर्चा तो हुई है, लेकिन हमें असल बात नहीं पता। बीजेपी नेता टीआर श्रीनिवास ने कहा कि यह सोनिया गांधी की किताब है, जिसे पेंगुइन को प्रकाशित करना था। इसका समय राजनीतिक और गैर-साहित्यिक लगता है। पेंगुइन ने आपत्ति जताई है, क्योंकि जब भी आप कोई किताब प्रकाशित करते हैं, तो उसमें तथ्य सही होने चाहिए।

ममता बनर्जी के पास कोई विचारधारा नहीं : शिवसेना ने साधा निशाना

मुंबई (एजेंसी)। शिंदे शिवसेना की प्रवक्ता शाइना एनसी ने टीएमसी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर कड़ा हमला बोला है, यह कहकर कि उनके पास कोई विचारधारा और विजन प्लान नहीं है। ममता के वोट चोरी के आरोपों को खारिज कर शिंदे शिवसेना की प्रवक्ता शाइना ने उन्हें बेबुनियादी आरोप लगाने की बजाय अपने मतदाताओं पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दे दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव आयोग अपना काम कर रहा है और फर्जी तथा डबल मतदाताओं को हटाना सामान्य एवं आवश्यक प्रक्रिया है। शाइना एनसी ने कहा कि ममता बनर्जी इसतरह के बेबुनियादी आरोप लगाती रहेंगी। इसके अलावा, एनसी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के न्यूयॉर्क में आयोजित कार्यक्रम को भारत के लिए गर्व का विषय बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका में लाखों भारतीय रहते हैं और संघ का वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश भारत की विश्व में नेतृत्व क्षमता को दिखाता है। उन्होंने संघ को राष्ट्रवाद और सेवा के लक्ष्य वाला 100 साल पुराना सांस्कृतिक संगठन बताया। नेपाल में आई भीषण त्रासदी पर शिवसेना प्रवक्ता ने भारत की निरंतर मदद को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावास लगातार संवाद में हैं, और महाराष्ट्र के नेताओं एकनाथ शिंदे व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी राज्य के पर्यटकों को सुरक्षित वापस लाने में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने प्राकृतिक आपदा को पर्यावरणीय दृष्टिकोण से भी देखने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि भविष्य के लिए हम सावधान रहें। नेपाली प्रधानमंत्री की भारत यात्रा का स्वागत कर शाइना ने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंधों के महत्व को दोहराया और कहा कि वर्तमान में नेपाल की मदद करना सर्वोपरि है।

एमएलसी मिर्जा रहमत बेग को पार्टी से निकाला

-एआईएमआईएम ने तत्काल इस्तीफा देने के दिए निर्देश

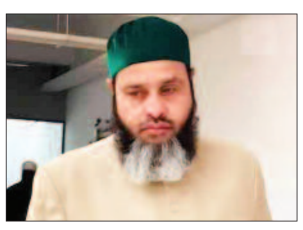

हैदराबाद, एजेंसी।
ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने तेलंगाना विधान परिषद के सदस्य (एमएलसी) मिर्जा रहमत बेग को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। पार्टी ने शुक्रवार व शनिवार रात यह कार्रवाई करते हुए बेग को तत्काल प्रभाव से विधान परिषद के सभापति को अपना इस्तीफा सौंपने का निर्देश दिया है।
एआईएमआईएम ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए मिर्जा रहमत बेग के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी दी। पार्टी के संयुक्त सचिव एसए हुसैन अनवर की ओर से बेग को यह निर्देश जारी किया गया। हालांकि, पार्टी की ओर से अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि किन कारणों या आरोपों के चलते उन्हें पार्टी से बाहर किया गया है।
2023 में एमएलसी चुने गए थे बेग मिर्जा रहमत बेग ने वर्ष 2023 में हैदराबाद लोकल अथॉरिटीज सीट से तेलंगाना विधान परिषद का चुनाव जीता था। चुनाव में जीत के बाद वह एआईएमआईएम के प्रतिनिधि के तौर पर विधान परिषद पहुंचे थे। पार्टी के मौजूदा फैसले के बाद अब उनके राजनीतिक भविष्य और विधान परिषद की सदस्यता को लेकर भी स्थिति पर नजर बनी हुई है।
इस्तीफे के निर्देश से बढ़ी सियासी हलचल
एआईएमआईएम की ओर से पार्टी से निष्कासन के साथ ही विधान परिषद के सभापति को इस्तीफा सौंपने का निर्देश दिए जाने से तेलंगाना की राजनीति में चर्चा तेज हो गई है। पार्टी ने अपने बयान में निष्कासन का कारण नहीं बताया है। ऐसे में कार्रवाई के पीछे की वजह को लेकर फिलहाल आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

15 अक्टूबर तक हरिद्वार की सभी सड़कें होंगी गड्ढामुक्त, जिलाधिकारी ने किया स्थलीय निरीक्षण

हरिद्वार (शिखर समाचार)। जनपद की सड़कों को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने शनिवार को हरिद्वार-नजीबाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग सहित मंगलौर तक के राष्ट्रीय राजमार्ग का संबंधित अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने सड़कों की स्थिति, गड्ढों, साफ-सफाई, अतिक्रमण और निमार्णाधीन पुलों की प्रगति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को 15 अक्टूबर तक जनपद की सभी सड़कों को गड्ढामुक्त करने के निर्देश दिए।
जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क पर जहां भी गड्ढे हैं, वहां तत्काल मरम्मत कार्य कराया जाए। बरसात के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों की नियमित निगरानी करते हुए आवश्यकता के अनुसार मरम्मत कराई जाए, ताकि वाहन चालकों और यात्रियों को परेशानी न हो तथा सड़क दुर्घटनाओं की संभावना को कम किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि मरम्मत कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे अतिक्रमण और अवैध रूप से लगने वाली रेहड़ी-ठेलियों को तत्काल हटाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण हटाने के बाद दोबारा ऐसी स्थिति न बने, इसके लिए नियमित निगरानी की जाए। सड़क किनारे उगी झाड़ियों की कटाई और साफ-सफाई कराने के निर्देश भी दिए गए, ताकि वाहन चालकों को पर्याप्त दृश्यता मिल सके।
जिलाधिकारी ने निमार्णाधीन पुलों की प्रगति की समीक्षा करते हुए गुणवत्ता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि आवश्यक पुल और सड़क निर्माण कार्य कुंभ मेले के शुरू होने से पहले पूरे किए जाएं। दुर्घटना संभावित स्थानों पर उचित यातायात प्रबंधन, चेतावनी संकेतक, संकेतक बोर्ड और आवश्यकतानुसार गति अवरोधक लगाने के निर्देश परिवहन विभाग को दिए। निरीक्षण के दौरान परियोजना निदेशक विशाल गोयल, परियोजना प्रबंधक सुमित कुमार, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी निखिल शर्मा, नेहा झा, कृष्ण चंद्र पलड़िया सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मोनू सनातनी को पुनः हिंदू सुरक्षा सेवा संघ उत्तराखंड की कमान

हरिद्वार (शिखर समाचार)। हिंदू सुरक्षा सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं हनुमानगढ़ी, अयोध्या धाम के महंत राजू दास ने ऋषिकेश आगमन के दौरान मोनू सनातनी को पुनः हिंदू सुरक्षा सेवा संघ उत्तराखंड का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया। उनकी पुनर्नियुक्ति की घोषणा होने पर संगठन के प्रदेश पदाधिकारियों और कार्यकताओं में उत्साह का माहौल रहा। बड़ी संख्या में पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने मोनू सनातनी को बधाई और शुभकामनाएं दीं।
इस अवसर पर महंत राजू दास ने कहा कि मोनू सनातनी ने हिंदू समाज और सनातन धर्म के लिए समर्पित भाव से कार्य किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में उत्तराखंड में संगठन को और मजबूती मिलेगी तथा सनातन धर्म एवं हिंदू समाज के हितों से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। पुनः प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर मोनू सनातनी ने महंत राजू दास का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में सनातन संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और सामाजिक सेवा से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जाएगा। सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं को साथ लेकर प्रदेशभर में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने तथा समाजसेवा के कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही।

कार्यक्रम में विक्रांत शर्मा, गौरव शर्मा, मनोज गिरी, नरेंद्र रतूड़ी, सुबोध उनियाल, राजू बर्थवाल, अनूप शर्मा, जसराम कश्यप, प्रवीण कश्यप, संदीप तड़ियाल, अश्वनी कुमार पाठक, पंडित राज कुमार दास, पंडित राधेश्याम, संजीव कुमार और विकास चौहान सहित संगठन के बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने पुनर्नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त करते हुए संगठन को मजबूत करने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

बीजेपी सांसदों ने की सज्जन कुमार के परिजनों से मुलाकात, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने लगा दी फटकार

पणजी, एजेंसी।
नई दिल्ली,(ईएमएस)। नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के 3 सांसदों को अपनी ही पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की कड़ी फटकार लगी है। यह फटकार 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामलों में दोषी ठहराए गए कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार के निधन के बाद उनके परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त करने को लेकर लगी है। इसमें बीजेपी सांसद कमलजीत सहरावत, रामवीर सिंह बिधूड़ी और योगेंद्र चंदोलिया शामिल थे, जिन्होंने सज्जन कुमार के घर जाकर शोक जाहिर किया था।
सज्जन कुमार, जिनका 20 अगस्त को निधन हुआ, तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए 1984 के सिख विरोधी दंगों के कई मामलों में दो उम्रकैद की सजा काट रहे थे। बीजेपी के तीनों सांसदों के कदम पर वरिष्ठ वकील और सामजिक कार्यकर्ता एच.एस. फुल्का ने तीव्र प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने लिखा कि वे तीनों सांसदों के दौरे की कड़ी निंदा करते हैं, और सज्जन कुमार को सामूहिक हत्यारा बताया। फुल्का ने सवाल उठाया कि बीजेपी, जिसने हमेशा दंगा पीड़ितों के लिए न्याय की लड़ाई का समर्थन किया है, उसके सांसद एक दोषी के परिवार के प्रति सहानुभूति क्यों दिखा रहे हैं, जबकि सहानुभूति पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति होनी चाहिए। सूत्रों के अनुसार, सांसदों के कदम की जानकारी पार्टी नेतृत्व को नहीं दी गई थी, इस मामले को राष्ट्रीय अध्यक्ष नवीन ने बेहद गंभीरता से लिया। शनिवार को उन्होंने इन तीनों सांसदों को तलब कर कड़ी फटकार लगाकर अपनी गहरी नाराजगी व्यक्त की। यह घटना तब हुई है जब पार्टी अपनी सार्वजनिक छवि और सिद्धांतों के प्रति अत्यंत सतर्क है। इस बीच, नवीन ने शनिवार को ही पार्टी नेताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में युवाओं तक पार्टी की पहुंच बनाने की योजना और उत्तर प्रदेश, पंजाब तथा गुजरात सहित सात राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर मुख्य रूप से चर्चा हुई।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर मिनी मैराथन में दौड़े छात्र छात्राएं, उदयगिरी सदन बना विजेता

हरिद्वार (शिखर समाचार)। हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती और राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर टिबड़ी, शिवलोक स्थित तरुण हिमालय इंटर कॉलेज की ओर से मिनी मैराथन का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों में खेल भावना, शारीरिक स्वास्थ्य और अनुशासन की भावना विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित दौड़ में विद्यालय के विभिन्न सदनों के छात्र-छात्राओं के साथ शिक्षिकाओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। सुबह छह बजे विद्यालय परिसर से शुरू हुई मिनी मैराथन शिवलोक-टिबड़ी मार्ग, सीपीयू कार्यालय, नगर पालिका शिवालिकनगर कार्यालय और भेल मुख्य चिकित्सालय होते हुए वापस विद्यालय परिसर में संपन्न हुई। बालक वर्ग में अंशुल तोमर ने प्रथम, सूरज रावत ने द्वितीय और अभिषेक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बालिका वर्ग में अनुष्का प्रथम, मुस्कान द्वितीय और जयंति तृतीय रहीं। चारों सदनों के प्रदर्शन के आधार पर उदयगिरी सदन ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। गौरव, विजय, सुमित, डेविड, आशीष, हर्षित, प्रियांशु, तन्नु, खुशी, लवली, वैष्णवी और अनन्या को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाने के लिए शिक्षिकाओं नेहा सैनी, लक्ष्मी थापा, कीर्ति, शीतल थापा और बबीता थपलियाल ने भी दौड़ में भाग लिया। प्रधानाचार्य त्रिलोक चंद्र भट्ट के मार्गदर्शन में आयोजित मैराथन के दौरान शिक्षकों के सचल दल ने धावकों के साथ रहकर प्राथमिक चिकित्सा और पेयजल की व्यवस्था संभाली। विद्यालय की 31वीं वाहिनी राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेटों ने प्रमुख चौराहों पर यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग किया। फिनिशिंग स्थल पर उर्मिला ममगाई और शशि गोदियाल ने जिम्मेदारी निभाई। दौड़ के बाद आयोजित सम्मान समारोह में संस्था अध्यक्ष गंगादत्त शर्मा, प्रबंधक बलदेव सिंह रावत, कोषाध्यक्ष हर्षमोहन रावत, ललित भट्ट और अजय नेगी ने विजेता खिलाड़ियों को पदक एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया। विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए भविष्य में भी खेल गतिविधियां आयोजित करने का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री मोदी उज्बेकिस्तान की दो दिवसीय यात्रा पर हुए रवाना, किर्गिज भी जाएंगे

-व्यापार, निवेश, डिजिटल कनेक्टिविटी, रक्षा, ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग पर करेंगे चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी।
पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार सुबह उज्बेकिस्तान की दो दिवसीय यात्रा पर रवाना हो गए। पीएम मोदी ने उज्बेकिस्तान के लिए रवाना होने से पहले लिखा- मैं 29 अगस्त से 1 सितंबर तक उज्बेकिस्तान और किर्गिज की यात्रा पर जा रहा हूं। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में भारत-उज्बेकिस्तान रणनीतिक साझेदारी में काफी प्रगति हुई है। मैं राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ व्यापार और निवेश, डिजिटल कनेक्टिविटी, रक्षा, ऊर्जा के क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने और विकसित भारत और यांगी उज्बेकिस्तान के हमारे साझा विजन को आगे बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए उत्सुक हूं।
उन्होंने कहा कि मैं ताशकंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ ओरिएंटल स्टडीज में शास्त्री स्मारक और महात्मा गांधी केंद्र का भी दौरा करूंगा, जो हमारे दोनों देशों को जोड़ने वाले गहरे सांस्कृतिक और लोगों के बीच के संबंधों का प्रतीक है। यह पीएम मोदी की उज्बेकिस्तान की चौथी यात्रा होगी। यात्रा के दौरान पीएम मोदी उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता करेंगे, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना है।

आधुनिक गाजियाबाद की पहचान बनी 'गाजियाबाद-द टेक हब' प्रतिमा, आकर्षण का केंद्र

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद नगर निगम की ओर से शहर के आधुनिक स्वरूप, तकनीकी विकास और भविष्य की संभावनाओं को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से तैयार की गई 'गाजियाबाद-द टेक हब' प्रतिमा इन दिनों लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश पर शहर के सौंदर्यीकरण के लिए किए जा रहे कार्यों के तहत यह भव्य प्रतिमा तैयार की गई है। करीब 20 फीट लंबी और 20 फीट चौड़ी यह प्रतिमा राजनगर एक्सटेंशन से एलिवेटेड मार्ग की ओर जाने वाले रास्ते पर पार्क में स्थित रोटरी गोल चक्कर में स्थापित की गई है।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि 'गाजियाबाद-द टेक हब' के माध्यम से शहर की बदलती तस्वीर और आधुनिक पहचान को रचनात्मक एवं आकर्षक स्वरूप में प्रदर्शित किया गया है। यह स्थापना गाजियाबाद को तकनीक, नवाचार, डिजिटल विकास और आधुनिक बुनियादी सुविधाओं की दिशा में निरंतर आगे बढ़ते शहर के रूप में प्रस्तुत करती है। इसका उद्देश्य शहरवासियों के साथ गाजियाबाद आने वाले लोगों को भी शहर के विकास की नई तस्वीर से परिचित कराना है।

उद्यान प्रभारी अनुज ने बताया कि प्रतिमा के चारों ओर आकर्षक प्रकाश व्यवस्था का कार्य भी कराया जा रहा है। प्रकाश व्यवस्था और अन्य सौंदर्यीकरण संबंधी कार्य प्रगति पर हैं तथा करीब एक माह के भीतर इन्हें पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद प्रतिमा रात के समय भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बनेगी। प्रतिमा के नीचे भव्य ढांचा तैयार किया गया है, जिसे भू-दृश्य सज्जा के माध्यम से सुंदर और व्यवस्थित रूप दिया जा रहा है।

महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त के नेतृत्व में नगर निगम शहर की स्वच्छता के साथ-साथ सौंदर्यीकरण और आधुनिक स्वरूप विकसित करने पर भी कार्य कर रहा है। 'गाजियाबाद-द टेक हब' इसी प्रयास का हिस्सा है, जो आधुनिक गाजियाबाद की पहचान, विकास यात्रा और भविष्य की संभावनाओं का प्रतीक बनकर सामने आ रही है। नगर निगम का लक्ष्य शहर को स्वच्छ, सुंदर, आधुनिक और तकनीक आधारित सुविधाओं से युक्त बनाने का है।

पीली डैम की सुरक्षा का विशेषज्ञों ने किया व्यापक तकनीकी मूल्यांकन

बिजनौर (शिखर समाचार)। सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के साथ मानसून के दौरान संभावित बाढ़ के प्रभाव को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे पीली डैम की सुरक्षा और संरचनात्मक स्थिति का विशेषज्ञों की टीम ने व्यापक तकनीकी मूल्यांकन किया। करीब छह दशक से क्षेत्र की सिंचाई और बाढ़ प्रबंधन व्यवस्था में योगदान दे रहे इस महत्वपूर्ण बांध के आधुनिकीकरण, नवीनीकरण और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। पीली डैम का निर्माण वर्ष 1962 में शुरू हुआ था और वर्ष 1966 में पूरा हुआ। इसके बाद से यह लगातार क्षेत्र की सिंचाई आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ बाढ़ प्रबंधन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बांध के लंबे समय से उपयोग में होने को देखते हुए इसकी संरचनात्मक स्थिति, जल प्रबंधन प्रणाली, सुरक्षा उपकरणों तथा जल-यांत्रिक व्यवस्थाओं का तकनीकी परीक्षण किया जा रहा है। राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों तथा बांध सुरक्षा अधिनियम, 2021 के प्रावधानों के तहत पीली डैम के लिए स्वतंत्र विशेषज्ञ पैनल गठित किया गया है। इसमें डॉ. विनोद कुमार शर्मा को अध्यक्ष तथा राजीव सचदेवा, डॉ. अनिल कुमार लोहानी और विनीत भाटिया को सदस्य बनाया गया है। रोहिलखंड बांध सुरक्षा मंडल, लखनऊ के अधीक्षण अभियंता और सिंचाई कार्य मंडल, मुरादाबाद के अधीक्षण अभियंता को भी पैनल में शामिल किया गया है। विशेषज्ञ पैनल ने बांध का विस्तृत स्थलीय निरीक्षण

कर संरचनात्मक मजबूती, जल प्रबंधन व्यवस्था, सुरक्षा उपकरणों और जल-यांत्रिक प्रणाली का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सिंचाई कार्य मंडल, मुरादाबाद के अधीक्षण अभियंता राजीव मित्तल, अधिशासी अभियंता अरुण सचदेवा और सहायक अभियंता पंकज कुमार जैन सहित विभागीय अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। निरीक्षण के बाद विशेषज्ञ पैनल विस्तृत तकनीकी रिपोर्ट तैयार करेगा। इसमें आवश्यक संरचनात्मक सुधार, सुरक्षा उपकरणों के उन्नयन और जल-यांत्रिक व्यवस्थाओं में सुधार सहित अन्य जरूरी कार्यों को चिन्हित किया जाएगा। इसके आधार पर विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार कर शासन को स्वीकृति के लिए भेजा जाएगा। स्वीकृति मिलने के बाद बांध के नवीनीकरण, आधुनिकीकरण और सुरक्षा सुदृढ़ीकरण के कार्य कराए जाएंगे। मानसून में संभावित बाढ़ और जलस्तर के उतार-चढ़ाव को देखते हुए यह मूल्यांकन बांध की दीर्घकालीन सुरक्षा और विश्वसनीयता के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हरियाणवी गायक अंकित बालियान हत्याकांड में पुलिस ने किया घटनास्थल का पुनर्निर्माण

शामली (शिखर समाचार)। हरियाणवी गायक अंकित बालियान की सनसनीखेज हत्या के बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी है। शनिवार को सहारनपुर विशेष कार्यबल की टीम शामली पहुंची और पुलिस अधिकारियों के साथ आर्यपुरी कॉलोनी स्थित घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। पुलिस ने घटनास्थल पर वारदात का पुनर्निर्माण कर हमले की पूरी कड़ी जोड़ने का प्रयास किया। निरीक्षण के दौरान नगर क्षेत्राधिकारी जितेंद्र कुमार भी मौजूद रहे। गत 26 अगस्त की देर शाम जिम से कसरत कर लौट रहे अंकित बालियान पर बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दी थीं। गोली लगने से अंकित की मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना के बाद से ही शामली पुलिस की कई टीमें हत्यारोपियों की तलाश में जुटी हैं। मामले के खुलासे के लिए सहारनपुर विशेष कार्यबल और मेरठ विशेष कार्यबल को भी जांच में लगाया गया है।

घटनास्थल के पुनर्निर्माण के दौरान पुलिस अधिकारियों ने यह पता लगाने का प्रयास किया कि हमलावर किस दिशा से पहुंचे, उन्होंने किस स्थान से फायरिंग की और वारदात को अंजाम देने के बाद किस रास्ते से फरार हुए। पुलिस ने जिम संचालक रवि शर्मा को भी मौके पर बुलाकर घटना से संबंधित जानकारी हासिल की। आसपास के मकानों में रहने वाले लोगों से पूछताछ के साथ उस स्थान का भी निरीक्षण किया गया, जहां अंकित की कार खड़ी थी।

पुलिस टीमों ने घटनास्थल और आसपास लगे निगरानी कैमरों की फुटेज भी खंगाली। फुटेज के माध्यम से घटना के समय क्षेत्र से गुजरने वाले संदिग्ध लोगों और वाहनों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस घटना से पहले और बाद की गतिविधियों को जोड़कर हत्यारोपियों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार हरियाणा में भी संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि हत्याकांड से जुड़े सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है और जल्द मामले में महत्वपूर्ण सफलता मिलने की उम्मीद है।

एमएमजी अस्पताल में स्वाइन फ्लू से निपटने की पूरी तैयारी, 10 बिस्तर आरक्षित, जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मादड़ ने शनिवार को जिला चिकित्सालय (एमएमजी अस्पताल) का निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं और स्वाइन फ्लू से निपटने की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल के फ्लू वार्ड का निरीक्षण करते हुए मरीजों के लिए उपलब्ध कराई गई सुविधाओं की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि स्वाइन फ्लू के मरीजों के लिए अस्पताल में 10 बिस्तर आरक्षित किए गए हैं। वार्ड में ऑक्सीजन, आवश्यक दवाइयों और अन्य चिकित्सीय संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता है। जिलाधिकारी ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों में भर्ती मरीजों और उनके तीमारदारों से भी सीधे संवाद किया तथा उपचार और स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। मरीजों और तीमारदारों ने अस्पताल में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलने की बात कही। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक से कूलर, पंखे, बिजली सहित अन्य

व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यकता होने पर मांग पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने अस्पताल परिसर में निमार्णाधीन नई इमारत का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति और स्वीकृत कार्यों का पूरा विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण में किसी कमी या अतिरिक्त आवश्यकता की जानकारी भी रिपोर्ट के माध्यम से देने को कहा, ताकि भवन का निर्माण गुणवत्तापूर्ण और उपयोगी तरीके से पूरा हो सके।

निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में अब तक सामने आए स्वाइन फ्लू के मरीज वर्तमान में अपने घरों पर स्वस्थ हैं और एमएमजी अस्पताल में इस समय कोई स्वाइन फ्लू मरीज भर्ती नहीं है। उन्होंने स्वाइन फ्लू संबंधी जानकारी और सहायता के लिए आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 08826294546 जारी किया। नेपाल में उत्पन्न आपातकालीन परिस्थितियों को लेकर जिलाधिकारी ने अपील की कि यदि किसी जनपदवासी का परिजन, रिश्तेदार या परिचित नेपाल में मौजूद है और उससे संपर्क नहीं हो पा रहा है, तो उसकी सूचना जिला प्रशासन को उपलब्ध कराएं। प्रशासन संबंधित व्यक्ति की जानकारी जुटाने और यथासंभव सहायता उपलब्ध कराने की कार्रवाई करेगा।

अंकित बालियान के परिजनों से मिले रालोद नेता, दोषियों की गिरफ्तारी की मांग

शामली (शिखर समाचार)। हरियाणवी लोकगायक अंकित बालियान की हत्या के बाद पीड़ित परिवार को सांत्वना देने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में राष्ट्रीय लोकदल के वरिष्ठ नेताओं ने ग्राम बंतीखेड़ा पहुंचकर शोकाकुल परिजनों से मुलाकात की और गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए उन्हें ढांढस बंधाया। नेताओं ने परिजनों से घटना की जानकारी लेते हुए इस दुख की घड़ी में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार, पूर्व मंत्री योगराज सिंह, विधायक प्रसन्न चौधरी, क्षेत्रीय अध्यक्ष तरसपाल मलिक, पूर्व विधायक राव वारिश, जिलाध्यक्ष वाजिद अली, मंडल अध्यक्ष प्रभात तोमर और शायान अली सहित अन्य लोग मौजूद रहे। रालोद नेताओं ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल परिवार पीड़ित परिजनों के साथ मजबूती से खड़ा है और उन्हें न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। नेताओं ने प्रशासन से हत्याकांड की जांच में तेजी लाने तथा घटना में शामिल आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि जघन्य वारदात में शामिल आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति पर रोक लगाई जा सके। नेताओं ने प्रशासन से हत्याकांड के प्रत्येक पहलू की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई करने को कहा। मुलाकात के दौरान नेताओं और परिजनों ने दिवंगत अंकित बालियान की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने ईश्वर से शोकाकुल परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। परिजनों ने भी घटना को लेकर अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और न्याय की अपेक्षा जताई।

कर्ज में डूबे कैंटर चालक ने रची पांच लाख की फर्जी लूट, पाइप में छिपाए रुपये

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हाफिजपुर क्षेत्र में कैंटर चालक से पांच लाख रुपये की बेहोश कर लूट की सूचना का पुलिस ने खुलासा करते हुए वारदात को फर्जी पाया है। पुलिस ने आरोपी चालक गुलहसन को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से पांच लाख रुपये, मोबाइल फोन और कैंटर बरामद किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने कर्ज चुकाने के लिए खुद ही लूट की साजिश रची थी और रुपये कैंटर के डाले की पाइप में छिपाकर उसे वेल्डिंग से बंद कर दिया था। जानकारी के अनुसार बुलंदशहर के रामपुर मानपुर निवासी गुलहसन ने पुलिस को बताया था कि उसने गढ़ रोड स्थित एक लकड़ी व्यापारी को लकड़ी बेचकर पांच लाख रुपये प्राप्त किए थे। 29 अगस्त की सुबह वह रुपये लेकर घर लौट रहा था। उसने आरोप लगाया कि सोना पेट्रोल पंप के सामने तीन युवकों ने उससे लिफ्ट मांगी और

कैंटर में बैठने के बाद कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसे पिला दिया। बेहोश होने के बाद आरोपी पांच लाख रुपये लूटकर फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू की तो घटना की कहानी संदिग्ध प्रतीत हुई। पुलिस ने आसपास लगे निगरानी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें बताए गए समय पर कैंटर सड़क पर दिखाई नहीं दिया। पूछताछ के दौरान गुलहसन लगातार अपने बयान बदलता रहा। पुलिस के अनुसार सख्ती से पूछताछ करने पर उसने फर्जी लूट की कहानी रचने की बात स्वीकार कर ली।

थाना प्रभारी अतुल कुमार चौहान ने बताया कि गुलहसन पर काफी कर्ज था। कर्ज चुकाने के लिए उसने पांच लाख रुपये हड़पने की योजना बनाई और लूट का नाटक किया। उसने रकम कैंटर के डाले की पाइप में रखकर वेल्डिंग कर दी थी। पुलिस ने आरोपी को उबारपुर नाले के पास से गिरफ्तार कर रकम बरामद कर ली। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

हापुड़ (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जिला खेल कार्यालय की ओर से जिला स्तरीय कबड्डी, एथलेटिक्स और हॉकी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। प्रतियोगिताओं में कबड्डी की आठ टीमों, हॉकी की पांच टीमों और एथलेटिक्स में 125 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष कविता मांद्रे ने कहा कि मेजर ध्यानचंद ने सीमित संसाधनों के बावजूद अपनी प्रतिभा के दम पर देश को विश्व स्तर पर सम्मान दिलाया। आज सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास कर रही है। युवाओं को खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेकर देश और प्रदेश का नाम रोशन करना चाहिए। जिला क्रीड़ा अधिकारी अरुणा सिरोही ने

अतिथियों का स्वागत किया।

विशिष्ट अतिथि पूर्व महामंत्री मोहन सिंह, हॉकी सचिव प्रिंस पंडित, जेएमएस के निदेशक डॉ. आयुष सिंघल, सचिव डॉ. रोहन सिंघल, जिला व्यायाम शिक्षक मनप्रीत खैरा और जेएमएस वर्ल्ड स्कूल की प्रधानाचार्य डॉ. निधि मलिक मौजूद रहीं। प्रतियोगिता के समापन पर जिला महामंत्री कपिल एसएमजी, सांसद प्रतिनिधि अशोक बबली और जेएमएस खेल निदेशक दीपांशु गर्ग ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ में जतिन, 200 मीटर में जय, 400 मीटर में दीपांशु, 800 मीटर में मयंक कुमार, 1500 मीटर में अभिषेक कुमार, गोला फेंक में पार्थ और लंबी कूद में जय प्रथम रहे। कबड्डी में जेपीएस की टीम विजेता और बेसिक शिक्षा विभाग की टीम उपविजेता रही। बालिका वर्ग में 100 मीटर में ऋषि, 200 मीटर में शशि, 400 मीटर में पलक, 800 मीटर में प्रियंशी, 1500 मीटर में तनुष्का, गोला फेंक में काकुल और लंबी कूद में आफिया प्रथम रहीं। बालिका हॉकी में जेएमएस विजेता और बेसिक शिक्षा विभाग उपविजेता रहा।

भजनों पर झूमे श्रद्धालु, जाहरवीर की लीलाओं का हुआ मंचन

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। नगर की वाल्मीकि बस्ती में शनिवार को आयोजित धार्मिक जागरण में श्रद्धालु गोगा जाहरवीर और गुरु गोरखनाथ के भजनों पर जमकर झूमे। इस दौरान श्रद्धालुओं ने बाबा का दिव्य प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम का आयोजन फूलों प्रकाश फौजी के निवास स्थान पर किया गया। जागरण की शुरूआत सहसपूरी ठाकुरद्वारा से आई जाहरवीर जागरण पार्टी ने झंडा-निशान लगाने और विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ की। इसके बाद जागरण पार्टी के मुख्य कलाकार

प्रोफेसर मनोज भगत ने गोगा जाहरवीर के जन्म से लेकर बागड़ में समाधि लेने तक की विभिन्न चमत्कारी लीलाओं का भावपूर्ण मंचन किया। उन्होंने गुरु गोरखनाथ और जाहरवीर के जीवन पर आधारित एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। भजनों की धुन पर पंडाल में मौजूद श्रद्धालु देर तक झूमते रहे। आयोजन को सफल बनाने में मनोज भगत, विजय भगत, नारायण भगत, अमन भगत, भगवत भगत, कुलदीप भगत, पंजू भगत, राजन भगत, रिंकू भगत और गैंदा भगत सहित अन्य कलाकारों ने सहयोग किया। धार्मिक आयोजन में फूलों प्रकाश, कपिल कुमार, मनीष कुमार, रंजीत सूद, नीलम सूद, रेनू, नीलम मौतें, टिंकू कुमार, कल्लू, अतुल कुमार, सविता, रूपा देवी, अशोक कुमार, राजकुमार चावला, सभासद कपिल पवार, अजीत कुमार, रोहित कुमार, मेहर सिंह और अजय कुमार, काकू कुमार सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से बाबा का स्मरण कर सुख-समृद्धि की कामना की।

प्राची पंवार ने फिर रचा कीर्तिमान, हिंदू अध्ययन में नेट उत्तीर्ण

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बा निवासी छात्रा प्राची पंवार ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी शैक्षणिक प्रतिभा का परिचय देते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस बार उन्होंने हिंदू अध्ययन विषय में राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण कर लगातार दूसरी बड़ी शैक्षणिक उपलब्धि हासिल की है। उनकी सफलता से परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। कस्बे के बड़ौत रोड निवासी डॉ. सतेंद्र आर्य की पुत्री प्राची पंवार इससे पहले संस्कृत विषय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने के साथ जूनियर रिसर्च फैलोशिप के लिए भी चयनित हो चुकी हैं। अब हिंदू अध्ययन विषय

में भी राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण कर उन्होंने अपनी उपलब्धियों में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ दिया है। परिजनों, शिक्षकों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उनकी लगातार सफलता को क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक बताया जा रहा है। प्राची पंवार ने श्रीमद् दयानंद कन्या गुरुकुल, चोटीपुरा से संस्कृत विषय में परास्नातक की शिक्षा प्राप्त की है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय निरंतर परिश्रम, परिवार के सहयोग तथा माता डॉ. गीतांजलि और पिता डॉ. सतेंद्र आर्य के मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद को दिया। प्राची का कहना है कि लक्ष्य के प्रति निरंतर प्रयास और अध्ययन में अनुशासन सफलता की राह आसान बनाते हैं। उनकी उपलब्धि पर क्षेत्र के लोगों ने हर्ष व्यक्त किया।

चुनावी ड्यूटी में लापरवाही पर चार शिक्षिकाओं का वेतन रोका

हापुड़ (शिखर समाचार)। चुनावी ड्यूटी में लापरवाही बरतना चार शिक्षिकाओं को भारी पड़ गया। उपजिलाधिकारी के निर्देश पर चारों बूथ स्तरीय अधिकारियों का अगस्त माह से वेतन रोकने की कार्रवाई की गई है। कार्रवाई के बाद निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों में हड़कंप मचा है। बेसिक शिक्षा अधिकारी दीपा भाटी ने बताया कि उपजिलाधिकारी से मिले निर्देश के अनुसार 20 अगस्त को पर्यवेक्षकों की

बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में सामने आया कि करीब आठ माह पहले बूथ स्तरीय अधिकारियों की ड्यूटी लगाए जाने के बावजूद चार बूथों पर निर्वाचन संबंधी कार्य शुरू नहीं किया गया था। बूथ संख्या 354, 373, 392 और 411 पर तैनात बूथ स्तरीय अधिकारियों को 21 अगस्त तक बार-बार निर्देश दिए जाने के बावजूद कार्य में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई। अधिकारियों के अनुसार निर्वाचन कार्य महत्वपूर्ण और समयबद्ध जिम्मेदारी है। इसके बावजूद निदेर्शों का पालन नहीं करने को गंभीर लापरवाही मानते हुए कार्रवाई की गई है। उपजिलाधिकारी के निर्देश पर चार बूथ स्तरीय अधिकारियों ज्योति सिंह, बबीता रानी, शिखा रानी और पूजा रानी का अगस्त माह से वेतन रोकने का आदेश दिया गया है। विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि निर्वाचन संबंधी जिम्मेदारियों के निर्वहन में किसी भी स्तर पर लापरवाही को स्वीकार नहीं किया जाएगा। संबंधित कर्मचारियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूरा करने के निर्देश दिए जा रहे हैं, ताकि मतदाता सूची और निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े कार्य समय पर पूरे हो सकें।

शिक्षक दिवस पर राष्ट्रपति करेंगी डॉ. रेनू त्रिपाठी को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित

हापुड़ (शिखर समाचार)। पिलखुवा निवासी और विजय नगर स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की विज्ञान शिक्षिका डॉ. रेनू त्रिपाठी का राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2026 के लिए चयन हुआ है। जनपद के लिए यह गौरव की बात है। केंद्र सरकार की ओर से 21 अगस्त को जारी 48 चयनित शिक्षकों की सूची में उत्तर प्रदेश से केवल तीन शिक्षकों को स्थान मिला है, जिनमें डॉ. रेनू त्रिपाठी भी शामिल हैं। शिक्षक दिवस के अवसर पर पांच सितंबर को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान करेंगी।

डॉ. रेनू कक्षा छह से दस तक के विद्यार्थियों को विज्ञान पढ़ाती हैं। उनका चयन कम लागत वाले शिक्षण मॉडल तैयार करने, उपलब्ध संसाधनों के नवाचारी प्रयोग और विद्यालय छोड़ चुके बच्चों को दोबारा शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के विशेष प्रयासों के लिए किया गया है। शिक्षा के प्रति उनके समर्पण और नवाचार को विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी माना जा रहा है। वर्ष 1987 में परियोजना अधिकारी के रूप में कार्य शुरू करने वाली डॉ. रेनू ने पिता के सपने को पूरा करने के लिए नौकरी छोड़कर शिक्षण को अपना क्षेत्र चुना। वर्ष 2006 में उन्होंने राजकीय कन्या इंटर कॉलेज में शिक्षिका के रूप में कार्यभार संभाला। वह लंबे समय से शिक्षा के क्षेत्र में सेवा भाव से कार्य कर रही हैं। जुलाई 2027 में सेवानिवृत्त होने वाली डॉ. रेनू का कहना है कि सेवानिवृत्ति के बाद भी वह गरीब और जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाना जारी रखेंगी।

डॉ. रेनू मूल रूप से गोविंदपुरम की रहने वाली हैं। उनके पति मधुसूदन त्रिपाठी प्रोफेसर हैं। बड़ा बेटा विनायक भी प्रोफेसर है, जबकि छोटा बेटा पतंजलि में कार्यरत है। अपनी उपलब्धि का श्रेय डॉ. रेनू ने अपने ससुर संस्कृत के महान विद्वान आचार्य भगवान दास त्रिपाठी को दिया है। उनके चयन से हापुड़ और पिलखुवा में खुशी का माहौल है तथा शिक्षकों, विद्यार्थियों और क्षेत्रवासियों ने उन्हें बधाई दी है।

संक्षिप्त समाचार

50 मुस्लिम महिलाओं ने हिंदू भाइयों को बांधी राखी

वाराणसी, एजेंसी। काशी में रक्षाबंधन पर सामाजिक समरसता की अनूठी तस्वीर दिखी। वाराणसी व्यापार मंडल की पहल पर 50 से अधिक मुस्लिम माताओं और बहनों ने हिंदू भाइयों को राखी बांधी। यह कार्यक्रम सिगरा स्थित बग्गा निवास में आयोजित हुआ, जिसका उद्देश्य आपसी प्रेम और भाईचारे को मजबूत करना था। कार्यक्रम में मुस्लिम बहनों में खासा उत्साह था। उन्होंने राखी बांधते हुए पारंपरिक गीत गाए। भाइयों ने बहनों को रक्षा का वचन दिया। बहनों ने भी समाज, देश और आपसी सौहार्द की रक्षा का संकल्प लिया। इस दौरान वाराणसी व्यापार मंडल के अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा, रविंद्र जायसवाल, संजय निरंकारी, रमेश गुप्ता, शाहिद कुरैशी और मोहम्मद शमशाद मौजूद रहे।

11 हजार रुद्राक्ष के दानों से मां कुष्मांडा का श्रृंगार

वाराणसी, एजेंसी। दुर्गाकुंड स्थित आदिशक्ति मां कुष्मांडा मंदिर में सावन पूर्णिमा पर मां का 11 हजार रुद्राक्ष के दानों से भव्य श्रृंगार किया गया।

पंचामृत स्नान के बाद मां को नूतन वस्त्र और आभूषण धारण कराए गए। फूलों से मनोहारी श्रृंगार कर भव्य आरती उतारी गई। मां के जयकारों से मंदिर परिसर देर रात तक गूंजता रहा। दर्शन-पूजन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ी और दरबार में भजन-कीर्तन के बीच श्रद्धा-भक्ति की बयार बहती रही। मंदिर के पुजारी पं. ऋषभ दुबे के निर्देशन में श्रृंगार किया गया। आरती के बाद भक्तों में भोग-प्रसाद वितरित किया गया। गीतकार कन्हैया दुबे केडी के संयोजन में भजन संध्या का आयोजन हुआ। इसमें गायन, वादन और नृत्य की त्रिवेणी मां के चरणों में अर्पित की गई।

जिस मार्ग से गुजरे, वहां कुछ ही देर बाद हुई तबाही; बाल-बाल बचे भाकियू प्रतिनिधि

आगरा, एजेंसी। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत प्रतिनिधिमंडल के साथ नेपाल में आई भीषण बाढ़ एवं प्राकृतिक आपदा के दौरान प्रभावित क्षेत्र में फंस गए थे। उनके साथ भारतीय किसान यूनियन युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह, गाजियाबाद के जिलाध्यक्ष चौधरी विजेंद्र सिंह सहित 12 से अधिक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद हैं। संगठन के जिलाध्यक्ष आगरा राजवीर लवानिया ने शुक्रवार को चौधरी राकेश टिकैत से बात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधिमंडल फिलहाल काठमांडू में सुरक्षित है और शनिवार शाम की फ्लाइट से दिल्ली पहुंचने की संभावना है। गाजियाबाद के जिलाध्यक्ष चौधरी विजेंद्र सिंह ने बताया कि 26 अगस्त को जिस क्षेत्र में भीषण बाढ़ की त्रासदी हुई, प्रतिनिधिमंडल उससे एक दिन पूर्व 25 अगस्त को उसी मार्ग से होकर निकला था। बाढ़ में कई पुल बह गए और रास्ते पूरी तरह तबाह हो गए। उन्होंने कहा कि यदि प्रतिनिधिमंडल को उस स्थान से निकलने में कुछ घंटे की भी देरी हो जाती तो गंभीर अनहोनी हो सकती थी।

यूथ-यूनिवर्सिटी-इंडस्ट्री के जुड़ाव से बढ़ेगी अर्थव्यवस्था की रफ्तार: सीएम

गोरखपुर , एजेंसी। मुख्यमंत्री व एमजीयूजी के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ ने कहा कि युवा, विश्वविद्यालय, इंडस्ट्री और एंटरप्राइज के बीच मजबूत समन्वय से ही अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। विश्वविद्यालयों को केवल डिग्री देने तक सीमित नहीं रहना चाहिए बल्कि उन्हें शोध और नवाचार के ऐसे केंद्र के रूप में विकसित करना होगा, जहां से निकलने वाली तकनीक और ज्ञान समाज व उद्योग के काम आए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में युवाओं को भरपूर अवसर देने का ईको सिस्टम तैयार हुआ है। प्रदेश में पोटेंशियल की कोई कमी नहीं है। नौ वर्ष में बदलाव की मजबूत नींव तैयार की गई है। सीएम योगी शुक्रवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के पांचवें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय टापू न बनें। उनकी लैब में होने वाली रिसर्च कैंपस की चहारदीवारी से बाहर निकलकर आम लोगों की समस्याओं का समाधान करें और इंडस्ट्री की जरूरतों को पूरा करे। बदलती औद्योगिक जरूरतों के अनुरूप युवाओं को तैयार करने के साथ शोध को रोजगार और विकास से जोड़ना समय की मांग है। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आज युवाओं के सामने आगे बढ़ने के अवसर केवल सरकारी नौकरी तक सीमित नहीं हैं। उनके लिए एजुकेशन (शिक्षा), स्किल डेवलपमेंट (कौशल विकास), इंटरप्रेन्योरशिप (उद्यमिता), स्टार्टअप, एमएसएमई, इंडस्ट्री, डिजिटल इकोनॉमी और रिसर्च एंड इनोवेशन (अनुसंधान एवं नवाचार) जैसे अनेक अवसर हैं। सरकार का प्रयास है कि युवा को सीखने, प्रयोग करने, उद्यम शुरू करने और आगे बढ़ने का एक बेहतरीन वातावरण प्राप्त हो।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर ने कनेक्टिविटी बढ़ाई है। बेहतर कनेक्टिविटी ने निवेश के बेहतरीन अवसर उपलब्ध करवाए हैं। निवेश ने इंडस्ट्री और रोजगार के अवसर बढ़ाए हैं। डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर ने अवसरों को प्रदेश के अधिक से अधिक युवाओं तक पहुंचाने की क्षमता भी दी है। एमएसएमई और ओडीओपी के माध्यम से स्थानीय उत्पादों, स्थानीय कारीगरों और हस्तशिल्पियों को बेहतरीन प्लेटफार्म प्राप्त हुआ है। इसी तरह स्टार्टअप ईको सिस्टम ने युवाओं को नौकरी खोजने से आगे बढ़कर नए समाधान और नए उद्यम खड़े करने के अवसर दिए हैं। मुख्यमंत्री ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को सम्मानित और डॉ. अनुकृति राज की दो पुस्तकों का विमोचन किया।

न हथकड़ी लगी, न जेल गए, 200 से 700 का जुर्माना

2 साल में 11 दोषियों को अदालत में खड़े रहने की सजा

वाराणसी, एजेंसी। अदालत में फैसला सुनते ही किसी को जेल जाने की चिंता सताती है तो कोई जमानत की जुगत में लग जाता है। लेकिन, वाराणसी में पिछले दो साल में 11 दोषियों के लिए सजा का अंदाज कुछ अलग रहा। न उन्हें हथकड़ी लगी, न ही उन्हें जेल की सलाखों के पीछे भेजा गया। अदालत ने उन्हें न्यायालय उठने तक की सजा सुनाई। दोषी अदालत में तब तक खड़े रहे, जब तक न्यायिक कार्यवाही चलती रही। न्यायालय की कार्यवाही खत्म होते ही उनकी सजा पूरी हो गई। इस सजा के साथ उन पर महज 200 से 700 रुपये तक का अर्थदंड लगाया गया।

छोटे-मोटे अपराध और मामूली विवाद के मामलों में पहली बार दोषी पाए जाने पर अदालतों के फैसले में इस सजा के साथ सुधार का पहलू भी नजर आया। इन मामलों में जुआ खेलने, चोरी का प्रयास, राह चलते मारपीट, धमकी देने और अभद्र टिप्पणी करने जैसे अपराध शामिल रहे।

इन मामलों में अपराध के लिए दोषियों को जेल भेजने के बजाय अदालत ने कम अवधि की सजा और अर्थदंड का प्रावधान किया। सुनवाई के दौरान जब दोषियों से उनके कृत्य के बारे में पूछा गया तो कई ने अपनी गलती स्वीकार की और भविष्य में ऐसी हरकत दोबारा न करने का भरोसा दिलाया। विशेष लोक अभियोजक संतोष कुमार

सिंह के मुताबिक, जिनके खिलाफ मामूली धाराओं में मामले दर्ज होते हैं या फिर छोटे अपराध में दोषी पाए जाते हैं, उनके लिए ऐसी सजा का प्रावधान सुधारात्मक पहल के तौर पर किया जाता है। संवाद

ये है न्यायालय उठने तक की सजा: न्यायालय उठने तक की सजा का आशय है कि दोषी को न्यायालय द्वारा निर्धारित अवधि तक अदालत में मौजूद रहना होता है। न्यायालय की कार्यवाही समाप्त होने और अदालत के उठने के साथ उसकी सजा पूरी मानी जाती है। हालांकि, इस सजा से दोषसिद्धि समाप्त नहीं होती। इस तरह के फैसले में दंड के साथ दोषी को अपनी गलती का अहसास कराने और भविष्य में अपराध से दूर रहने का संदेश भी दिया जाता है।

जुआ खेलने के मामले में 200 रुपये जुर्माना : साल 2023 में पुलिस ने जुआ खेलने के आरोप में शिवपुर निवासी भैयालाल को गिरफ्तार किया था। करीब दो साल चले मुकदमे के बाद अदालत ने हाल ही में उसे दोषी करार देते हुए न्यायालय उठने तक की सजा सुनाई। दोषी न्यायालय की कार्यवाही पूरी होने तक अदालत में मौजूद रहा। उसने अदालत से भविष्य में दोबारा गलती न करने का भरोसा दिलाया। अदालत ने उस पर 200 रुपये का अर्थदंड लगाया। अर्थदंड अदा नहीं करने पर तीन दिन की अतिरिक्त सजा भुगतने का आदेश दिया गया।

आर्म्स एक्ट के पुराने मामले में 700 रुपये अर्थदंड : चेतगंज थाने में वर्ष 2000 में आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज मामले में आरोपी वीरेंद्र कुमार को अदालत ने दोषी करार दिया। उसे न्यायालय उठने तक की सजा सुनाई गई। साथ ही 700 रुपये का अर्थदंड लगाया गया। अर्थदंड अदा नहीं करने पर उसे 10 दिन की जेल की सजा भुगतनी होगी।

चोरी के प्रयास में 500 रुपये अर्थदंड : सिगरा थाने में वर्ष 2025 में चोरी के प्रयास और धमकी देने के मामले में आरोपी मनीष को अदालत ने दोषी करार दिया। उसे न्यायालय उठने तक की सजा सुनाई गई। साथ ही 500 रुपये का अर्थदंड लगाया गया। अर्थदंड जमा नहीं करने पर 10 दिन जेल में रहने का आदेश दिया गया।

रात में भरभराकर गिरा कच्चा मकान, मलबे में दबकर युवक की मौत, दो घंटे तक नहीं पहुंची एम्बुलेंस

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में घाटमपुर क्षेत्र की इटर्रा ग्राम पंचायत के मजरा मोहनपुर गांव में बारिश के दौरान रात में एक कच्चा मकान अचानक भरभराकर गिर पड़ा। हादसे के समय मकान के मलबे में अमित कुमार (25) दब गया। वहीं, मकान के नीचे बंधी कई बकरियां भी दब गईं। बकरियों को सुरक्षित निकाल लिया गया है।

मकान गिरने की तेज आवाज सुनकर ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़े। मशक्कत कर मलबा हटाया और अमित कुमार को बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल अमित को ग्रामीण तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां कुछ देर में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। अमित कुमार की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

दो घंटे तक एंबुलेंस मौके पर नहीं पहुंची : परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे के बाद ग्रामीणों ने तत्काल 112 नंबर पर सूचना देकर मदद मांगी। ग्रामीणों के मुताबिक, लगातार फोन करने के बावजूद करीब दो घंटे तक न एंबुलेंस मौके पर पहुंची और न ही कोई राहत एवं बचाव टीम पहुंची। आखिरकार ग्रामीणों ने ही मोर्चा संभाला और घायल अमित को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी मौत हो गई।

न तरणताल, न तैराक.. कागजों में हो गया मंडल स्तरीय ट्रायल

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ में एक भी सरकारी तरणताल नहीं है, इसके बावजूद मंडलीय ट्रायल के लिए शुक्रवार को तैराकों को बुलाया गया था। रक्षाबंधन के अवकाश के चलते स्टेडियम के गेट पर ताला लटका रहा। ट्रायल के लिए एक भी तैराक नहीं पहुंचा, लेकिन कागजों में तीन खिलाड़ियों का चयन कर लिया गया। राष्ट्रीय खेल दिवस से एक दिन पहले विभाग की इस कार्यप्रणाली ने व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

रक्षाबंधन पर अवकाश के दिन अहिल्याबाई होल्कर स्टेडियम में तैराकी का मंडलीय ट्रायल प्रस्तावित था, लेकिन सुबह से यहां पर ताला लटका रहा। खिलाड़ी तो दूर की बात, स्टेडियम का एक कर्मी तक नहीं पहुंचा। पूछने पर जिला क्रीड़ाधिकारी ने बताया कि तैराकी का मंडलीय ट्रायल कभी यहां हुआ ही नहीं है। एएमयू के स्वीमिंग कोच ही दो-तीन खिलाड़ियों को मंडल स्तर पर भेज कर खानापूर्ति करा देते हैं।

एएमयू के आहिल और दो बाहरी खिलाड़ी का चयन : वर्ष 2008 में अलीगढ़ मंडल बनने के 14 वर्ष बाद आज तक तैराकी का एक भी मंडलीय ट्रायल इस स्टेडियम में नहीं हुआ है। एएमयू के तैराकी कोच सोहेल ने बताया कि एएमयू के आहिल और बाहर के दो खिलाड़ी सूफियान और आदित्य का चयन मंडल स्तर पर किया गया है। यही खिलाड़ी प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

50 करोड़ से बने इंडोर स्टेडियम के आधुनिक तरणताल पर ताला : नौरंगीलाल राजकीय इंटर कॉलेज के परिसर में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट योजना के तहत 50 करोड़ रुपये से आधुनिक सुविधाओं से लैस इंडोर स्टेडियम बनाया गया। इसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानकों के अनुसार एक स्वीमिंग पूल भी बनाया गया है। यह सब कुछ बन कर तैयार है, लेकिन उद्घाटन के इंतजार में खिलाड़ियों को इसका कोई लाभ नहीं मिल रहा है। प्रधानमंत्री के प्रस्तावित आगमन पर इसका शुभारंभ होना है, इसलिए इसे अभी तक खिलाड़ियों के लिए नहीं खोला गया है।

▸▸ रक्षाबंधन के दिन मंडल स्तर पर तैराकी का ट्रायल प्रस्तावित था। स्टेडियम में कोई तरणताल नहीं है, इसलिए ट्रायल नहीं कराया जा सका। एएमयू के स्वीमिंग पूल में प्रशिक्षण ले रहे खिलाड़ियों को ही प्रदेश की प्रतियोगिता के लिए भेजा जाएगा। – **पूनम लता राज,** जिला क्रीड़ाधिकारी।

सांसद की पिच पर आकर खेल रहे विधायक, 'टोपी-बुलडोजर' से गरमाया माहौल

अलीगढ़ , एजेंसी। विधानसभा चुनाव अभी दूर हैं, लेकिन अलीगढ़ में इसकी सियासी आहट सुनाई देने लगी है। सांसद सतीश गौतम के बयानों में पिछले दो साल से दिखाई दे रही हिंदुत्व और कानून-व्यवस्था की आक्रामक पिच अब विधानसभा स्तर पर भी सुनाई देने लगी है। कोल विधायक अनिल पाराशर के हालिया बयान ने इस चर्चा को और हवा दे दी है। 26 अगस्त को एटा चुंगी स्थित कुंवरनगर में एक सभा में वोट मांगते हुए विधायक ने टोपी वालों और योगी के बुलडोजर का जिक्र किया और पिछली सरकारों की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए।

विधायक ने कहा था कि पहले इंसान तो छोड़िए, जानवर भी सुरक्षित नहीं थे। घर के बाहर खेत में भैंस तक बांधना मुश्किल था। अब योगी के बुलडोजर की वजह से टोपी वालों से अलीगढ़ के लोगों को चैन मिला है। विधायक ने कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर मौजूदा सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए अपने और हिंदुत्व के समर्थन में वोट मांगे। यह बयान ऐसे समय आया है जब 2027 के विधानसभा चुनाव में अभी चार से पांच महीने बाकी हैं और भाजपा की ओर से टिकट को लेकर कोई फैसला नहीं हुआ है।

पाराशर का यह बयान इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि जून में अतरौली मुठभेड़ के बाद भी उनका एक वीडियो सामने आया था। इसमें उन्होंने लूट के

आरोपियों के एनकाउंटर को अल्लाह मियां के पास पहुंचाया कहते हुए इसे योगी-मोदी सरकार की कार्रवाई बताया था। ऐसे में विधायक की यह भाषा सिर्फ एक सभा के बयान तक सीमित नहीं, बल्कि चुनाव से पहले अलीगढ़ की राजनीति में मुद्दों और भाषणों के बदलते मिजाज का संकेत भी मानी जा रही है। अलीगढ़ में भाजपा के जनप्रतिनिधियों के बयानों में हिंदुत्व, मुस्लिम पहचान और कानून-व्यवस्था का मुद्दा नया नहीं है। पिछले दो वर्षों में सांसद सतीश गौतम के कई बयान सुर्खियां बन चुके हैं। अब विधायक अनिल पाराशर का बयान सामने आने के बाद सवाल उठ रहा है कि क्या सांसद के बाद विधानसभा स्तर के नेता भी उसी राजनीतिक पिच पर अपनी जगह बना रहे हैं?

अभी भाजपा ने विधानसभा चुनाव के लिए टिकट तय नहीं किए हैं। इसके बावजूद नेताओं की सभाओं में आने वाले चुनाव की संभावित भाषा दिखाई देने लगी है। कानून-व्यवस्था, हिंदुत्व और मुस्लिम पहचान जैसे मुद्दे भाषणों में जगह बना रहे हैं। ब्रज प्रांत से जुड़े नेताओं में चर्चा है कि चुनाव से पहले ये भाषा अपने-अपने समर्थक वर्ग को मजबूत करने की कोशिश हो सकती है।

लेकिन, इसे पार्टी की आधिकारिक चुनावी रणनीति मानना अभी जल्दबाजी होगी। बहरहाल चुनाव का सही समय भले ही सामने न हो, लेकिन उसकी भाषा जरूर सामने आने लगी है। अब अलीगढ़ में अगले कुछ महीनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि नेताओं की यह पिच और कितनी तेज होती है और इसमें स्थानीय मुद्दों, विकास और रोजगार की जगह कितनी बचती है।कोल विधायक अनिल पाराशर ने कहा कि उन्होंने पूर्व और वर्तमान की कानून-व्यवस्था की तुलना करते हुए बयान दिया था। पहले की घटनाएं सभी जानते हैं, इसलिए उनका अलग से उल्लेख करने की जरूरत नहीं है।

अचानक धंस गई सात फीट जमीन, नीम के पेड़ के पास हुआ गहरा गड्ढा, पूर्व में कुआं होने की जताई जा रही आशंका

कानपुर। कानपुर में महाराजपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पुरवामीर गांव में शुक्रवार को हुई हृदयविदारक घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया था। आसपास के गांवों में भी अब लोग सतर्क हो गए है और बारिश में विशेष सावधानी बरतने लगे है।

शनिवार सुबह करीब सात बजे पीआरवी 112 में सूचना आई कि सिखटिया गांव में बदलू पासवान के घर के पास जमीन धंस गई है। सूचना से हड़कंप मच गया टीम मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। ग्रामीण बदलू पासवान और धनराज पासवान ने बताया कि उनके घर के बगल में एक नीम का पेड़ है।

ग्रामीणों ने खुद निगरानी शुरू कर दी है : उसके बगल में करीब सात फीट गहरा गड्ढा हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व में यहां कुआं था, शायद इसी वजह से मिट्टी धंसी है। हालांकि सतर्कता बरतते हुए ग्रामीणों ने खुद निगरानी शुरू कर दी है । छोटे बच्चों को उसके आसपास जाने नहीं दिया जा रहा है।

सद्दाम की हत्या करने पहुंचे बदमाशों की गोली से तसव्वर की मौत के मामले में, 25 हजार का इनामी गिरफ्तार

कैराना/शामली (शिखर समाचार)। तितरवाड़ा गांव में सद्दाम पहलवान की हत्या करने पहुंचे बदमाशों की फायरिंग में चार बच्चों के पिता तसव्वर की मौत के मामले में पुलिस ने फरार चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी गौरव चौहान को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 315 बोर का अवैध तमंचा, एक खोखा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। मामले में सोनिज और मुबारिक को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। वहीं बिलाल उर्फ बिल्लू की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

जानकारी के अनुसार 24 अगस्त की देर रात तितरवाड़ा गांव में सद्दाम पुत्र मंजूरा के घर के बाहर बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी थी। बताया गया

कि तीनों बदमाश सद्दाम की हत्या के इरादे से पहुंचे थे। गोलियों की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और बदमाशों को घेर लिया। खुद को घिरता देख बदमाशों ने बचने के लिए दोबारा फायरिंग कर दी। इसी दौरान भीड़ के बीच मौजूद तसव्वर पुत्र मीर हसन को गोली लग गई। गंभीर हालत में अस्पताल ले जाने पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

घटना के बाद ग्रामीणों ने सोनिज और मुबारिक को मौके पर पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया था, जबकि गौरव चौहान फरार हो गया था। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। अब गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसके कब्जे से अवैध हथियार बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार सद्दाम और बिलाल उर्फ बिल्लू के बीच वर्ष 2021 से पुरानी रंजिश चली आ रही थी। इसी विवाद को फायरिंग की घटना की पृष्ठभूमि माना जा रहा है। स्थानीय स्तर पर महिला से जुड़े कथित प्रेम प्रसंग को लेकर भी विवाद की चर्चा है, हालांकि पुलिस ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस अब बिलाल की गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है। उसके पकड़े जाने के बाद हत्या की साजिश और वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं के स्पष्ट होने की उम्मीद है।

सरदार आलम हत्याकांड का 40 घंटे में खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। मोहल्ला नई आबादी निवासी सरदार आलम हत्याकांड का पुलिस ने तेजी से खुलासा करते हुए करीब 40 घंटे में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद किया है। मामले में शामिल तीन अन्य आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस की टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहल्ला काजियान निवासी सलीम और शाहजेब उर्फ जादू के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार 26 अगस्त की शाम सरदार आलम मोहल्ला नई आबादी में डॉ. सोनू की दुकान के पास मरणासन्न हालत में

पड़ा मिला था। आसपास मौजूद लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक दिनेशचंद्र बघेल ने घटना की जानकारी ली। अस्पताल में चिकित्सकों ने सरदार आलम को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। मृतक के पिता जलीम की तहरीर पर सरताज उर्फ कल्लू और उसके बेटों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पांच टीमें गठित की गईं।

पुलिस के अनुसार पूछताछ में सलीम ने बताया कि सरदार आलम ने 26 अगस्त को उसके पिता सरताज उर्फ कल्लू के साथ गाली-गलौज, हाथापाई और अभद्रता की थी। इसी का बदला लेने के लिए उसने पिता सरताज उर्फ कल्लू, भाई शाहजेब उर्फ जादू, शादाब और संदीप जाट के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई। पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने सरदार आलम को सोनू की दुकान के पास घेरकर मारपीट की और सलीम ने चाकू से कई वार किए। क्षेत्राधिकारी रुपाली रॉय ने बताया कि जांच के दौरान पांच आरोपियों के नाम सामने आए हैं। दो को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि तीन फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक दिनेशचंद्र बघेल, वरिष्ठ उप निरीक्षक राजकुमार बालियान, उप निरीक्षक संजय तोमर समेत पुलिसकर्मी शामिल रहे।

मांगों का समाधान नहीं हुआ तो 16वें दिन जेवर तहसील में फिर धरना देंगे किसान

जेवर (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन के शिविर कार्यालय पर क्षेत्र के किसानों, बुजुर्गों, युवाओं और गांव के सम्मानित लोगों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में तहसील परिसर में पूर्व में दिए गए धरने के बाद प्रशासन को दिए गए 15 दिन के समय की समीक्षा करते हुए आगामी रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। किसानों ने स्पष्ट किया कि निर्धारित अवधि में उनकी मांगों का समाधान नहीं हुआ तो 16वें दिन जेवर तहसील में दोबारा धरना शुरू किया जाएगा।

भारतीय किसान यूनियन के वरिष्ठ नेता पवन चौधरी चौरोली ने बताया कि किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर जेवर तहसील में धरना दिया गया था। धरना समाप्त कराते समय जेवर के उपजिलाधिकारी ने किसानों की मांगों पर निर्णय लेने और समस्याओं का समाधान करने के लिए 15 दिन का समय मांगा था। संगठन ने किसान नेता राकेश टिकैत और क्षेत्र के बुजुर्गों के आदेश एवं सम्मान को ध्यान में रखते हुए प्रशासन को यह समय दिया था। किसानों को उम्मीद थी कि निर्धारित अवधि में उनकी समस्याओं का

समाधान कर दिया जाएगा।
बैठक में बताया गया कि प्रशासन को दिए गए 15 दिन आगामी 12 तारीख को पूरे हो जाएंगे। किसानों और क्षेत्र के बुजुर्गों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि यदि तय समय सीमा के भीतर मांगों का समाधान नहीं हुआ तो 16वें दिन जेवर तहसील में दोबारा धरना शुरू किया जाएगा। किसानों ने कहा कि उन्होंने प्रशासन को पर्याप्त समय और सम्मान दिया है। अब मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं हुआ तो आंदोलन को फिर से शुरू करने के अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं होगा।
किसान नेताओं ने कहा कि प्रशासन अपने आश्वासन पर खरा उतरकर समय रहते समस्याओं का समाधान करे। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित अवधि के बाद शुरू होने वाले धरने की पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। बैठक में मौजूद किसानों ने आंदोलन को लेकर एकजुटता बनाए रखने और आवश्यकता पड़ने पर बड़ी संख्या में धरने में शामिल होने का निर्णय लिया।

गोवंश संरक्षण को लेकर बैठक, प्रदेश में 7,700 से अधिक गो आश्रय स्थल संचालित

हापुड़ (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश कुमार शुल्क एवं सदस्य दीपक गोयल की अध्यक्षता में शनिवार को गोवंश संरक्षण को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में निराश्रित गोवंश के संरक्षण, भरण-पोषण, स्वास्थ्य देखभाल और गो आश्रय स्थलों के प्रभावी संचालन को लेकर जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश सरकार की ओर से निराश्रित गोवंश के संरक्षण के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं।
बैठक में बताया गया कि उत्तर प्रदेश में वर्तमान में 7,700 से अधिक गो आश्रय स्थल संचालित हैं, जिनमें 16 लाख से अधिक निराश्रित गोवंश का संरक्षण किया जा रहा है। गोवंश के भरण-पोषण के लिए सरकार की ओर से 50 रुपये प्रतिदिन की दर से धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है। गो आश्रय स्थलों की निगरानी और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए 5,446 आश्रय स्थलों में 7,592 निगरानी कैमरे लगाए गए हैं। इनके

माध्यम से गोवंश की सुरक्षा और देखभाल की व्यवस्था पर निगरानी रखी जा रही है। निराश्रित गोवंश सहभागिता योजना के तहत अब तक 1,67,065 गोवंश इच्छुक गोपालकों को सौंपे जा चुके हैं। संबंधित गोपालकों को प्रत्येक गोवंश के लिए 50 रुपये प्रतिदिन की दर से भरण-पोषण राशि सीधे बैंक खातों में भेजी जा रही है।
जनपद हापुड़ में भी गोवंश संरक्षण के लिए 28 गो आश्रय स्थल संचालित हैं, जहां 3,731 गोवंश का संरक्षण किया जा रहा है। इसके अलावा 893 गोपालकों ने सहभागिता योजना के तहत 1,292 गोवंश को अपनाया है। बैठक में गोवंश की सुरक्षा और गो-तस्करी पर प्रभावी कार्रवाई के लिए उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम के प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि गो आश्रय स्थलों में किसी भी प्रकार की अनियमितता मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

कार्यस्थल पर महिला उत्पीड़न कानून की जानकारी दी, आंतरिक समिति की बैठक आयोजित

नोएडा (शिखर समाचार)। कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संरक्षण अधिनियम, 2013 के संबंध में नीलाम्बरी कंपनी में आंतरिक शिकायत समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन की ओर से रीचा कंचन ने कंपनी के महिला और पुरुष कर्मचारियों को कानून के प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने आंतरिक शिकायत समिति के सदस्यों को शिकायत मिलने पर अपनाई जाने वाली प्रक्रिया और जिम्मेदारियों के बारे में भी विस्तार से बताया।
रीचा कंचन ने बताया कि यदि किसी महिला कर्मचारी के साथ कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की घटना होती है तो वह घटना की तारीख से तीन माह के भीतर लिखित शिकायत आंतरिक शिकायत समिति के समक्ष प्रस्तुत कर सकती है। समिति का दायित्व होगा कि शिकायत प्राप्त होने के बाद आवश्यक बैठक बुलाकर उसमें उल्लिखित बिंदुओं की जांच करे और नियमानुसार समस्या के समाधान का प्रयास करे। यदि समिति के स्तर पर समाधान संभव नहीं होता है तो प्रबंधक या प्रतिष्ठान के उच्चाधिकारी से संपर्क कर आवश्यक कार्रवाई के लिए मामला प्रस्तुत किया जाएगा।
बैठक में बताया गया कि शिकायत के निस्तारण के साथ समिति की बैठकों और कार्रवाई का वार्षिक विवरण निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार जिला अधिकारी के कार्यालय में प्रत्येक वर्ष 15 जनवरी तक जमा करना आवश्यक है। नियमों का पालन नहीं करने पर प्रतिष्ठान के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान है। इसके अलावा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार के शिकायत पोर्टल पर प्रतिष्ठान का पंजीकरण कराने और शिकायतों के निस्तारण तथा समिति की बैठकों से संबंधित वार्षिक विवरण ऑनलाइन अपलोड करने की जानकारी भी दी गई। बैठक में कर्मचारियों से कार्यस्थल पर सुरक्षित, सम्मानजनक और भेदभाव रहित वातावरण बनाए रखने में सहयोग करने का आह्वान किया गया।

गौरव त्यागी हत्याकांड में सभी सात नामजद आरोपी गिरफ्तार, परिवार की मांगों पर बनी सहमति

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के मोहम्मदपुर आजमपुर गांव में दिनदहाड़े हुए गौरव त्यागी हत्याकांड में पुलिस ने सभी सात नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं पीड़ित परिवार की विभिन्न मांगों को लेकर शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में गढ़मुक्तेश्वर विधायक हरेन्द्र तेवतिया, जिलाधिकारी कविता मीना और पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह मौजूद रहे। बैठक में पीड़ित परिवार की मांगों पर सहमति बनाते हुए संबंधित प्रस्ताव शासन को भेजने का निर्णय लिया गया।

गौरव त्यागी हत्याकांड के बाद गांव में महापंचायत आयोजित की गई थी। ग्रामीणों ने अपर जिलाधिकारी संदीप कुमार को सात सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर आरोपियों के घरों पर बुलडोजर कार्रवाई, पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा, परिवार को पुलिस सुरक्षा, मृतक की पत्नी को शस्त्र लाइसेंस और दोनों बच्चों की निशुल्क शिक्षा सहित अन्य मांगें रखी थीं। ग्रामीणों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए परिवार को आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की थी। शनिवार को हुई बैठक में पीड़ित परिवार की मांगों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में तय किया गया कि परिवार को मुआवजा दिलाने और सुरक्षा उपलब्ध कराने के संबंध में शासन को पत्र भेजा जाएगा। मृतक के दोनों बच्चों का विद्यालय में निशुल्क प्रवेश कराने पर भी सहमति बनी। इसके अलावा मृतक की पत्नी को संविदा पर रोजगार दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किए जाने का निर्णय लिया गया। प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने परिवार को भरोसा दिलाया कि हत्याकांड में कानून के अनुसार कार्रवाई जारी रहेगी और पीड़ित परिवार की सुरक्षा तथा अन्य आवश्यकताओं को लेकर प्रशासन गंभीरता से कार्य करेगा। सभी सात नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस की कार्रवाई से मामले में एक प्रमुख चरण पूरा हो गया है।

स्वाभिमान रैली की तैयारियों को लेकर रालोद की बैठक, कार्यकताओं को सौंपी जिम्मेदारियां

शामली (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय लोकदल के जिला कार्यालय पर आगामी तीन सितंबर को सहारनपुर जनपद के रामपुर में प्रस्तावित स्वाभिमान रैली की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में रैली को सफल बनाने, संगठन की भूमिका तय करने और अधिक से अधिक कार्यकताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए रणनीति तैयार की गई। पदाधिकारियों ने कार्यकताओं से रैली की सफलता के लिए पूरी ताकत के साथ जुटने का आह्वान किया।
क्षेत्रीय अध्यक्ष तरसपाल मलिक ने कहा कि कार्यकताओं की सक्रिय सहभागिता से रैली को ऐतिहासिक बनाया जा सकता है। उन्होंने पदाधिकारियों और कार्यकताओं से अपने-अपने क्षेत्रों में संपर्क बढ़ाने तथा लोगों को रैली से जोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए कार्यकताओं का एकजुट होकर सक्रिय भूमिका निभाना जरूरी है। जिलाध्यक्ष वाजिद

अली ने कहा कि शामली जनपद से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता स्वाभिमान रैली में पहुंचेंगे। इसके लिए पार्टी पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपकर गांव-गांव और क्षेत्र में संपर्क अभियान चलाने की योजना बनाई गई है। उन्होंने कार्यकताओं से अधिक से अधिक लोगों को रैली में शामिल कराने का आह्वान किया।
बैठक में पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष योगेंद्र सिंह चेयरमैन, मंडल अध्यक्ष प्रभात तोमर, सदर विधायक प्रसन्न चौधरी, पूर्व विधायक राव वारिस, थानाभवन विधायक प्रतिनिधि शायान अली खान, राजन जावला, विजय कौशिक, धर्मवीर चेयरमैन, बिजेंद्र मलिक, हरेंद्र ताना, अनवार चौधरी, ऋषिराज राझड़, देशराज भनेड़ा, उमेश पंवार, बाबूराम पंवार, योगेश भभीसा, अब्दुल गफ्फार, सुनील मलिक, सोहनपाल कसेरवा, अरविंद झाल, उमरदीन मंसूरी, आवेश गुडविल, परमेंद्र नंबरदार, ब्रजवीर अधिवक्ता, विकास धीमान, डॉ. मुबारक अली और लबनान चौधरी सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिला कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर जागरूकता बैठक, शिकायत निवारण प्रक्रिया समझाई

नोएडा (शिखर समाचार)। कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संरक्षण अधिनियम, 2013 के संबंध में रीवाइव इंडिया कंपनी में आंतरिक शिकायत समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन की ओर से रीचा कंचन ने कंपनी के महिला और पुरुष कर्मचारियों को कानून के प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने आंतरिक शिकायत समिति के सदस्यों को शिकायत मिलने पर अपनाई जाने वाली प्रक्रिया और उनकी जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से बताया। रीचा कंचन ने बताया कि यदि किसी महिला कर्मचारी के साथ कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की घटना होती है तो वह घटना की तारीख से तीन माह के भीतर अपनी लिखित शिकायत आंतरिक शिकायत समिति के समक्ष प्रस्तुत कर सकती है। शिकायत मिलने के बाद समिति आवश्यक बैठक बुलाकर शिकायत

में उल्लिखित तथ्यों और बिंदुओं की जांच करेगी तथा नियमानुसार समाधान का प्रयास करेगी।
उन्होंने बताया कि यदि समिति के स्तर पर शिकायत का समाधान नहीं हो पाता है तो मामले को प्रबंधक या प्रबंधन के उच्चाधिकारी के समक्ष रखा जाएगा। इसके बाद प्रतिष्ठान के प्रबंधक अथवा उच्चाधिकारी लागू सेवा शर्तों और स्थायी आदेशों के प्रावधानों के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करेंगे। बैठक में कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। कर्मचारियों को बताया गया कि आंतरिक शिकायत समिति को प्राप्त शिकायतों पर निष्पक्षता और गोपनीयता के साथ नियमानुसार कार्रवाई करनी चाहिए। महिला कर्मचारियों को किसी भी प्रकार की असहज स्थिति या उत्पीड़न की घटना होने पर निर्धारित शिकायत प्रक्रिया का उपयोग करने के लिए जागरूक किया गया। साथ ही पुरुष कर्मचारियों को भी कार्यस्थल पर मर्यादित व्यवहार और लैंगिक संवेदनशीलता बनाए रखने की जानकारी दी गई।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर हॉकी प्रतियोगिता में सेंट आरसी कान्वेंट स्कूल ने जीता खिताब

शामली (शिखर समाचार)। जिला खेल कार्यालय शामली की ओर से मेजर ध्यानचंद की जयंती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर बालक हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन सेंट आरसी कान्वेंट स्कूल के हॉकी मैदान पर किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए रोमांचक मुकाबलों में दमखम दिखाया। मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद संगल ने मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।
अरविंद संगल ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मेजर ध्यानचंद के खेल जीवन और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मेजर ध्यानचंद विश्व के सर्वश्रेष्ठ हॉकी खिलाड़ियों में गिने जाते हैं और उनका जीवन देश के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी है। मुख्य अतिथि ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाली हॉकी टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इसके बाद हॉकी खेलकर प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला सेंट आरसी कान्वेंट स्कूल और पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय शामली की टीमों के बीच खेला गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने पूरे जोश के साथ खेलते हुए दर्शकों को रोमांचित किया। संघर्षपूर्ण मुकाबले में सेंट आरसी कान्वेंट स्कूल की टीम ने शानदार

प्रदर्शन करते हुए जवाहर नवोदय विद्यालय की टीम को 3-2 से पराजित कर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम कर लिया।
समापन अवसर पर सेंट आरसी कान्वेंट स्कूल के उपप्रधानाचार्य रविंदर पाल मलिक ने विजेता और उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को खेल विभाग की ओर से उपलब्ध कराए गए पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में कबड्डी प्रशिक्षक संजू रानी, एथलेटिक्स प्रशिक्षक भूपेंद्र देव, कुश्ती प्रशिक्षक प्रशांत मलिक, विक्रांत राठी, विद्यालय के शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षक एवं हॉकी कोच रेनू, बाबूराम, शुभम और केशव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

दरोगा की पत्नी से कुंडल लूटने वाले दो बदमाश मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

मोदीनगर (शिखर समाचार)। कृष्णा कुंज कॉलोनी में एक सप्ताह पूर्व यूपी पुलिस में तैनात दरोगा की पत्नी से सोने के कुंडल लूटने के मामले में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटे गए सोने के कुंडल, बाइक और तमंचा बरामद किया है। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जिसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। कृष्णा कुंज कॉलोनी निवासी और यूपी पुलिस में तैनात दरोगा जगपाल सिंह अपने परिवार के साथ रहते हैं। 21 अगस्त की दोपहर उनकी पत्नी शशि बाला बच्चों के साथ घर के बाहर टहल रही थीं। इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाश वहां पहुंचे और शशि बाला

के कानों से सोने के कुंडल लूटकर फरार हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने बदमाशों का पीछा किया, लेकिन वे पकड़ में नहीं आए। लूट की घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की थी। सहायक पुलिस आयुक्त भास्कर वर्मा ने बताया कि बीती रात पुलिस को सूचना मिली कि कुछ बदमाश बाइक से लूट की वारदात को अंजाम देने के इरादे से घूम रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बदमाशों की तलाश शुरू की। सीकरी-कलछीना मार्ग पर पुलिस को बाइक सवार दो संदिग्ध दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया तो बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी और भागने का प्रयास किया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली एक बदमाश के पैर में लगी। इसी दौरान बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई, जिसके बाद पुलिस ने दोनों बदमाशों को दबोच लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार बदमाशों की पहचान फारूक निवासी सेक्टर-9, विजय नगर, गाजियाबाद और मोहम्मद हाशिम निवासी लिसाड़ी गेट, मेरठ के रूप में हुई है। घायल फारूक का उपचार कराया जा रहा है। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटे गए सोने के कुंडल, तमंचा और बाइक बरामद की है। पुलिस दोनों आरोपियों के आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटा रही है।

करंट लगने से बिजलीकर्मी की मौत, परिजनों ने विभागीय लापरवाही का आरोप लगाया

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। थाना सिंभावली क्षेत्र के गांव हरोड़ा स्थित बिजलीघर में ट्रांसफार्मर से संबंधित कार्य के दौरान करंट लगने से एक बिजलीकर्मी की मौत हो गई। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने घटना को विभागीय लापरवाही और संभावित साजिश का परिणाम बताते हुए निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार

29 अगस्त की सुबह बिजलीघर पर लाइनमैन भीम ट्रांसफार्मर से संबंधित कार्य कर रहा था। इसी दौरान अचानक उसे करंट लग गया और वह गंभीर रूप से झुलस गया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने उसे तत्काल उपचार के लिए हापुड़ स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन अस्पताल पहुंचे और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। परिजनों का आरोप है कि बिजलीघर में कार्य के दौरान आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था और सावधानियों का पालन नहीं किया गया, जिसके कारण यह हादसा हुआ। उन्होंने घटना के पीछे संभावित साजिश की आशंका भी जताई है। परिजनों ने पुलिस से पूरे मामले की गहन जांच कर वास्तविक कारण सामने लाने और यदि किसी की लापरवाही या भूमिका सामने आती है तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी जुटाई। थाना प्रभारी ने परिजनों को आश्वासन दिया कि मामले की जांच की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस हादसे के कारणों और कार्य के दौरान अपनाई गई सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े पहलुओं की भी जांच कर रही है।

जेवर में दो लोगों से 17 लाख की साइबर ठगी, आठ माह बाद मुकदमा दर्ज

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर क्षेत्र में दो लोगों के साथ साइबर धोखाधड़ी कर करीब 17 लाख रुपये ठगने के मामलों में पुलिस ने करीब आठ माह बाद मुकदमा दर्ज किया है। पीड़ितों की शिकायत पर जांच के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। दोनों मामलों में आरोपियों ने पीड़ितों के बैंक खातों से रकम दूसरे खातों में स्थानांतरित कर दी थी। जानकारी के अनुसार गांव नगला जहानू निवासी अरशद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 19 जनवरी को साइबर ठगों ने उसका मोबाइल फोन हैक कर लिया। इसके बाद उसके बैंक खाते से 5 लाख 25 हजार रुपये दूसरे खाते में स्थानांतरित कर लिए गए। खाते से बड़ी रकम निकलने की जानकारी होने पर अरशद ने मामले की शिकायत पुलिस से की और कार्रवाई की मांग की। दूसरे मामले में आर एंड आर क्षेत्र के नगला छीतर निवासी इकराम के बैंक खाते से 26 फरवरी को अज्ञात व्यक्ति ने धोखाधड़ी कर 11 लाख 50 हजार रुपये दूसरे खाते में स्थानांतरित कर लिए। खाते से रकम निकलने की जानकारी मिलने पर इकराम ने भी पुलिस को शिकायत देकर साइबर ठगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने दोनों शिकायतों की जांच के बाद अब मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस बैंक खातों में हुए लेनदेन, धनराशि जिन खातों में भेजी गई उनकी जानकारी तथा अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। पुलिस का कहना है कि साइबर धोखाधड़ी से जुड़े मामलों में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

बाइक सवार दो भाइयों से मारपीट, विरोध करने पर जान से मारने की धमकी

दादरी (शिखर समाचार)। जारचा कोतवाली क्षेत्र के नूरपुर गांव में बाइक से छोटे भाई को लेकर घर लौट रहे युवक को दो लोगों ने रोककर गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर दी। मारपीट में युवक के हाथ में गंभीर चोट आई। आरोप है कि विरोध करने पर आरोपियों ने दोनों भाइयों को जान से मारने की धमकी दी और आसपास के लोगों के मौके पर पहुंचने पर फरार हो गए। घायल का अस्पताल में उपचार कराया गया। मामले में दो आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।
प्रभारी निरीक्षक कैलाश नाथ ने बताया कि नूरपुर गांव निवासी साहिल 27 अगस्त की सुबह बाइक से अपने छोटे भाई को सैंथली गांव स्थित स्कूल से लेकर घर लौट रहे थे। जब वह गांव में अपने घर से कुछ दूरी पर पहुंचे तो गांव निवासी वसीम और गुल्लू ने उन्हें रास्ते में रोक लिया। आरोप है कि दोनों ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। साहिल ने जब गाली देने से मना किया तो दोनों आरोपियों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के दौरान साहिल के हाथ में गंभीर चोट लग गई। घायल होने पर उसने शोर मचाया, जिसकी आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। लोगों को आता देख आरोपी दोनों भाइयों को जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गए। इसके बाद परिजन घायल साहिल को उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। उपचार कराने के बाद साहिल ने घटना के संबंध में जारचा कोतवाली में वसीम और गुल्लू के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

शुद्धिकरण की राजनीति से नहीं, सामाजिक बराबरी से मजबूत होगा भारत

भारत ने संविधान के जरिए छुआछूत को समाप्त करने का संकल्प आजादी के शुरूआती वर्षों में ही ले लिया था, लेकिन 29 अगस्त 2026 को सामने आया हल्द्वानी का कथित शुद्धिकरण प्रकरण यह सवाल फिर खड़ा करता है कि क्या कानून बना देने भर से समाज की मानसिकता बदल जाती है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की हल्द्वानी सभा के बाद रामलीला मैदान में कथित रूप से शुद्धिकरण की रस्म किए जाने के मामले ने अब राजनीतिक विवाद का रूप ले लिया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को इसे छुआछूत बताते हुए प्रधानमंत्री से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि दलितों के साथ समाज में कदम कदम पर भेदभाव होता है और देश में दो विचारधाराओं के बीच संघर्ष है एक संविधान और बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की विचारधारा तथा दूसरी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा।

इस विवाद को केवल कांग्रेस बनाम भाजपा का राजनीतिक संघर्ष मानकर छोड़ देना आसान होगा, लेकिन इससे उस मूल प्रश्न से बचा नहीं जा सकता जो इस घटना ने समाज के सामने रखा है। यदि किसी व्यक्ति की जातीय पहचान के कारण उसके जाने के बाद किसी सार्वजनिक स्थान को अपवित्र मानकर उसे शुद्ध करने की आवश्यकता महसूस की जाती है तो यह केवल राजनीतिक विरोध नहीं रह जाता, बल्कि सामाजिक सोच का विषय बन जाता है। दूसरी ओर, किसी घटना के वास्तविक तथ्यों, उसमें शामिल लोगों और उनकी मंशा की निष्पक्ष जांच भी उतनी ही जरूरी है। आरोपों के आधार पर किसी व्यक्ति या संगठन को दोषी ठहरा देना न्याय का विकल्प नहीं हो सकता।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राहुल गांधी के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि उस दौरान धार्मिक नारे लगाए गए थे और लोगों की प्रतिक्रिया उनके धार्मिक भावों से जुड़ी थी। यही कारण है कि पूरे मामले में राजनीतिक बयानबाजी से आगे बढ़कर प्रशासन को तथ्य सामने रखने चाहिए। यदि कानून का उल्लंघन हुआ है तो कानून अपना काम करे और यदि आरोप राजनीतिक रूप से बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए हैं तो उसका भी तथ्यात्मक स्पष्टीकरण जनता के सामने आना चाहिए। लोकतंत्र में दोनों पक्षों के लिए समान कसौटी आवश्यक है।

राहुल गांधी का यह बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्होंने इस प्रकरण को दलित सम्मान और संविधान के प्रश्न से जोड़ दिया है। भारत के संविधान का अनुच्छेद 17 अस्पृश्यता को समाप्त करता है और उसके किसी भी रूप में व्यवहार को अपराध मानता है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण कानून भी जाति आधारित अत्याचार और अपमान के खिलाफ कठोर कानूनी व्यवस्था प्रदान करता है। इसलिए यदि किसी घटना में कानून के तहत अपराध के तत्व मौजूद हैं तो प्राथमिकी और जांच की मांग को केवल राजनीतिक बयान मानकर खारिज नहीं किया जा सकता।

लेकिन यहां राजनीति की एक दूसरी चुनौती भी है। जब भी जाति और सामाजिक भेदभाव का मुद्दा चुनावी राजनीति के केंद्र में आता है तो राजनीतिक दलों के लिए वास्तविक सामाजिक सुधार और राजनीतिक लाभ के बीच की रेखा धुंधली होने लगती है। कांग्रेस इसे संविधान और सामाजिक न्याय की लड़ाई के रूप में प्रस्तुत कर रही है, जबकि भाजपा और उसके समर्थक राहुल गांधी के आरोपों को राजनीतिक हमला बता सकते हैं। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की ओर से भी राहुल गांधी की टिप्पणियों पर सवाल उठाए गए हैं। इससे स्पष्ट है कि आने वाले समय में यह विवाद केवल हल्द्वानी तक सीमित रहने वाला नहीं है।

~ मौलिक चिंतन ~

जब कानून धर्म या समुदाय देखकर लागू होने लगे, तब कानून का भय समाप्त हो जाता है।

~~~~~~~~

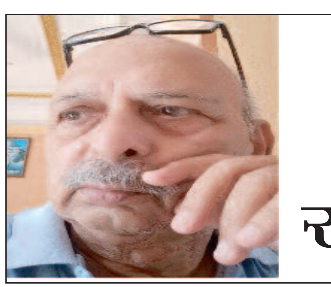

©
विनय संकोची

कानून पढ़ने वाले छात्रों के निशाने पर मुख्य न्यायाधीश?

सनत जैन

भारत में न्यायपालिका को लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ माना जाता है। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से देश की जनता केवल कानूनी फैसलों की अपेक्षा नहीं करती, बल्कि निष्पक्षता, संवेदनशीलता और संविधान के मूल्यों की रक्षा की उम्मीद भी करती है। ऐसे में जब देश के प्रमुख राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी ही मुख्य न्यायाधीश की भूमिका और सार्वजनिक आचरण पर सवाल उठाने लगें, तब इसे केवल एक व्यक्ति के विरोध के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह विरोध न्यायपालिका और नई पीढ़ी के बीच पैदा हो रहे विश्वास के संकट का सबसे बड़ा संकेत है। इसी तरह से आम जनता के लिए अलग, सरकार और बड़े-बड़े लोगों के लिए न्यायपालिका की अलग भूमिका को लेकर पिछले कुछ वर्षों में यह विरोध बढ़ता हुआ दिख रहा है। आम लोगों के दिमाग में यह बात घर कर रही है, कि इस देश में दो तरह के कानून लागू हैं। एक अमीरों के लिए और दूसरा गरीबों के लिए। हाल के घटनाक्रम ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। हैदराबाद स्थित नल्सर यूनिवर्सिटी के सैकड़ों विद्यार्थियों ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत को दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि बनाए जाने पर आपत्ति जताई। विद्यार्थियों ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कथित पुलिस कार्रवाई से संबंधित मामले की सुनवाई में वीडियो देखने से इनकार किए जाने को लेकर सवाल उठाए। इसके बाद बेंगलुरु की प्रतिष्ठित नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू) में भी विद्यार्थियों और पूर्व विद्यार्थियों ने मुख्य न्यायाधीश तथा बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा की प्रस्तावित उपस्थिति पर आपत्ति दर्ज कराई। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 165 स्नातक विद्यार्थियों, 409 वर्तमान विद्यार्थियों और 128 पूर्व विद्यार्थियों ने इस संबंध में खुला पत्र जारी कर अपना विरोध दर्ज कराया। अंततः 2026 का दीक्षांत समारोह रद्द कर दिया गया। यूनिवर्सिटी ने विद्यार्थियों को डिग्रियां डाक से भेजना और स्वयं छात्रों को प्रदान करना शुरू कर दिया। यह घटना इसलिए असाधारण है, क्योंकि कानून के विद्यार्थी न्यायपालिका से बाहर के नहीं हैं। उन्हें लंबे समय तक कानून की पढ़ाई कर संविधान में नागरिकों के मौलिक अधिकार, कर्तव्य, संवैधानिक संस्थाओं व लोकतंत्र के बारे में ज्ञान अर्जित किया है। यह छात्र न्याय प्रक्रिया को समझने वाले वर्ग के हैं। वे संविधान, मौलिक अधिकार, न्यायिक समीक्षा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक स्वतंत्रता का ज्ञान हासिल किया है। यदि यही विद्यार्थी शांतिपूर्ण और संस्थागत तरीके से किसी न्यायिक पदाधिकारी के प्रति अपनी असहमति व्यक्त करते हैं, तो लोकतंत्र में इसे सुनना चाहिए, मनन कुमार मिश्रा ने बार काउंसिल की ओर से विरोध को दबाने का जो प्रयास किया था, उनका भी इन छात्रों ने विरोध किया। मुख्य न्यायाधीश की 'कॉकरोच' टिप्पणी पर भी युवाओं के बीच व्यापक प्रतिक्रिया हुई है। मई में एक सुनवाई के दौरान उन्होंने कुछ ऐसे युवाओं की तुलना 'कॉकरोच' से की थी, जो कानून के पेशे में रोजगार न मिलने के बाद मीडिया, सोशल मीडिया या आरटीआई गतिविधियों के माध्यम से व्यवस्था पर हमला करते हैं। बाद में मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट किया, कि उनकी टिप्पणी फर्जी डिग्री के आधार पर पेशे में आने वाले लोगों के संदर्भ में थी, समूचे भारतीय युवाओं के लिए नहीं। मुख्य न्यायाधीश के इन शब्दों का लोकतंत्र में प्रभाव भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है, जितना शब्दों का उद्देश्य।

भयंकर तबाही का आगाज द रही है नेपाल की विनाशकारी आपदा

मनोज कुमार अग्रवाल

नेपाल में हाल ही में आई अचानक बाढ़ और भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई है, जिससे अब तक सेंकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है और ग सैकड़ों लोग लापता हैं। यह विनाशकारी आपदा नेपाल-चीन सीमा के पास रसुवा, नुवाकोट और धादिंग जैसे जिलों में मुख्य रूप से भोटेकोशी और त्रिशूली नदियों के उफान पर आने के कारण हुई है। वैज्ञानिकों के अनुसार, उच्च हिमालयी क्षेत्र (लैंगटांग लिरुंग) में भारी मात्रा में बर्फ और चट्टानों के मलबे (एवलांच) के नदी में गिरने से एक अस्थायी बांध बन गया, जिसके अचानक फटने से यह प्रलयकारी बाढ़ आई है। नेपाल के रसुवा जिले जिले में आई विनाशकारी बाढ़ केवल एक स्थानीय प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि यह संपूर्ण हिमालयी पारिस्थितिक तंत्र में बज रही खतरे की एक गंभीर घंटी है। साथ ही इस विनाशकारी बाढ़ ने एक बार फिर यह भी स्पष्ट कर दिया है कि हिमालयी क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाओं को केवल किसी एक देश की प्रशासनिक सीमा के भीतर समझना पर्याप्त नहीं है। नेपाल के बाड़ पूवार्नुमान अधिकारियों के प्रारंभिक संकेत बताते हैं कि रसुवा क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर हुई अत्यधिक वर्षा ही इस आपदा का एकमात्र कारण नहीं थी। तिब्बत की ओर हुई भारी वर्षा और वहां की पर्वतीय भू-आकृतिक गतिविधियों ने भी नदी के अचानक उफान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हो सकती है। यदि विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन इस संभावना की पुष्टि करते करते हैं, हैं, तो तो यह घटना पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। हिमालय केवल पर्वतों की श्रृंखला नहीं, बल्कि एक साझा प्राकृतिक तंत्र है। यहां एक स्थान पर होने वाला भूस्खलन, हिमस्खलन, अत्यधिक वर्षा या किसी प्राकृतिक जलाशय का टूटना कुछ ही घंटों में दूसरे देश के लिए विनाशकारी बाड़ का कारण बन सकता है। इसलिए आपदा प्रबंधन की मौजूदा व्यवस्था को राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़ाकर क्षेत्रीय सहयोग की दिशा में विकसित करना समय की आवश्यकता है। हिमालय दुनिया के सबसे संवेदनशील पर्वतीय पारिस्थितिक तंत्रों में गिना जाता है। बढ़ते तापमान के कारण ग्लेशियर तेजी से पिमल रहे हैं, हिमपात का स्वरूप बदल रहा है, हिमनदीय झीलों का विस्तार हो रहा है और पर्वतीय ढलानों की स्थिरता प्रभावित हो रही है। इन परिवर्तनों के कारण ग्लेशियल लेक आउटवर्ट फ्लड यानी हिमनदीय झीलों के अचानक फटने, भूस्खलन और अचानक आने वाली बाढ़ का खतरा लगातार बढ़ रहा है। नेपाल की मौजूदा बाढ़ का अंतिम वैज्ञानिक कारण विस्तृत जांच के बाद ही सामने आएगा। इसलिए किसी एक कारण को जल्दबाजी में जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा। लेकिन इस घटना को व्यापक जलवायु संकट से पूरी तरह अलग करके भी नहीं देखा जा सकता। हिमालयी क्षेत्र में हाल के वर्षों में अचानक बाढ़, भूस्खलन और हिमनदीय झीलों से जुड़ी कई घटनाएं सामने आई हैं। असली चुनौती आपदा से पहले खतरे को पहचानना और लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाना है। हिमालयी क्षेत्रों में सड़क, सुरंग, जलविद्युत परियोजनाएं, पर्यटन ढांचा और सीमा संपर्क आर्थिक विकास के लिए आवश्यक हैं। स्थानीय आबादी को रोजगार, बेहतर परिवहन और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए इन परियोजनाओं का महत्व भी असंदिग्ध है। लेकिन हिमालय की भौगोलिक परिस्थितियां मैदानी क्षेत्रों से बिल्कुल अलग हैं। यहां विकास करते समय प्रकृति की सीमाओं और भूगर्भीय संवेदनशीलता को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। नदियों के प्राकृतिक मार्ग, बाढ़ के मैदान और अस्थिर ढलान निर्माण के लिए सबसे अधिक जोखिम वाले क्षेत्र हैं। जब ऐसे इलाकों में अनियोजित तरीके से सड़कें, भवन या अन्य बड़ी संरचनाएं खड़ी होती हैं, तो सामान्य तो सामान्य प्राकृतिक घटना भी बड़ी आपदा का रूप ले सकती है। नेपाल की बाढ़ से जलविद्युत क्षेत्र को भी नुकसान पहुंचने की सूचना है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार करीब 430 मेगावाट बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। यह केवल ऊर्जा उत्पादन की समस्या नहीं है। यह बताता है कि जलविद्युत परियोजनाओं की योजना बनाते समय जलवायु परिवर्तन, भूकंपीय संवेदनशीलता, बाढ़ और भूस्खलन के संयुक्त जोखिम का आकलन कितना आवश्यक है। नेपाल और तिब्बत के बीच हिमालय कोई अभेद्य दीवार नहीं है। नदियां, बादल, हिमनद और भूस्खलन राजनीतिक सीमाओं को नहीं पहचानते। तिब्बत में होने वाली अत्यधिक वर्षा या किसी नदी का अस्थायी रूप से अवरुद्ध होना नेपाल में कुछ ही घंटों के भीतर गंभीर संकट पैदा कर सकता है। इसलिए नेपाल और चीन के बीच वास्तविक समय में वर्षा, नदी के जलस्तर और संभावित भूस्खलन से संबंधित जानकारी साझा करने की ठोस व्यवस्था होनी चाहिए। उपग्रह निगरानी, स्वचालित जलस्तर केंद्र, साझा वैज्ञानिक अध्ययन और तेज चेतावनी प्रणाली को मजबूत करना आवश्यक है। भारत के लिए भी यह घटनाक्रम महत्वपूर्ण है। हिमालय से निकलने वाली नदियों का प्रवाह अंततः बड़े क्षेत्र को प्रभावित करता है। ऊपरी इलाकों में अचानक बड़ा जलप्रवाह नीचे के क्षेत्रों तक असर डाल सकता है। इसलिए नेपाल, चीन और भारत के के बीच मौसम, नदी प्रवाह और आपदा संबंधी वैज्ञानिक सूचनाओं नाओं का आदान-प्रदान केवल कूटनीतिक सहयोग का विषय नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की सुरक्षा से जुड़ा सवाल है। अचानक बाड़ आने पर पहली प्राथमिकता लोगों को जान बचाना होती है। सेना, पुलिस, स्थानीय प्रशासन और स्वयंसेवी संगठनों की त्वरित भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रहती है। लेकिन पानी उतर जाने के बाद राहत से भी बड़ी चुनौती सामने आती है बेघर परिवारों का पुनर्वास, टूटी सड़कों और पुलों का पुनर्निर्माण, बिजली-पानी की बहाली और स्थानीय अर्थव्यवस्था को फिर से खड़ा करना। पुनर्निर्माण का अर्थ केवल टूटी संरचना को उसी स्थान पर उसी रूप में दोबारा खड़ा करना नहीं होना चाहिए। यदि कोई पुल या सड़क बार-बार याद बाढ़ की चपेट में आने वाले इलाके में उसी पुराने डिजाइन के साथ बनाई जाती है, तो अगली आपदा में नुकसान दोहराया जाना तय है। इसीलिए अब बिल्ड बैंक बेटर की सोच अपनानी होगी अर्थात ऐसी अवसंरचना तैयार की जाए जो भविष्य के जलवायु और प्राकृतिक आपदा जोखिमों को ध्यान में रखकर अधिक सुरक्षित और टिकाऊ हो। नेपाल की यह बाड़ केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि हिमालय में तेजी से बदलती परिस्थितियों का संकेत है। एक ओर जलवायु परिवर्तन तापमान और वर्षा के पुराने स्वरूप को बदल रहा है, तो दूसरी ओर अनियोजित निर्माण, वनों पर दबाव और संवेदनशील ढलानों पर बढ़ता मानवीय हस्तक्षेप जोखिम को बढ़ा रहा है। है। समाधान प्रकृति से से संघर्ष में नहीं, बल्कि प्रकृति की सीमाओं को समझकर विकास की दिशा तय दिशा तय करने में है। नदियों की उनका प्राकृतिक स्थान देना होगा, अस्थिर ढलानों पर निर्माण नियंत्रित करना होगा, हिमनदों और हिमनदीय झीलों की लगातार निगरानी करनी होगी और स्थानीय समुदायों को आपदा से पहले की तैयारी का प्रशिक्षण देना होगा। सबसे जरूरी बदलाव हमारी सोच में होना चाहिए। आपदा प्रबंधन का अर्थ मकेवल हादसे के बाद राहत, मुआवजा और पुनर्निर्माण नहीं है। आधुनिक आपदा प्रबंधन का वास्तविक उद्देश्य आपदा आने से पहले जोखिम पहचानना, समय पर चेतावनी देना और संभावित नुकसान को न्यूनतम करना है। हिमालय बार-बार चेतावनी दे रहा है। अब सवाल यह है कि क्या सरकारें, वैज्ञानिक संस्थान और समाज इस चेतावनी को समय रहते समझेंगे, या हर नई त्रासदी के के बाद वही राहत और पुनर्निर्माण का चक्र दोहराया जाता रहेगा। हिमालय हमें सचेत कर रहा है, यदि हमने इसकी चेतावनियों को अनसुना किया, तो आने वाले समय में इसके परिणाम इससे भी अधिक भयानक और विनाशकारी होंगे।

हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। इससे बनीं अस्थायी झीलें कभी भी फट सकती हैं, जिससे निचले इलाकों में अचानक महाविनाश आ सकता है। मानसून के पैटर्न में बड़ा बदलाव आया है। अब कम समय में अत्यधिक भारी बारिश (क्लाउडबर्स्ट) होती है, जिसे सोखने में जमीन असमर्थ रहती है। पहाड़ों में बिना सही इंजीनियरिंग के सड़कों और इमारतों का निर्माण भूस्खलन को सीधे न्योता दे रहा है। नेपाल की नदियाँ भारी गाद (मिट्टी) के कारण उथली हो रही हैं, जिससे पानी बहुत जल्दी किनारों को तोड़कर रिहायशी इलाकों में घुस जाता है।

नेपाल की नदियों जैसे कोसी और गंडक का पानी बिहार के मैदानी इलाकों में आता है। नेपाल में मचे इस हाहाकार के बाद भारतीय सीमा से सटे बिहार के कई जिलों में बाढ़ का अलर्ट जारी कर दिया गया है। भारत सरकार ने आपदा की गंभीरता को देखते हुए फौरन कदम उठाए हैं। भारतीय वायुसेना के जरिए दवाइयां, टेंट और स्लीपिंग बैग्स समेत 50 टन से अधिक की आपातकालीन राहत सामग्री नेपाल भेजी जा चुकी है।

बाढ़ और भूस्खलन को रोकने के लिए वनों की सुरक्षा, मजबूत तटबंधों का निर्माण और आधुनिक चेतावनी प्रणालियों का उपयोग करना जरूरी है। पहाड़ों की ढलानों पर अधिक से अधिक पेड़ लगाएं। पेड़ों की जड़ें मिट्टी को पकड़ कर रखती हैं, जिससे भूस्खलन रुकता है। नदियों के किनारों पर मजबूत बांध या तटबंध बनाएं। नदियों के तल से गाद (रेत और मिट्टी) को समय-समय पर निकालें ताकि पानी का बहाव न रुके। मौसम और भारी बारिश की सटीक जानकारी देने वाले यंत्र लगाएं। खतरे की समय पर चेतावनी मिलने से लोग सुरक्षित स्थानों पर जा सकते हैं।पहाड़ी ढलानों और नदी के पास असुरक्षित निर्माण कार्य पर रोक लगाएं। सड़कों और मकानों को बनाते समय मिट्टी की मजबूती का ध्यान रखें। स्थानीय लोगों को आपदा के समय बचाव के उपाय सिखाएं। सुरक्षित स्थानों और रास्तों की पहचान पहले से करके रखें।

डोभाल की कूटनीति और भारत-चीन संबंधों की नई करवट

ललित गर्ग

भारत-चीन संबंधों का सबसे कठिन दौर वर्ष 2020 में गलवान घाटी की हिंसक झड़प के बाद आया। चार वर्षों तक सीमा पर सैन्य तनाव बना रहा। अक्टूबर 2024 में दोनों देशों के बीच सैनिकों की पूर्ण वापसी और संबंधित विवादों के समाधान के बाद संबंधों को धीरे-धीरे पटरी पर लाने की प्रक्रिया शुरू हुई।

भारत और चीन के संबंधों में पिछले कुछ वर्षों की तल्खी के बाद अब संवाद, संयम और व्यावहारिक सहयोग का एक नया दौर दिखाई दे रहा है। इसे किसी अचानक आए परिवर्तन के रूप में नहीं, बल्कि सुरक्षा, कूटनीति और राष्ट्रीय हितों को साथ लेकर चलने वाली एक दीर्घकालिक प्रक्रिया के रूप में देखना चाहिए। इस बदलते परिदृश्य में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण बनकर सामने आई है। 25 अगस्त को बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ हुई 25वें दौर की विशेष प्रतिनिधि वार्ता ने इस प्रक्रिया को ठोस आधार दिया है। दोनों पक्षों ने सीमा पर शांति बनाए रखने, सीमा निर्धारण की दिशा में शीघ्र एवं सार्थक प्रगति करने तथा सैन्य-द्विपक्षीय संपर्क व्यवस्था को मजबूत करने पर सहमति बनाई है। डोभाल की बीजिंग यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि यह केवल सीमा विवाद पर बातचीत नहीं थी। यह उस व्यापक प्रश्न पर विमर्श था कि क्या भारत और चीन प्रतिस्पर्धा के बावजूद सह-अस्तित्व, स्थिरता और पारस्परिक हितों का रास्ता तलाश सकते हैं। दोनों देशों ने दो अतिरिक्त सैन्य संपर्क-बिंदु और पूर्वी तथा मध्य क्षेत्रों में दो अतिरिक्त सैन्य दूरभाष संपर्क स्थापित करने पर सहमति जताई है। सीमा व्यापार, कैलाश-मानसरोवर यात्रा और सीमा-पार सहयोग को भी आगे बढ़ाने का निर्णय हुआ है।

अजीत डोभाल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे सुरक्षा और कूटनीति को परस्पर विरोधी नहीं मानते। उनका दृष्टिकोण स्पष्ट है-मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था ही प्रभावी कूटनीति की आधारभूमि बन सकती है। चीन के संदर्भ में भी भारत का संदेश यही रहा है कि सीमा पर शांति और स्थिरता के बिना द्विपक्षीय संबंधों का पूर्ण सामान्यीकरण संभव नहीं है। 25वें दौर की वार्ता में यही भारतीय दृष्टिकोण प्रमुखता से सामने आया। डोभाल का व्यक्तित्व केवल वातार्कार का नहीं, बल्कि सुरक्षा रणनीतिकार का है। वे लंबे समय तक खुफिया तंत्र में रहे, विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में काम किया और बाद में खुफिया ब्यूरो के प्रमुख बने। भारत सरकार के अनुसार, उन्होंने पूर्वोत्तर, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर, पंजाब और पाकिस्तान से जुड़े सुरक्षा मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं। उनकी कार्यशैली में एक उल्लेखनीय संतुलन दिखाई देता है-जहां आवश्यक हो वहां कठोरता और जहां अवसर हो वहां संवाद। उड़ी के बाद की सर्जिकल कार्रवाई, बालाकोट की कार्रवाई, डोकलाम संकट के दौरान कूटनीतिक प्रयास और आंतरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनकी भूमिका इसी व्यापक दृष्टिकोण के उदाहरण माने जाते हैं। 2026 में उन्हें लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनके योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया।

भारत-चीन संबंधों का सबसे कठिन दौर वर्ष 2020 में गलवान घाटी की हिंसक झड़प के बाद आया। चार वर्षों तक सीमा पर सैन्य तनाव बना रहा। अक्टूबर 2024 में दोनों देशों के बीच सैनिकों की पूर्ण वापसी और संबंधित विवादों के समाधान के बाद संबंधों को धीरे-धीरे पटरी पर लाने की प्रक्रिया शुरू हुई। उसी वर्ष कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात में दोनों नेताओं ने सीमा पर शांति तथा मतभेदों को संबंधों की समग्र दिशा को प्रभावित न करने देने पर जोर दिया था। यही वह बिंदु था जहां डोभाल की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई। दिसंबर 2024 में विशेष प्रतिनिधि स्तर की बातचीत से शुरू हुई प्रक्रिया अब 25वें दौर तक पहुंची है। इस बार आठ बिंदुओं पर बनी सहमति संकेत देती है कि बातचीत केवल औपचारिकता नहीं रह गई है। सीमा निर्धारण और सीमा प्रबंधन के लिए विशेषज्ञ तथा कार्य समूहों को सक्रिय करना, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गलतफहमी रोकने के लिए मौजूदा सैन्य एवं कूटनीतिक माध्यमों का उपयोग और नए संपर्क तंत्र बनाना व्यावहारिक विश्वास निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

भारत-चीन संबंध केवल सैनिक चौकियों और राजनयिक बैठकों तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संपर्क भी रहा है। कैलाश-मानसरोवर यात्रा की पुनर्बहाली और विस्तार, सीमा व्यापार मार्गों को फिर खोलना तथा लोगों के बीच संपर्क बढ़ाना इसी व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है। 2026 में कैलाश-मानसरोवर यात्रा लिपुलेख और नाथू ला, दोनों मार्गों से संचालित हुई है। 25वें दौर की वार्ता में तीन निर्धारित सीमा व्यापार केंद्रों को फिर खोलने की प्रगति का स्वागत किया गया तथा व्यापार और तीर्थयात्रा को और मजबूत करने पर सहमति बनी। यह छोटा कदम नहीं है। सीमा पर सैनिकों की संख्या घटाना एक सुरक्षा उपाय है, लेकिन सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों के लिए व्यापार और सांस्कृतिक संपर्क बढ़ाना दीर्घकालिक शांति की सामाजिक नींव तैयार करता है।

शी जिनपिंग की संभावित भारत यात्रा एक अवसर भी है, परीक्षा भी है। इसी पृष्ठभूमि में 12-13 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन पर पूरी दुनिया की नजर है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भारत यात्रा की संभावना जताई जा रही है। यदि यह यात्रा होती है तो यह सात वर्षों में उनकी पहली भारत यात्रा होगी। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार उनके साथ लगभग चार सौ अधिकारियों का बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी आ सकता है। हालांकि 27 अगस्त तक चीन की ओर से उनकी यात्रा की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए शी की संभावित यात्रा को केवल एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी नहीं माना जाना चाहिए। यह भारत-चीन संबंधों की वास्तविक दिशा को परखने का अवसर हो सकती है। वर्ष 2019 का चेन्नई संवाद अपेक्षाकृत सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ था, लेकिन उसके एक वर्ष बाद गलवान ने संबंधों को गहरे संकट में डाल दिया। अब यदि शी नई दिल्ली आते हैं तो दोनों देशों के पास उस टूटे हुए विश्वास को सावधानी से जोड़ने का अवसर होगा। लेकिन भारत को उत्साह में अपनी मूल सुरक्षा चिंताओं को पीछे नहीं छोड़ना चाहिए। अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावे, सीमा निर्धारण का लंबित प्रश्न और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पारदर्शिता जैसी चुनौतियां अभी समाप्त नहीं हुई हैं। इसलिए भारत की नीति मित्रता की आकांक्षा, लेकिन राष्ट्रीय हितों पर कोई समझौता नहीं होनी चाहिए।

डोभाल की विशेषता यही है कि वे संवाद को कमजोरी नहीं बनने देते और शक्ति को टकराव का पर्याय भी नहीं बनाते। उनकी कूटनीति में संदेश स्पष्ट है-भारत शांति चाहता है, लेकिन अपनी सुरक्षा कीमत पर नहीं, सहयोग चाहता है, लेकिन समानता के आधार परय संबंध सुधारना चाहता है, लेकिन सीमा की वास्तविकताओं को भुलाकर नहीं। आज भारत-चीन संबंध जिस मोड़ पर खड़े हैं, वहां डोभाल की भूमिका संकटमोचक से आगे बढ़कर विश्वास-निमार्ता और सुरक्षा-आधारित कूटनीति के सूत्रधार की बनती दिखाई देती है। 25वें दौर की वार्ता में हुई आठ सूत्रीय सहमति इसका प्रमाण है कि कठिनतम मतभेदों के बीच भी संवाद के रास्ते खुले रखे जा सकते हैं। शी जिनपिंग की संभावित भारत यात्रा इस प्रक्रिया को शीर्ष नेतृत्व की राजनीतिक दिशा दे सकती है। किंतु असली सफलता किसी एक शिखर बैठक की तस्वीर में नहीं, बल्कि सीमा पर स्थायी शांति, पारस्परिक विश्वास, व्यापारिक संपर्क और विवादों के न्यायसंगत समाधान में होगी। भारत को चीन से संबंध सुधारने हैं, लेकिन अपनी सामरिक स्वायत्तता और सुरक्षा-सजगता के साथ। डोभाल की कूटनीति का सार भी यही है-संवाद के दरवाजे खुले रहें, पर राष्ट्रीय हितों की चौखट कभी कमजोर न हो। यही दृष्टिकोण भारत-चीन संबंधों को टकराव से प्रतिस्पर्धी सह-अस्तित्व और अंततः स्थायी शांति की ओर ले जाने की सबसे व्यावहारिक राह बन सकता है।
~~~~~~~~

विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल है इंडिया गेट

इंडिया गेट जो विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल एक द्वार है और यह दिल्ली में स्थित है.हर साल लाखों सैलानी इस द्वार को देखने आते हैं.हर साल 26 जनवरी के दिन इंडिया गेट के सामने गणतंत्र दिवस की परेड कराई जाती है.

जी हां दोस्तों आज का हमारा लेख इंडिया गेट से संबंधित है.आज हम आपको इंडिया गेट से जुड़े वे सभी रोचक तथ्य बताने जा रहे हैं जो आपने आज से पहले शायद ही कहीं पढ़े होंगेतो चलिए जानते हैं

- इंडिया गेट की ऊंचाई 43 मीटर है विश्व का सबसे बड़ा युद्ध स्मारक है.
- क्या आप जानते हैं इंडिया गेट को प्राचीन समय में किंग्सवे के नाम से जाना जाता था और इसका डिजाइन सर एडवर्ड लुटियन्स ने बनाया था.
- इंडिया गेट के सामने स्थापित छतरी में जार्ज पंचम की एक मूर्ति स्तापित थी जिसे बाद में यहाँ से हटाकर कोरोनेशन पार्क में स्थापित कर दिया गया था.
- आपको जानकर गर्व होगा इंडिया गेट का निर्माण प्रथम विश्वयुद्ध में शहीद हुऐ 80,000 से अधिक भारतीय सैनिकों की याद में किया गया था.
- क्या आप जानते है इंडिया गेट पर 13300 अधिकारियों और सौनिकों के नाम अंकित हैं.
- इंडिया गेट के नीचे चारों कोनों पर अमर जवान ज्योति हमेशा जलती रहती है जिसे वर्ष 1971 में भारत पाक युद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों की याद में स्तापित किया गया था.
- क्या आप जानते है इंडिया गेट की नींव 1921 में ड्यूक ऑफ कनॉट ने रखी थी और इस स्मारक को बनने में पूरे 10 वर्षों का समय लगा था.
- इंडिया गेट को देखने के लिए भारतीय टूरिस्टो के साथ साथ विदेशी सैलानी भी इस द्वार पर आते है.
- शाम के समय इंडिया गेट के चारों ओर लगी रोशनियों से इसे जगमगा दिया जाता है.जिससे एक भव्य दृश्य बनता है जो हमारी आँखों को एक सुखद अहसास देता है.
- आप इस स्मारक के पास से राष्ट्पति भवन को भी निहार सकते है.

अब मछली नहीं उड़ती

बहुत पुरानी बात है। उन दिनों मछलियां तैरने के साथ उड़ भी सकती थीं। मछली का मन करता, तो वह दूर आसमान में जा उड़ती। तैरने का मन करता, तो नदी के अंदर चली जाती।
एक दिन बगुले का जोड़ा कहीं जा रहा था। बगुला मछली से बोला, हमारे अंडों का ध्यान रखना। हम किसी से मिलकर आते हैं।
दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने कहां चली गई? उसे ढूंढ़ने जा रहा हूं। हमारे अंडों का ध्यान रखना। उन सबके लौटने तक मछली ने अंडों का ध्यान रखा।
शाम हुई, तो चुहिया ने मछली से कहा, मैं घूमने जा रही हूं। मेरे बच्चे अकेले हैं। मछली पहरा देने लगी। चुहिया रात को लौटी। मछली जाने को हुई, तो गिलहरी ने आवाज लगाई, अमरूद पक गए होंगे, तो मुझे बताना।
मछली उड़ी और अमरूद के पेड़ के फल देख आई। फिर गिलहरी को बताया, अमरूद पक चुके हैं।
मछली जाने लगी, तो एक सांप ने पूछा, कहां जा रही हो?
मछली बोली, अब थक गई हूं। पानी में तैरने जा रही हूं।
सांप ने हंसते हुए कहा, आज की थकान तो दूर हो जाएगी। मगर कल क्या होगा?
मछली ने चौंकते हुए पूछा, मतलब?
सांप ने जवाब दिया, मतलब यह है कि हर कोई तुम पर रोब जमाता है। मोर, बगुले, चुहिया, गिलहरी तक तुम से अपना काम करा लेते हैं। क्यों?
मछली सोच में पड़ गई।
सुबह हुई। बगुले का जोड़ा मछली के पास आया और वही बात कहकर उड़ चला। मछली को सांप की बात याद थी। उसने मुंह बनाया, हुंह! मैं नदी में तैरने जा रही हूं। शाम तक बाहर नहीं आऊंगी।
बस फिर क्या था। सांप को इसी पल का इंतजार था। बगुलों के वापस आने से पहले वह उनके अंडे खा चुका था।
दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने फिर कहां चली गई। मैं उसे ढूंढ़ने जा रहा हूं। अंडों का ध्यान रखना।
मछली ने मोर की बात को अनसुना कर दिया। वह घने पेड़ के पीछे आराम करने लगी। सांप ने मोरनी के अंडों को भी चट कर डाला।
शाम हुई, तो चुहिया ने मछली को बुलाया। रोज की तरह वह टहलने चली गई। मछली उड़ी और आसमान में गायब हो गई। अब सांप चुहिया के बच्चों को निगल गया।
रात हुई, तो गिलहरी ने मछली से कहा, अमरूद पक गए हैं। मैं भी कुछ अमरूद खा आती हूं। मेरे बच्चों का ध्यान रखना। गिलहरी के जाते ही मछली ने नदी में गोता लगाया। वह तैरती हुई नदी के दूसरे तट पर जा पहुंची। सांप ने गिलहरी के बच्चों को भी अपना निवाला बना लिया।
सुबह हुई, तो सभी ने मछली को घेर लिया। बगुला आगबबूला होकर चिल्लाया, मेरे अंडे कहां हैं?
चुहिया और गिलहरी ने अपने बच्चों के बारे में पूछा। मछली ने जवाब दिया, मुझे क्या पता?
बगुले को गुस्सा आ गया। उसने मछली को दबोच लिया। मछली ने डरते-डरते सारा किस्सा सुनाया।
किस्सा सुनकर चुहिया बोली, एक सांप की बातों में आकर तुमने हमारा भरोसा तोड़ा है। मैं तुम्हें उड़ने लायक नहीं छोड़ूंगी। चुहिया ने मछली के पंख कुतर डाले। गिलहरी ने कहा, आज से तुम उड़ नहीं पाओगी। मछली नदी में जा छिपी। बगुला बोला, कहां जाती हो। मैं तुम्हें पानी में भी नहीं छोड़ूंगा। तभी से बगुला मछली की ताक में रहता है। वहीं मछली अब उड़ नहीं पाती है।

बादलों का सीना चीरकर उड़ने वाले पक्षी बाज के बारे में आप भली-भांति जानते होंगे.बाज एक ऐसा पक्षी है जो बादलों से भी ऊपर उड़ सकता है और इसके साथ ही यह पक्षी बहुत तेज रफ्तार से उड़ता है. उदाहरण के तौर पर बाज 380 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक उड़ सकता है.

आसमान का राजा बाज

बाज आसमान में लगभग 12000 फीट ऊंचा उड़ सकता है यह बारिश के दिनों में हमेशा बादलों के ऊपर उड़ता है शायद इसीलिए इसे आसमान का राजा भी कहा जाता है. बाज हवा में एक जगह मंडरा सकते हैं जैसे एक पतंग हवा में एक जगह उड़ती रहती है.एक वैज्ञानिक शोध के अनुसार बाज की नजर बहुत तेज होती है यह अपने शिकार को 5 किलोमीटर दूर से ही देख सकता है साथ ही इनकी आंखों में इन्फ्रारेड सिस्टम विकास हो गया है जिसकी वजह से यह है शिकार के शरीर से निकलने वाली गर्मी को पहचान कर उसका शिकार कर सकता है.बाज की नजर का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि बाज को आसमान से ही पानी में तैरती हुई मछली दिखाई दे जाती है और बाज पानी में गोता लगाकर मछली को पकड़ सकता है.

बाज की चोंच एक अलग तरह से बनी होती है इनकी चोच 90 डिग्री के कोण पर मुड़ी हुई होती है चोच के दोनों तरफ एक छोटा दांत बाहर निकला हुआ होता है.यह अपने शिकार को देखते हैं लगभग 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार की तरफ बढ़ते है.और जैसे ही कोई मेंढक या चूहा पकड़ते है तो उसकी गर्दन पर ऐसी जगह पर वार करते है जिससे उसका नर्वस सिस्टम काम करना बंद कर देता है. जिसे शिकार मुकाबला नहीं कर पाता है और मारा जाता है.बाज अपने से दो गुना बड़े शिकार को पकड़ सकता है, कभी-कभी यह अपने से इतने बड़े शिकार को पकड़ लेते हैं कि एक बार में उसे खा भी नहीं पाते है.क्थद्दय्द्ग शिकार करके अपने भोजन को ऊंची पहाड़ियों में बने अपने घोसलों में छोड़ देते है. और बाद में जब इन्हें भूख लगती है तब यह उस शिकार को आ कर खा लेते है.बाज की आंखें अपने शिकार को बिना पलक झपकाए अधिक समय तक देख सकती हैं इसी कारण ये अपने शिकार से कम ही चुकते है. बाज एक मांसाहारी पक्षी होता है इसका भोजन सांप, मछली, मेंढक, खरगोश, चूहे और छोटे पक्षी होते है. यह पक्षी लगभग पूरी दुनिया में ही पाया जाता है यह ज्यादातर ऊंची पहाड़ियों और चट्टानों पर अपना घोंसला बनाते है लेकिन ज्यादातर बाज पक्षी दूसरे पक्षियों के घोंसलों पर कब्जा करके यह रहते है.विश्व भर में इसकी 60 से भी अधिक प्रजातियां पाई जाती है.एक वयस्क बाज का वजन लगभग 10 किलो तक हो सकता है.इसके फल का आकार में बहुत बड़े और पतले होते हैं जिसके कारण यह ज्यादा देर तक हवा में उड़ पाते है.मादा बाज पक्षी साल में एक बार 3 से 4 अंडे देती है और जब तक उनमें से उसके बच्चे नहीं निकल आते है वह उनके ऊपर बैठी रहती है. बाज के बच्चे अंडे में से औसतन 35 से 40 दिनों के अंदर बाहर निकल आते है.एक बाज की औसतन आयु 60 से 70 वर्ष होती है.उनके पंख और सोच लगातार बढ़ती रहती है इसलिए जैसे-जैसे यह व्यस्त होते है. इन्हें अपनी चोच से भोजन खाने में दिक्कत होने लगती है इसीलिए यह चट्टानों पर जाकर अक्सर अपनी चोच घिसते रहते है.इनके पंजों की बात करें तो पैर के पंजे बहुत ही ताकतवर और नुकीले होते हैं जिससे यह किसी भी सांप या मछली को अगर एक बार पकड़ ले तो उसके बाद छोड़ते नहीं है.यह पक्षी ज्यादातर अकेले रहना ही पसंद करता है.

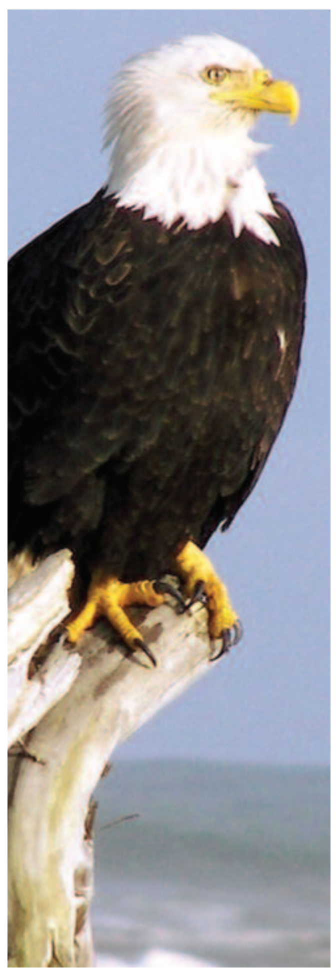

- बाज पक्षियों में सबसे बड़ा पक्षी होता है.
- बाज एक मांसाहारी पक्षी है.
- यह मुख्य रूप से भोजन में सांप, मछली, चूहा, मेंढक इत्यादि खाते है.
- बाज आसमान में बिना पंखों को हिलाएं हवा में अधिक समय तक उड़ सकता है.
- यह लगभग दुनिया के हर देश में पाया जाता है और दुनिया भर में इसकी 60 से अधिक प्रजातियां अभी तक खोजी जा चुकी है.
- यह पक्षी अकेले में जंगलों में पहाड़ियों के ऊपर रहना पसंद करता है.
- क्या आप जानते हैं जब भी पक्षियों के राजा की बात आती है तो उनमें बाज का नाम सबसे पहले लिया जाता है.क्योंकि यही एक मात्र ऐसा पक्षी है जो तेज रफ्तार के साथ ही शारीरिक रूप से भी सर्वाधिक शक्तिशाली माना जाता है.
- बाज मांसाहारी जीवो की श्रेणी में आता है और इसका जीवनकाल लगभग 40 वर्ष से लेकर 70 वर्ष का होता है.
- बाज तेजी से उड़ने और सतह पर चलने की लिए भी जाना जाता है. यह पक्षी सतह पर भी गजब की तेजी से दौड़ता है.
- बाज के शरीर की बनावट जैसे छाती की मजबूत मांसपेशियाँ , लम्बे पंख और स्ट्रीमलाइन आकार के फाल्कन सही मायने में इस पक्षी को गजब की रफ्तार देने के लिए ही बने है.
- बाज के शरीर की लंबाई 13 से 23 इंच तक हो सकती है तथा बाज क पंखो लंबाई 29 से 34 इंच तक होती है.इसके साथ ही मादा बाज का आकार नर बाज से बड़ा होता है.
- बाज के पसंदीदा शिकारो में चिड़िया, कबूतर, चूहा ट बत्तख इत्यादि का शिकार ज्यादातर करता है.
- बाज आकाश में 12000 फीट की उंचाई तक उड़ान भर सकता है
- क्या आप जानते है बाज की अब तक लगभग 2000 प्रजाति खोजी जा चुकी है.
- अगर आप बाज को नहीं पहचानते तो इसे जानने के लिए नीली स्लेटी और उसी रंग के लम्बे नुकील पंखो और पेट पर सफेद एवं काले धब्बो से पहचाना जा सकता है.
- आपको जानकर हैरानी होगी द्वितीय विश्व युद्ध में कबूतरों द्वारा भेजे संदेशो को रोकने के लिए घुमन्तु बाज का इस्तेमाल किया जाता था.
- जंगलो में रहने वाले आदिवासी ज्यादातर छोटे -छोटे पक्षियों के शिकार के लिए बाज का सहारा लेते हैं.
- बाज एक ऐसा पक्षी है जो अंटार्टिका के इलावा समूचे विश्व में पाया जाता है.
- बाज ही एकमात्र ऐसा शिकारी पक्षी है जो शिकार के लिए इंसान के 2 साल के बच्चे को भी उठा कर ले जा सकता है.
- मादा बाज 1 से लेकर 3 अंडे देती है और लगभग बाज 34 से 36 दिनों तक अण्डों पर बैठती है जिसके बाद अण्डों में से बच्चे बाहर निकल आते हैं
- क्या आप जानते है एक स्वस्थ बाज 6 किलोग्राम वजन को उठा कर हवा में उड़ सकता है.
- जिस तरह बाज तेजी का प्रतिक माना जाता है ठीक इसी प्रकार बाज के बच्चे का भी बहुत तेजी से विकास होता हैं यह 6 सप्ताह में 3-4 किलो हो जाता हैं.
- बाज की नजर भी बहुत तेज होती है उदाहरण के तोर पर यह अपने शिकार को 5 किलोमीटर की दूरी पर भी देख लेता है.

प्रति सेकंड 130 फ्रेम देख सकता है पेरग्रिन बाज

पशु-पक्षियों की दुनिया में पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तेज होती है। एक अध्ययन के अनुसार, दुनिया के सबसे सामान्य परभक्षी पक्षियों में शुमार यह बाज एक सेकंड में लगभग 130 फ्रेम देख सकता है। स्वीडन की लुंड यूनिवर्सिटी सहित कई शोधकर्ताओं का कहना है कि इसकी तुलना में इंसान प्रति सेकंड अधिकतम 50-60 फ्रेम ही देख पाते हैं। उन्होंने कहा कि कोई शख्स मूवी थिएटर में बतौर फिल्म प्रति सेकंड 25 छवियों की गति ही देख सकता है। वह भी उसे छवियों की शृंखला के रूप में नहीं देख सकता है। जर्नल ऑफ एक्सपेरिममेंटल बायोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तीव्र होती है। तेज प्रकाश वाले वातावरण में उसकी दृष्टि 129 एचजेड (प्रति सेकेंड पलक झपकाना) होती है। इन्हीं परिस्थितियों में सेकर बाज 102 एचजेड और हैरिस की देखने की क्षमता 77 एचजेड होती है। ऐसा पहली बार है, जब वैज्ञानिकों ने परभक्षी पक्षियों की दृष्टि की गति का अध्ययन किया है। इसके लिए उन्होंने यह गणना की कि वे कितने दृश्यों का अनुभव कर सकते हैं। अध्ययन के सह लेखकों में एक लुंड यूनिवर्सिटी के एल्मट केल्बर ने कहा, 'मेरे सहयोगी साइमन पोटियर और मैंने सेकर और हैरिस प्रजाति के बाजों का अध्ययन किया। इस दौरान यह भी गणना की कि ये कितनी तेज रोशनी में झपकी ले सकते हैं।' शोधकर्ताओं ने कहा कि परभक्षी पक्षियों की नजर शिकार की जरूरत के हिसाब से हरकत करती है। आमतौर पर बाज तेज गति से उड़ने वाली पक्षियों का शिकार करते हैं और अपनी तीव्र दृष्टि से उन पक्षियों के सचेत होने से पहले ही उन्हें पकड़ लेते हैं।

350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार करता है

शोधकर्ताओं ने बताया कि हैरिस नामक बाज के पास अत्यधिक ऊंचाइयों पर शिकार करने के लिए बहुत तेज दृष्टि नहीं होती है, क्योंकि वह जमीन पर छोटे और धीमी गति वाले जानवरों का शिकार करते हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, पेरग्रिन बाज के पास अलग-अलग दृश्यों में खुद की दृष्टि को समायोजित करने की क्षमता होती है, क्योंकि यह एक फॉर्मूला वन रेसिंग कार की गति यानी 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अपने शिकार पर हमला बोलती है।

पिंजरे में रखे गए पक्षियों की स्थिति समझने में मिलेगी मदद

यह अध्ययन छोटे कीटों को खाने वाली पक्षियों की देखने की क्षमता का पता लगाने के लिए किया गया है। शोधकर्ताओं ने का कहना है कि बाजों के शिकार की कला यह भी बताती है कि परभक्षी पक्षियों की दृष्टि बहुत तीव्र होती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, इस अध्ययन से मिली नई जानकारी से कैद में रखे गए पक्षियों की स्थिति को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी।

अजीब है कस्तूरी बैल

बैल के बारे में आप लोग तो कुछ न कुछ जानते ही होंगे। लेकिन आप लोगों को आज एक ऐसे बैल के बारे में बताते हैं, जिसके बारे में शायद ही आप लोग जानते हों। यह बैल है कस्तूरी बैल। है न रोचक बात! आप लोग मस्क डीयर यानी कि कस्तूरी हिरण के बारे में जानते होंगे, लेकिन कस्तूरी बैल के बारे में नहीं। यह बैल भले ही अपने यहां नहीं पाया जाता, लेकिन यह कुछ एक देशों में पाया जाता है।

कस्तूरी बैल बिल्कुल याक जैसा दिखता है। यह वृक्षहीन टुन्ड्रा प्रदेश और आर्कटिक प्रदेशों का निवासी है। पूर्वी अलास्का से लेकर उत्तरी कनाडा तक और ग्रीनलैंड में पाया जाता है।इसकी दो प्रजातियां होती हैं। एक ग्रीनलैंड मस्क ऑक्स या व्हाइट फेस्ड मस्क ऑक्स। दूसरी प्रजाति केनेडियन हाई-आर्कटिक मस्क ऑक्स होती है।

दिखता है याक जैसा

यदि आप इसे दूर से देखो तो आप को भ्रम हो जाएगा। आपको लगेगा कि यह याक है, लेकिन ऐसा होता नहीं है। इसका शरीर काफी गठीला होता है। उस पर फर की दोहरी परत होती है। बाहरी परत लम्बे-लम्बे फर वाली होती है। कभी-कभी इसके बाल इतने लम्बे होते हैं कि जमीन को भी छूने लगते हैं। इनके मोटे फरों का रंग गहरा भूरा होता है। इनके फर ही बर्फीले आर्कटिक की शीत लहरों में ठंड से बचाव करते हैं। इनके बाल भेड़ के बालों की तरह ऊन बनाने के काम आते हैं। इनके फर गर्मी के मौसम में झड़ने लगते हैं।

विशालकाय शरीर

इसके कंधों पर कूबड़ होता है। इसके सींग लम्बे,चौड़े और मुड़े हुए होते हैं। इसके खुर बैलों से काफी बड़े होते हैं। इसके विशालकाय शरीर का वजन 200 किलोग्राम से 400 किलोग्राम तक हो सकता है, जबकि शरीर की लम्बाई छह फुट से साढ़े सात फुट के मध्य होती है और ऊंचाई पांच फुट तक होती है। इसके गठीले शरीर के कारण ही शिकारी जानवर जल्दी हमला नहीं कर पाते। ये अक्सर झुंड में ही रहते हैं, इसलिए शिकारी जानवरों पोलर बीयर, आर्कटिक फॉक्स और आर्कटिक भेड़ियों से अपनी रक्षा कर लेते हैं।

नहीं खाता मांस

आप लोग सोच रहे होंगे कि बर्फ में रहने की वजह से इसका भी भोजन मांस होगा, लेकिन ऐसा नहीं है। यह बिल्कुल भी मांसाहारी नहीं है। घास, आर्कटिक फूल, मरकट और बहुत प्रकार की वनस्पति खाता है। वैसे इसे 'विलो प्लांट' खाना ज्यादा अच्छा लगता है। यह अपना भोजन चबाता नहीं है, बल्कि उसे निगल जाता है।

डिबॉक इंडस्ट्रीज और एमडी पर 7 साल का प्रतिबंध

मुंबई ।

शेयर बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने डिबॉक इंडस्ट्रीज लिमिटेड और उसके प्रबंध निदेशक पर बड़ी कार्रवाई की है। कथित अकाउंटिंग फ्रॉड और वित्तीय आंकड़ों में हेरफेर के आरोप में दोनों को 7 साल के लिए शेयर बाजार से प्रतिबंधित कर दिया है। इसके साथ ही, सेबी ने 59.30 करोड़ रुपये की अवैध कमाई जब्त करने और राइट्स इश्यू से डायवर्ट किए गए 49 करोड़ रुपये 12 फीसदी ब्याज के साथ वापस करने का आदेश दिया है। सेबी के अनुसार, कंपनी ने फर्जी बिक्री, खरीद और सर्कुलर लेनदेन के जरिए वित्तीय आंकड़ों को बढ़ाया, जिससे करीब 4.21 करोड़ शेयर फर्जी तरीके से हासिल कर निवेशकों को बेच दिए गए। प्रबंधक मुकेश सिंह पर अकेले 20.10 करोड़ रुपये सहित कुल 29 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया गया है।

सुनील कलोट को पांच साल जबकि प्रियंका शर्मा और गौरव जैन को तीन साल के लिए बाजार से प्रतिबंधित किया गया है। एक अन्य मामले में, सेबी ने ट्रैफिकसोल आईटीएस टेक्नोलॉजिज और उसके प्रमोटर-निदेशकों जितेंद्र दास व पूनम दास पर एक साल का प्रतिबंध और 1.05 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है।

जियो प्लेटफॉर्म्स के मेगा आईपीओ को मिली सेबी की हरी झंडी

मुंबई ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की डिजिटल इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स को बाजार नियामक सेबी से अपने बहुप्रतीक्षित आईपीओ के लिए मंजूरी मिल गई है। यह आईपीओ करीब 37,000 करोड़ रुपये का हो सकता है, जो भारतीय शेयर बाजार का अब तक का सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम बनने को तैयार है। सेबी ने जून में जमा कराए गए ड्राफ्ट दस्तावेजों के लगभग दो महीने बाद अपनी अंतिम टिप्पणियाँ दीं। निवेशकों को लंबे समय से इस आईपीओ का इंतजार था। यह प्रस्तावित इश्यू हुंडई मोटर्स इं डिया के 27,870 करोड़ रुपये के आईपीओ का रिकॉर्ड तोड़ेगा, जो वर्तमान में भारत का सबसे बड़ा पब्लिक ऑफरिंग है। जियो प्लेटफॉर्म्स ने 27 करोड़ तक के इक्विटी शेयर जारी करने का प्रस्ताव रखा है, जिसमें ऑफर-फॉर-सेल (ओएफएस) का कोई हिस्सा नहीं है, यानी मौजूदा शेयरधारक अपनी हिस्सेदारी नहीं बेचेंगे। हालांकि, इश्यू का अंतिम आकार लॉन्च के समय इसके स्ट्रक्चर और प्राइसिंग पर निर्भर करेगा।

टाटा संस को राहत, एजीएम के लिए साल के अंत तक का समय

कंपनी रजिस्ट्रार ने तीन महीने की मोहलत दी

नई दिल्ली ।

टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस को अपनी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) आयोजित करने के लिए बड़ी राहत मिली है। कोरम पूरा न होने के कारण पहले स्थगित हुई एजीएम के लिए कंपनी रजिस्ट्रार (आरओसी) ने अब तीन महीने की मोहलत दे दी है, जिससे कंपनी के पास 31 दिसंबर तक का समय है। यह निर्णय सर रतन टाटा ट्रस्ट (एसआरटीटी) पर लगी रोक के कारण पैदा हुई असाधारण स्थिति और टाटा संस के नेतृत्व में अनिश्चितता को देखते हुए लिया गया है। कंपनी रजिस्ट्रार कार्यालय ने 27 अगस्त को एक पत्र के माध्यम से यह मोहलत दी है। इससे पहले, कंपनी कानून के तहत एजीएम के लिए निर्धारित समय-सीमा 30 सितंबर थी। एजीएम के एजेंडे में चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के कार्यकाल विस्तार का मामला भी शामिल था, जिस पर पहली बैठक में चर्चा नहीं हो पाई थी। दरअसल, 18 अगस्त को होने वाली एजीएम को इसलिए टालना पड़ा था क्योंकि टाटा ट्रस्ट्स की अहम हिस्सेदार सर रतन टाटा ट्रस्ट पर महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर ने रोक लगा दी थी। सर रतन टाटा ट्रस्ट की टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है, और इस रोक के कारण एजीएम में अपेक्षित उपस्थिति पूरी नहीं हो पाई। टाटा समूह के 100 साल से अधिक के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि उसकी होल्डिंग कंपनी की एजीएम स्थगित करनी पड़ी हो। चैरिटी कमिश्नर का यह आदेश महाराष्ट्र पब्लिक ट्रस्ट्स एक्ट में हुए बदलाव के कथित उल्लंघन पर आया था। इस बदलाव के तहत ट्रस्ट के बोर्ड में हमेशा बने रहने वाले ट्रस्टियों (परपेचुअल ट्रस्टी) की संख्या कुल सदस्यों के 25 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती। टाटा संस ने इसी असाधारण स्थिति का हवाला देते हुए मोहलत की अपील की थी। हालांकि, कंपनी रजिस्ट्रार ने मोहलत देते हुए टाटा संस को भविष्य में कंपनी अधिनियम के तहत सभी आवश्यक नियमों के अनुपालन में सावधानी बरतने की चेतावनी भी दी है।

भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव भरा रहा सप्ताह

ईरान प्रतिबंध, तेल कीमतें और वैश्विक संकेतों ने तय की बाजार की चाल

मुंबई।

बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद उतार-चढ़ाव भरा रहा, जहां प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लगातार अस्थिरता के शिकार हुए। ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों, कच्चे तेल की कीमतों में घट-बढ़ और निवेशकों की मुनाफावसूली के चलते बाजार ने हर दिन नई चाल चली। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को तेजी के साथ हुई, जब तेल कीमतों में गिरावट के कारण सेंसेक्स 77,748 और निफ्टी 24,302 के स्तर पर पहुंच गए। हालांकि, दिन का अंत निराशाजनक रहा और मुनाफावसूली ने बाजार को नीचे धकेल दिया, जिससे सेंसेक्स 77,369 पर और निफ्टी 24,219 पर बंद हुए। मंगलवार को भी बाजार लाल निशान पर खुला, लेकिन अंतिम समय की खरीदारी और कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट ने सूचकांकों को बढ़त दिलाई, और सेंसेक्स 77,656, जबकि निफ्टी 24,334 पर बंद हुए। बुधवार को भी बाजार में ऐसा ही पैटर्न देखने को मिला। कच्चे तेल में नरमी और हॉर्मुज जलडमरूमध्य के प्रबंधन पर ईरान-ओमान वार्ता से मिली उम्मीदों के बावजूद, बाजार सकारात्मक शुरुआत के बाद अंततः गिरावट के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 77,472 और निफ्टी 24,207 पर सिमट गए। सप्ताह का सबसे चुनौतीपूर्ण दिन गुरुवार रहा, जब वीकली और मासिक एक्सपायरी के चलते भारी बिकवाली देखी गई। बाजार ने अपनी शुरुआती बढ़त गंवा दी और सेंसेक्स 539 अंक गिरकर 76,934 पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी भी 24,091 के नीचे आ गया। प्रमुख शेयरों जैसे हिन्दालको और महिंद्रा एंड महिंद्रा में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, दो दिनों की लगातार गिरावट के बाद शुक्रवार को बाजार ने कुछ राहत की सांस ली। सकारात्मक शुरुआत हुई और आईटी शेयरों में जोरदार खरीदारी ने बाजार को सहारा दिया। सेंसेक्स 330.92 अंक चढ़कर 77,264.51 पर, जबकि निफ्टी 84.80 अंक बढ़कर 24,175.65 पर बंद हुआ। निफ्टी आईटी सूचकांक में 3.51 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि देखी गई, जिससे बाजार में सकारात्मक माहौल बना। कुल मिलाकर यह सप्ताह भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और घरेलू मुनाफावसूली के प्रभाव में रहा।

पुणे स्थित वेयरहाउस का दवा बिक्री लाइसेंस रद्द

भंडारण, पैकेजिंग और भ्रामक लेबलिंग में मिली गंभीर खामियां

मुंबई ।

महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने सिप्ला फार्मा एंड लाइफ साइंसेज लिमिटेड की पुणे स्थित कैरी एंड फॉरवर्डिंग (सीएंडएफ) इकाई का दवा बिक्री लाइसेंस रद्द कर दिया है। यह कार्रवाई वाडकी, पुणे जिले के गोदाम में भंडारण, पैकेजिंग और वापस मंगाने की प्रक्रियाओं में गंभीर अनियमितताओं के मद्देनजर की गई है। एफडीए ने बताया कि लाइसेंस रद्द करने का आदेश 27 अगस्त से प्रभावी हो गया है, जिसे कंपनी ने अदालत में चुनौती दी है। नियामक ने बताया कि निरीक्षण के दौरान गोदाम में दवाएं सीधे फर्श पर रखी मिलीं और एक्सपायर्ड दवाओं के प्रबंधन में भी गंभीर कमियां पाई गईं। जून में हुए निरीक्षण में अधिकारियों ने डॉक्टर के पर्चे पर बिकने वाली दवा रिएक्टिन प्लस टैबलेट्स की पैकेजिंग पर इसे अनधिकृत रूप से एनाल्जेसिक और एंटीपायरेटिक बताते हुए पाया था। एफडीए ने इस भ्रामक लेबलिंग के चलते 11.19 लाख रुपये मूल्य का स्टॉक जब्त किया था, जिसे औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 और औषधि नियम, 1945 का उल्लंघन बताया गया। एफडीए ने कंपनी को गलत लेबल वाली रिएक्टिन प्लस टैबलेट्स को बाजार से वापस मंगाने का निर्देश दिया था, लेकिन नियामक के अनुसार कंपनी ने इन निर्देशों का पूरी तरह पालन नहीं किया। बाद के निरीक्षणों में सीएंडएफ इकाई की दवा बिक्री एवं वितरण व्यवस्था में भंडारण संबंधी कमियां, खरीद-बिक्री रिकॉर्ड और वास्तविक कंप्यूटरीकृत स्टॉक के आंकड़ों में विसंगतियां भी सामने आईं, जिसके बाद यह सख्त कदम उठाया गया है।

सेबी ने ईटीएफ नियमों के क्रियान्वयन की समयसीमा बढ़ाई

अब 7 सितंबर से प्रभावी होंगे नए प्रावधान

नई दिल्ली ।

पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण नियमों के क्रियान्वयन की समयसीमा एक सप्ताह बढ़ा दी है, जो अब 1 सितंबर 2026 के बजाय 7 सितंबर 2026 से प्रभावी होंगे। यह निर्णय शेयर बाजारों से मिले सुझावों और नियमों के सुचारू क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है। सेबी द्वारा जारी एक नए परिपत्र के अनुसार यह विस्तार ईटीएफ के आधार मूल्य, मूल्य दायरे, प्री-ओपन सत्र में कॉल नीलामी और क्लोज-आउट प्रक्रिया जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं से जुड़े नियमों पर लागू होगा। इन प्रावधानों को नियामक ने 15 जून 2026 को जारी एक पिछले परिपत्र में विस्तृत रूप से तय किया था।

हालांकि, 15 जून के उस परिपत्र के अन्य सभी प्रावधानों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और वे पहले की तरह ही लागू रहेंगे। नियामक ने बाजार अवसंरचना संस्थानों (एमआईआई) को इन नियमों के क्रियान्वयन हेतु आवश्यक प्रणालियां तैयार करने, संबंधित उपनियमों में संशोधन करने और निवेशकों सहित सभी बाजार प्रतिभागियों को इन प्रावधानों के बारे में सूचित करने के निर्देश दिए हैं।

केंद्रीय मंत्री ओराम का हाथ काटने की क्षमता, बयान पर मच गया बवाल

नई दिल्ली ।

केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता जुएल ओराम ने अपनी ही पार्टी के सहयोगियों के खिलाफ मोर्चा खोला है। उन्होंने अपनी ही पार्टी के कुछ नेताओं पर उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल से हटवाने और उनकी राजनीतिक साख को नुकसान पहुंचाने के लिए साजिश रचने का आरोप लगाया है। उनके विस्फोटक बयान ने ओडिशा की राजनीति में खलबली पैदा कर दी है।

यह विवाद तब गरमा गया जब ओराम के करीबी सहयोगी राकेश पासवान को ओडिशा के राउरकेला में संगठित अपराध मामले में गिरफ्तार किया। आरोम के करीबी पासवान पर सरकारी गेस्ट हाउस में अपराधियों को पनाह देने का आरोप है। शुरुआत में ओराम ने कानून को अपना काम करने देने की बात कही थी, लेकिन जल्द ही उन्होंने विरोधी गुट पर निशाना साधकर कहा कि पार्टी के कुछ नेता पैसा बहाकर उन्हें बदनाम कर रहे हैं। उनका मानना है कि ये नेता केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह पाने के लिए ऐसा कर रहे हैं।

सुंदरगढ़ से छह बार सांसद रह चुके ओराम ने घोषणा की कि इस राजनीतिक साजिश के बाद उन्होंने 2029 का लोकसभा चुनाव न लड़ने का अपना फैसला बदला है और वे निश्चित रूप से चुनाव लड़ूंगा। उन्होंने कहा कि वे दुष्प्रचार के पीछे के लोगों का पता लगाएंगे और इसकी शिकायत ओडिशा भाजपा के संगठन महामंत्री से भी की है। इस दौरान उन्होंने एक बेहद विवादित बयान देकर चेतावनी दी कि जो लोग उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं, उनके हाथ काटने की क्षमता उनमें है। केंद्रीय मंत्री ओराम के तीखे बयान से राज्य की राजनीति में भूचाल आ गया है। मुख्य विपक्षी दल बीजू जनता दल और कांग्रेस ने सत्तारूढ़ भाजपा को घेरना शुरू किया है। बीजेडी नेता प्रमिला मलिक ने भाजपा के भीतर गहरे अंदरूनी मतभेद का संकेत बताया, जबकि ओडिशा कांग्रेस के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने ओराम की भाषा को असंसदीय और हिंसक बताकर भारतीय लोकतंत्र में ऐसी बयानबाजी के लिए कोई जगह न होने की बात कही।

इंडिगो वेंचर्स का एआई कंपनी सर्वम में रणनीतिक निवेश, परिचालन दक्षता पर जोर

सीरीज-बी फंडिंग के तहत हुई साझेदारी; यह वेंचर का चौथा सार्वजनिक निवेश

नई दिल्ली

विमानन दिग्गज इंडिगो की कॉरपोरेट वेंचर कैपिटल इकाई इंडिगो वेंचर्स ने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी सर्वम में रणनीतिक निवेश की घोषणा की है। सीरीज-बी फंडिंग के तहत यह कदम विमानन परिचालन में एआई अनुप्रयोगों से दक्षता व ग्राहक अनुभव सुधारने के लिए उठाया गया है। हालांकि, निवेश राशि का खुलासा नहीं किया गया है। इंडिगो और सर्वम पहले से ही ग्राहक सेवा, कर्मचारियों की उत्पादकता और विमानन संचालन से जुड़े एआई ऐप्लिकेशन पर सहयोग कर रही हैं। इस

निवेश के बाद दोनों कंपनियां इन ऐप्लिकेशन्स के विकास और परीक्षण जारी रखेंगी।

सफल साबित होने वाले एआई समाधानों को इंडिगो के पूरे नेटवर्क में लागू किया जा सकता है, जिससे कंपनी के संचालन में क्रांतिकारी बदलाव आ सकते हैं। यह इंडिगो वेंचर्स का सार्वजनिक रूप से घोषित चौथा निवेश है, जो प्रौद्योगिकी और विमानन के भविष्य में उसके बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।

इससे पहले, वेंचर ने जुलाई 2025 में एरोस्पेस विनिर्माण कंपनी जेह एरोस्पेस में निवेश किया था।

दिल्ली में सीएनजी 3.89 रुपए महंगी, 86.98 रुपए किलो पहुंची

इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने जारी की नई दरें

नई दिल्ली ।

मध्य पूर्व में जारी भू-राजनीतिक तनाव और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की बढ़ती कीमतों के बीच दिल्ली-एनसीआर के उपभोक्ताओं पर एक और महंगाई का बोझ पड़ा है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने सीएनजी की कीमतों में 3.89 रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह वृद्धि शनिवार सुबह से प्रभावी हो गई है, जिसके बाद दिल्ली में सीएनजी 86.98 रुपये प्रति किलोग्राम पर मिलेगी। यह इस वर्ष सीएनजी की कीमतों में पांचवीं वृद्धि है। मई के बाद यह पहला मौका है जब दिल्ली-एनसीआर में सीएनजी के दाम बढ़ाए गए हैं। मई माह में भी महज 10 दिनों के भीतर इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने 6 रुपये प्रति किलोग्राम तक की बढ़ोतरी की थी। कंपनी ने अपने बयान में बताया कि वैश्विक बाजार में एलएनजी की कीमतें काफी बढ़ गई हैं, जिसके कारण उनकी खरीद लागत में अत्यधिक वृद्धि हुई है। भारत को युद्धग्रस्त क्षेत्रों से अधिक कीमत पर एलएनजी आयात करना पड़ रहा है, जिसका सीधा असर घरेलू कीमतों पर दिख रहा है।

31 को 8वें वेतन आयोग की अहम बैठक, कर्मचारी-संगठन रखेंगे सिफारिशे व सुझाव

फिटमेंट फैक्टर, वेतन संशोधन, पेंशन सुधार जैसे मुद्दों पर अंतिम फैसला लेगी सरकार

नई दिल्ली, ।

8वें वेतन आयोग के गठन को 10 महीने होने वाले हैं। वेतन आयोग जयपुर में 31 अगस्त और 1 सितंबर को होने वाली अपनी अगली बैठक की तैयारी कर रहा है। इस बैठक के लिए फॉर्म जमा करने की आखिरी तारीख 18 अगस्त थी। इस बैठक में राजस्थान के केंद्रीय कर्मचारी या संगठन अपनी सिफारिशों या सुझाव को वेतन आयोग के सामने रख सकेंगे। इसके बाद वेतन आयोग सुझाव को अपनी सिफारिशों में रखेगा और सरकार को सौंपेगा। इसके बाद केंद्र सरकार इन सिफारिशों पर विचार करेगी और फिटमेंट फैक्टर, वेतन संशोधन, पेंशन सुधार, भत्ते और अन्य संबंधित मुद्दों पर अंतिम फैसला लेगी।8वां वेतन आयोग चर्चा और सलाह-मशविरा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

आयोग का मकसद चर्चा की प्रक्रिया को ज्यादा लोकतांत्रिक बनाना है ताकि ज्याद से ज्यादा यूनियन, स्टेकहोल्डर और एसोसिएशन अपनी राय और शिकायतें रख सकें। पिछले कुछ महीनों में, 8वें वेतन आयोग ने दिल्ली, लद्दाख, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और ओडिशा जैसे प्रमुख राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा किया है। ये बैठकें अहम हैं क्योंकि देश भर की यूनियनों और स्टेकहोल्डर्स द्वारा इनमें रखी गई शिकायतें, अनुरोध और राय 8वें वेतन आयोग को अपनी अंतिम सिफारिशें तैयार करने में अहम भूमिका निभाएंगी।3 सितंबर को वेतन आयोग के गठन को दस महीने पूरे हो जाएंगे। वेतन आयोग को नवंबर 2025 में अपने गठन के बाद से केंद्रीय मंत्रिमंडल को अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने के लिए 18 महीने का समय दिया गया था। ऐसे में आयोग द्वारा मई-जून 2027 तक अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंप सकती है।

इसके बाद सरकार सिफारिशों को लागू करेगी। ऐसा माना जा रहा है कि सरकार एक जनवरी 2026 से ये सिफारिशें लागू कर सकती हैं। यह जरूरी नहीं कि सरकार अक्षरशः इन सिफारिशों को लागू करे।

इसमें संशोधन भी किया जा सकता है। यह सरकार को तय करना होता है।छठे और सातवें वेतन आयोग के दौरान काफी विचार-विमर्श के बाद क्रमशः 1.86 और 2.57 के फिटमेंट फैक्टर पर सहमति बनी थी। अब यह देखना होगा कि 8वें वेतन आयोग के लिए क्या फिटमेंट फैक्टर तय किया जाता है क्योंकि एनसी (जेसीएम) और बीपीएमएस जैसी कई प्रमुख यूनियनें 3.5 गुना से ज्यादा फिटमेंट फैक्टर की मांग कर रही हैं।

जीएमआर का वैश्विक उड़ान लक्ष्य, भारतीय विमानन पर अटूट विश्वास

समूह पश्चिम एशिया, यूरोप व दक्षिण-पूर्व एशिया में तलाशेगा नए अवसर

नई दिल्ली

जीएमआर समूह ने भारतीय विमानन क्षेत्र में दीर्घकालिक वृद्धि पर अपने प्रबल विश्वास को व्यक्त करते हुए वैश्विक विस्तार की महत्वाकांक्षी योजनाएं बनाई हैं। समूह पश्चिम एशिया, मध्य एशिया, पूर्वी यूरोप और दक्षिण-पूर्व एशिया में हवाई अड्डों तथा उनसे जुड़े कारोबार में नए अवसर तलाशेगा। कंपनी के एक अधिकारी ने कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में इन रणनीतिक पहलों की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि जीएमआर वर्तमान में भारत में छह हवाई अड्डों (दिल्ली और हैदराबाद सहित) तथा इंडोनेशिया में एक हवाई अड्डे का संचालन करता है, जबकि यूनान में एक का विकास जारी है। हाल ही में आंध्र प्रदेश के भोगापुरम हवाई अड्डे ने 17 अगस्त से परिचालन शुरू किया है। राव ने बढ़ती आय, पर्यटन, मजबूत बुनियादी ढांचे और सरकारी पहलों से भारतीय विमानन को दीर्घकालिक समर्थन मिलने पर जोर दिया। इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए कंपनी ने अपने एयरपोर्ट प्लेटफॉर्म कारोबार का विस्तार किया है, जिसमें शुल्क-मुक्त, मालवाहक, खुदरा और खाद्य-पेय जैसे कम पूंजी वाले व्यवसाय शामिल हैं। समूह नई रियायतों, परिचालन एवं रखरखाव अनुबंधों तथा हवाई अड्डों से जुड़े कम पूंजी वाले क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति बढ़ाएगा। पिछले वित्त वर्ष में, जीएमआर हवाई अड्डों से 11.46 करोड़ यात्रियों ने यात्रा की, जो देश के कुल घरेलू हवाई यातायात का लगभग 25.6 फीसदी और अंतरराष्ट्रीय यातायात का 33.9 फीसदी था।

जियो समेत चार कंपनियों को आईपीओ लाने के लिए सेबी ने दी मंजूरी

नई दिल्ली।

इस हफ्ते सिर्फ जियो ही नहीं पेट लिमिटेड, सद्भाव फ्यूचरटेक लिमिटेड, पारस हेल्थकेयर लिमिटेड और एमके संस फाइन ज्वेल्स लिमिटेड को आईपीओ लाने के लिए सेबी ने मंजूरी दे दी है यानी आने वाले समय में आईपीओ की बहार आएगी। बाजार नियामक सेबी की जानकारी के मुताबिक इन चारों कंपनियों ने मार्च से जून के बीच आईपीओ के लिए मसौदा दस्तावेज दाखिल किए थे और 24 से 28 अगस्त में उन्हें सेबी की अंतिम टिप्पणियां मिलीं। सेबी की टिप्पणियां आईपीओ प्रक्रिया में एक अहम कदम होती हैं। इसके बाद कंपनियां लागू नियामकीय जरुरतों के आईपीओ की आगे की तैयारियां कर सकती हैं।

भारत पेट ने 25 मार्च को सेबी के पास आईपीओ के दस्तावेज दाखिल किए थे और उसे 26 अगस्त को नियामक की टिप्पणियां मिलीं। कंपनी के प्रस्तावित आईपीओ का आकार करीब 760 करोड़ रुपए है। इसमें 120 करोड़ रुपए तक के नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि प्रवर्तक करीब 640 करोड़ रुपए के शेयर बिक्री पेशकश के तहत बेचेंगे। सद्भाव फ्यूचरटेक ने सात अप्रैल को आईपीओ के दस्तावेज दाखिल किए थे और उसे 28 अगस्त को सेबी की टिप्पणियां मिलीं। कंपनी के प्रस्तावित आईपीओ में 2.55 करोड़ तक नए इक्विटी शेयर जारी करने के साथ प्रवर्तकों और अन्य शेयरधारकों की ओर से कुल 235 करोड़ की बिक्री पेशकश शामिल है।

पारस हेल्थकेयर ने 16 जून को आईपीओ के दस्तावेज दाखिल किए थे और उसे 24 अगस्त को सेबी की टिप्पणियां मिलीं। कंपनी आईपीओ के जरिए 1,800 करोड़ तक जुटाने की योजना बना रही है। इसमें 500 करोड़ रुपए तक के नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि बिक्री करने वाला शेयरधारक 1,300 करोड़ रुपए तक के शेयर बिक्री पेशकश के तहत बेचेगा। कंपनी आईपीओ से प्राप्त राशि का इस्तेमाल कुछ बकाया कर्ज के समय से पहले या निर्धारित पुनर्भुगतान, अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरी कंपनी पीएमएचपीएल में उसके कर्ज के पुनर्भुगतान या समय से पहले भुगतान और सामान्य कंपनी कामकाज के लिए करेगी।

पारस हेल्थ ब्रांड के तहत परिचालन करने वाली कंपनी के पास 31 मार्च, 2026 तक आठ अस्पताल थे। इसकी कुल क्षमता 2,211 बिस्तरों की है। एमके संस फाइन ज्वेल्स ने 14 मई को आईपीओ के दस्तावेज दाखिल किए थे और उसे 28 अगस्त को सेबी की टिप्पणियां मिलीं। कंपनी के प्रस्तावित आईपीओ में 1.36 करोड़ तक नए इक्विटी शेयर जारी किए। इसके अलावा प्रमोटर रामचंद मुरलीधर रैमलानी 34 लाख तक शेयर बिक्री पेशकश के तहत बेचेंगे।

वीआई ने लगातार चौथे महीने जोड़े नए ग्राहक, 20 करोड़ पहुंचा आंकड़ा

ट्राई के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई में 2.4 लाख से अधिक उपभोक्ता जुड़े

नई दिल्ली ।

दूरसंचार क्षेत्र में अपनी वापसी का संकेत देते हुए निजी क्षेत्र की कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) लगातार चौथे महीने नए ग्राहक जोड़ने में सफल रही है।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, यह कंपनी के लिए एक सकारात्मक मोड़ है, खासकर वर्षों की ग्राहक हानि के बाद। जुलाई में 2,40,114 नए ग्राहक जुड़ने से कंपनी की कुल ग्राहक संख्या 19.90 करोड़ हो गई है, जो 20 करोड़ के आंकड़े के बेहद करीब है। यह उपलब्धि वीआई के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, क्योंकि 2018 में विलय के बाद कंपनी ने पहली बार किसी तिमाही (अप्रैल-जून वित्त वर्ष 2027) में शुद्ध नए ग्राहक जोड़े हैं। फरवरी से अब तक कंपनी ने 6.9 लाख से अधिक और अप्रैल से 5.7 लाख से अधिक ग्राहक अपने साथ जोड़े हैं।

यह पिछले साल के उस दौर से बिल्कुल अलग है, जब कंपनी ने छह महीनों में 36 लाख से अधिक ग्राहक खो दिए थे। आदित्य बिड़ला ग्रुप के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसे एक अहम पड़ाव बताते हुए नेटवर्क ढांचे और ग्राहकों के अनुभव को बेहतर बनाने में किए गए निरंतर निवेश का परिणाम बताया है। मुख्य कार्यकारी ने भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि पिछले एक वर्ष में 15,500 और दो वर्षों में 32,000 4जी मोबाइल टावर एवं उपकरण लगाने से नेटवर्क में सुधार हुआ है, जिससे ग्राहकों की संतुष्टि और उन्हें बनाए रखने की क्षमता बढ़ी है।

किशोर के अनुसार, जिन क्षेत्रों में 5जी सेवा शुरू हुई है, वहां ग्राहकों के जुड़ाव में स्पष्ट सुधार देखा जा रहा है। वीआई ने पिछले वर्ष मार्च में दिल्ली से अपनी 5जी सेवा शुरू की थी और अगले दो तिमाहियों में 200 से अधिक शहरों में इसका विस्तार करने की योजना है। कंपनी ने ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए स्पॉटीफाई के साथ साझेदारी और शैक्षिक पहल जैसे कई प्रयास किए हैं। हालांकि, माना जा रहा है कि समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) का बड़ा मसला सुलझने के बाद ही असली बदलाव आया है। भले ही वीआई अभी भी कुल ग्राहकों और 4जी/5जी उपभोक्ताओं के मामले में रिलायंस जियो और भारती एयरटेल से पीछे है, लेकिन यह लगातार वृद्धि कंपनी के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत का संकेत देती है।

नीरज चोपड़ा को लगी टखने की चोट

एशियन गेम्स से हुए बाहर, डायमंड लीग फाइनल और वर्ल्ड एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप में भी नहीं ले पाएंगे हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 2026 के बाकी सीजन में प्रतिस्पर्धा करते नजर नहीं आएंगे। ट्रेनिंग के दौरान टखने में लिगामेंट फटने के बाद दो बार के ओलंपिक पदक विजेता को अगले महीने जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स से भी बाहर होना पड़ा है। चोट के कारण वह डायमंड लीग फाइनल और पहली बार आयोजित होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

ट्रेनिंग के दौरान लगी चोट

नीरज चोपड़ा ने शनिवार को अपने अकाउंट पर पोस्ट कर चोट की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डॉक्टर और अपनी टीम से चर्चा के बाद उन्होंने 2026 सीजन के बाकी हिस्से से हटने का फैसला किया है। नीरज ने लिखा, 'कड़ी मेहनत के बाद आखिरकार मुझे वह लय मिलती महसूस हो रही थी, जिसकी मैं तलाश कर रहा था। सीजन का सर्वश्रेष्ठ थ्रो करने के बाद मुझे लगा कि मेरी गति वापस आ रही है। दुर्भाग्य से, इसके कुछ समय बाद ट्रेनिंग के दौरान मेरे टखने में लिगामेंट फट गया। डॉक्टर और टीम से चर्चा के बाद हमने फैसला किया है कि मैं इस सीजन के बाकी हिस्से में हिस्सा नहीं लूंगा।'

डायमंड लीग फाइनल से बाहर

इस चोट का सीधा असर नीरज के आगामी बड़े मुकाबलों पर पड़ा है। वह 5 सितंबर को ब्रसेल्स में होने वाले डायमंड लीग फाइनल में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। इसके अलावा 11 से 13 सितंबर तक बुडापेस्ट में होने वाली पहली वर्ल्ड एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप भी वह मिस करेंगे।नीरज के लिए सबसे बड़ा झटका अगले महीने जापान में होने वाले एशियन गेम्स से बाहर होना है। वह इस प्रतियोगिता में भारत के लिए पदक की बड़ी उम्मीद माने जा रहे थे।2026 का सीजन नीरज चोपड़ा के लिए पहले से ही मुश्किल रहा था। सितंबर 2025 से परेशान कर रही लोअर बैक इंजरी के कारण उनकी प्रतिस्पर्धी वापसी जून तक टल गई थी। वापसी के बाद भी वह पूरी तरह फिट नहीं थे, लेकिन उन्होंने शानदार प्रदर्शन कर अपनी लय हासिल करने के संकेत दिए।

51 साल की उम्र में आइल ऑफ मैन की क्रिकेटर ने इतिहास रच दिया

नईदिल्ली, एजेंसी। जोआन हिक्स को क्रिकेट करियर शुरू करने में लगभग आधी सदी लग गई। उन्होंने 47 साल की उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू किया। चार साल बाद 51 साल की उम्र में आइल ऑफ मैन की इस क्रिकेटर ने इतिहास रच दिया। वह 90 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए इंटरनेशनल क्रिकेट में 5 विकेट लेने वाली सबसे बुजुर्ग खिलाड़ी बन गईं। ग्रीस की महिला टीम के खिलाफ दाएं हाथ की ऑफ-स्पिनर हिक्स ने तीसरी बार टी20 इंटरनेशनल में फाइव-विकेट हॉल लिया। उन्होंने 10 रन देकर पांच विकेट लेकर करियर का बेस्ट प्रदर्शन किया। हिक्स घातक गेंदबाजी के कारण ग्रीस 15 ओवर में 52 रन सिमट गई। आइल ऑफ मैन ने पावरप्ले में नौ विकेट रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। 51 साल और 173 दिन की उम्र में, हिक्स इंटरनेशनल क्रिकेट (पुरुष या महिला) में 50 साल की उम्र के बाद पांच विकेट लेने वाले पहले बॉलर बन गईं। हिक्स ने ऑस्ट्रेलिया के बर्ट आयरनमोंगर का 96 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह इंटरनेशनल क्रिकेट में यह मुकाम हासिल करने वाली सबसे उम्रदराज क्रिकेटर बन गई। लेफ्ट आर्म स्पिनर आयरनमोंगर ने 1932 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 49 साल और 314 दिन की उम्र में पांच विकेट लिए थे। इत्तेफाक से, उन्होंने दोनों पारियों में पांच विकेट लिए थे। पहली पारी में 6 रन देकर पांच विकेट और दूसरी पारी में 18 रन देकर छह विकेट झटके। प्रोटियाज टीम एक पारी से हारी थी। वह ऑस्ट्रेलिया के 153 रन के जवाब में 36 और 45 रन पर आउट हो गई थी।

मियांदाद बोले-इमरान खान भ्रष्ट नहीं, उन्हें रिहा किया जाए

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के दिग्गज खिलाड़ी जावेद मियांदाद अपने साथी क्रिकेटर और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बारे में बात करते हुए रो पड़े, जो जेल में बंद हैं। 1975 और 1996 के बीच छह वर्ल्ड कप खेलने वाले मियांदाद ने कहा कि इमरान खान भ्रष्ट नहीं हैं। उन्हें ईमानदार बताते हुए उनकी रिहाई की गुहार लगाई। 2018 और 2022 के बीच देश के प्रधानमंत्री रहे इमरान खान को भ्रष्टाचार के आरोपों में दोषी पाए जाने के बाद 2023 में जेल भेजा गया था।मियांदाद ने इमरान खान को लेकर नैरेटिव यूट्यूब चैनल पर कहा, 'वह एक ईमानदार आदमी है। वह कोई ऐसे इंसान नहीं हैं जो भ्रष्ट काम करता हो, वरना उन्होंने बहुत कुछ किया होता। अगर आप उन्हें बाहर निकाल देंगे तो क्या होगा? क्या वह किसी को खाएंगे या नुकसान पहुंचाएंगे? वह भी किसी के बेटे हैं। मैं हमेशा सोचता हूं कि वह क्या कर रहे होंगे।'

इमरान खान के मेडिलक जांच के बाद मियांदाद का आया बयान

69 साल के जावेद मियांदाद का बयान इमरान खान के इस्लामाबाद में मेडिकल जांच के तुरंत बाद आया, जिसके बाद उन्हें रावलपिंडी की अदियाला जेल वापस भेज दिया गया। इमरान खान की पार्टी ने मेडिकल जांच के तरीके पर सवाल उठाया। उसने कहा कि पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में ट्रांसफर करने और उनके निजी डॉक्टर समेत डॉक्टरों की एक टीम की मौजूदगी की इजाजत दी थी।

मुझे कोई अनुचित फायदा नहीं मिला

मारिजाने कैप की आलोचना पर अनाया बांगर ने तोड़ी चुप्पी, दिया करारा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगर की बेटी अनाया बांगर ने दक्षिण अफ्रीका की ऑलराउंडर मारिजाने कैप की आलोचना पर जवाब दिया है। कैप ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया द्वारा अनाया को ऑस्ट्रेलिया में महिला घरेलू क्रिकेट के रास्ते के लिए मंजूरी दिए जाने पर सवाल उठाते हुए इस फैसले को गलत बताया था।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अनाया को तत्काल प्रभाव से कम्युनिटी और प्रीमियर क्रिकेट खेलने के लिए पात्र माना है। हालांकि, यह मंजूरी अपने आप में किसी टीम में चयन की गारंटी नहीं है। उन्हें क्लब स्तर पर प्रदर्शन के जरिए आगे के अवसर हासिल करने होंगे।

पूरी जानकारी हासिल करनी चाहिए

कैप की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए अनाया ने कहा कि इस मुद्दे पर आपत्ति जताने वाले लोगों को पहले इसके बारे में पूरी जानकारी हासिल करनी चाहिए। उन्होंने पीटीआई से बातचीत में कहा, 'जो लोग इसके खिलाफ आवाज उठाना चाहते हैं, उन्हें वास्तव में पहले इस विषय के बारे में खुद को शिक्षित करना चाहिए।' अनाया ने आगे कहा, 'मैंने पहले ही यह जरूरी जानकारी उपलब्ध करा दी है कि मुझे कोई अनुचित फायदा नहीं है और मैं क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से तय किए गए दिशानिर्देशों का पालन कर रही हूं।'

जैस्मिनः कड़ी मेहनत के बल पर बनाई पहचान

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाजों का प्रदर्शन शानदार रहा था। भारतीय टीम ने रिकॉर्ड 7 स्वर्ण पदक जीते थे। इसमें पुरुष और महिला दोनों मुक्केबाजों ने स्वर्ण जीते थे। स्वर्ण पदक जीतने वाली महिला मुक्केबाजों में एक नाम जैस्मिन लंबोरिया का भी था। लंबोरिया ने 57 किग्रा भारवर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। कड़ी मेहनत, दृढ़ निश्चय और प्रतिभा के बल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने वाली जैस्मिन लंबोरिया का जन्म 30 अगस्त 2001 को भिवानी, हरियाणा में हुआ था। भिवानी को 'लिटिल क्यूबा' के नाम से जाना जाता है। यह स्थान मुक्केबाजी का गढ़ है। जैस्मिन के लिए मुक्केबाजी के क्षेत्र में करियर बनाने का फैसला आसान नहीं था। लड़की होने की वजह से उन्हें परिवार और समाज की रूढ़िवादी सोच से जूझना पड़ा, लेकिन एक बार सभी का विश्वास हासिल करने के बाद फिर उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। जैस्मिन को अपने सफर में चाचा संदीप और परविंदर का भी बाद में साथ मिला, दोनों बॉक्सिंग में राष्ट्रीय स्तर पर विजेता रहे हैं। भिवानी की लैंबोरिया बॉक्सिंग अकादमी में जब जैस्मिन ने प्रशिक्षण शुरू किया, उस समय वहां कोई महिला मुक्केबाज नहीं थी। इसलिए उन्होंने लड़कों के साथ प्रशिक्षण लिया, जिसने उनकी तकनीक और आत्मविश्वास को और मजबूत किया।

प्रतिभा का लोहा मनवाया

जैस्मिन ने 2021 में दुबई में आयोजित एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। उसी वर्ष एक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में रजत पदक और 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 60 किग्रा लाइटवेट वर्ग में कांस्य पदक जीता। उन्होंने अस्ताना में 2025 में आयोजित विश्व बॉक्सिंग कप में जैस्मिन ने गोल्ड मेडल जीत वैश्विक मंच पर अपनी श्रेष्ठता साबित की। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का स्वर्ण पदक उनकी सबसे हालिया सफलता है। 25 साल की हो रही जैस्मिन से एशियन गेम्स और ओलंपिक में पदक की उम्मीद है।

एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतना लक्ष्यः आशी

भोपाल, एजेंसी। भारतीय राइफल शूटर आशी चौकसे ने साल 2018 में अचानक प्रतिस्पर्धी शूटिंग शुरू की थी। अब 24 वर्षीय आशी अपने दूसरे एशियन गेम्स की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने अब तक एशियन गेम्स में एक कांस्य और दो रजत पदक जीते हैं। अब उनका बड़ा लक्ष्य आइची-नागोया 2026 एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतना है। आशी ने 2022 एशियन गेम्स (जो 2023 में हुए थे) में महिलाओं के 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में रजत, महिलाओं के 50 मीटर राइफल 3पी टीम इवेंट में रजत और महिलाओं के 50 मीटर राइफल 3पी इवेंट में कांस्य पदक जीता था। उन्हें लगता है कि यहां मुकाबला करने से जापान में होने वाले अगले इवेंट के लिए उनकी समझ और आत्मविश्वास बेहतर हुआ है। अपने पहले और दूसरे एशियन गेम्स के सफर के अंतर पर बात करते हुए आशी ने कहा, 'एशियन गेम्स ओलंपिक के बाद सबसे बड़े मल्टी-स्पोर्ट टूर्नामेंट में से एक है और मैं वहां पहले भी मुकाबला कर चुकी हूं। मैंने उस मंच पर परफॉर्म किया है, इसलिए मुझे पता है कि इसके लिए क्या चाहिए।

एशियन गेम्स तक के सफर में कड़ी ट्रेनिंग शामिल थी, जिसके दौरान भारतीय शूटिंग टीम ने भोपाल में इंटेंसिव कैंप में हिस्सा लिया। शुरुआती कैंप में कई मैच और फाइनल सिमुलेशन के साथ-साथ लंबे शूटिंग सेशन भी शामिल थे, जिनका मकसद एथलीटों की सहनशक्ति और निरंतरता को परखना था। आशी ने कहा, 'हम तैयारी में बहुत मेहनत और कोशिश कर रहे थे। इस कैंप की रणनीति मैच और फाइनल आयोजित करने की थी। हमने लगभग तीन-चार मैच और तीन-चार फाइनल खेले, जो 10 दिन के कैंप में बहुत अधिक हैं। मैच खेलना बहुत इंटेंस होता है, भले ही वह सिर्फ 60-शॉट का मैच हो। हमने 120-शॉट का मैच भी खेला, जो किसी प्रोग्राम में नहीं होता, लेकिन हमने इसे लंबे समय तक सहनशक्ति और स्थिरता की जांच करने के लिए किया,' शूटिंग टीम ने स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट के साथ मिलकर काम किया है।

दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में नॉर्थ जोन टीम में नजर आएंगे गुरनूर बरार

नई दिल्ली, एजेंसी। तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को रविवार से बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में साउथ जोन के खिलाफ शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल के लिए नॉर्थ जोन की टीम में शामिल किया गया है। गुरनूर श्रीलंका के खिलाफ हुई टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा थे। गुरनूर को नॉर्थ जोन की प्लेइंग इलेवन में जगह मिलने की संभावना है। भारतीय टीम मैनेजमेंट अगले दौरों से पूर्व उन्हें रेड बॉल में ज्यादा से ज्यादा मौके देना चाहता है। गुरनूर भारत की पिछली दो टेस्ट टीमों का हिस्सा रहे हैं, लेकिन उनका टेस्ट डेब्यू अभी बाकी है। जुलाई में, वह इंडिया ए के श्रीलंका के शैडो टूर पर गए थे, और दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट में 145 रन देकर 10 विकेट लिए थे। गुरनूर के प्रथम श्रेणी करियर के रिकॉर्ड पर नजर डालें तो वह 19 मैचों में 25.24 की औसत से 62 विकेट ले चुके हैं। 23 साल के गुरनूर ने जून में अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे में डेब्यू किया और भारत के हाल के इंग्लैंड दौरे पर तीनों वनडे मैच खेले। वह अब तक 6 वनडे मैचों में 11 विकेट ले चुके हैं।

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए जम्मू और कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी का चयन भी भारतीय टीम में हुआ था। हालांकि, उन्हें भी डेब्यू का मौका नहीं मिला। रिपोर्ट के मुताबिक नबी अपने वीजा पेपरवर्क के पूरा होने पर इंग्लिश काउंटी सर्किट में खेलने की सोच रहे हैं। चयनकर्ता भी चाहते हैं कि नबी तेज गेंदबाजों के लिए आसान हालात में कुछ मैच खेलें। नबी को भी न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी मौका मिल सकता है, ऐसे में उन्हें भी ज्यादा से ज्यादा मौके देने पर टीम मैनेजमेंट विचार कर रहा है। अगर काउंटी में खेलने का मौका नहीं मिलता है, तो नबी 22 सितंबर से पुडुचेरी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंडिया ए के दो मैचों में से पहले मैच में खेलेंगे, और फिर 1 से 5 अक्टूबर तक श्रीनगर में रेस्ट ऑफ इंडिया के खिलाफ ईरानी कप मैच के लिए जम्मू-कश्मीर टीम में शामिल होंगे। नबी ने जम्मू-कश्मीर को 2025-26 में रणजी ट्रॉफी की ऐतिहासिक खिताबी जीत में यादगार भूमिका निभाई थी और सीजन में 60 विकेट लिए थे।

15 हजार रुपये मिले थे, मैंने पूरी रकम खर्च कर दी

टी20 वर्ल्ड कप विजेता भारतीय कप्तान ने सुनाया संघर्ष भरा किस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी। सूर्यकुमार यादव इस समय अपने करियर के एक अलग दौर से गुजर रहे हैं। 2026 में भारत को टी20 वर्ल्ड कप जिताने वाले कप्तान को अब भारतीय टी20 टीम से बाहर कर दिया गया है। हालांकि, सूर्यकुमार ने वापसी की उम्मीद नहीं छोड़ी है। इसी बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा के साथ बातचीत में उन्होंने अपनी पहली कमाई और क्रिकेट के शुरुआती दिनों के संघर्ष को याद किया। सूर्यकुमार ने बताया कि मुंबई की अंडर-15 टीम के साथ अपने पहले दौरे के दौरान उन्हें पूरे सीजन के लिए सिर्फ 15,000 रुपये मिले थे। उस समय उनके पास किसी कंपनी का बैट स्पॉन्सर भी नहीं था, इसलिए उन्होंने अपनी पूरी कमाई क्रिकेट का सामान खरीदने में लगा दी थी।

सूर्यकुमार यादव ने अपनी पहली कमाई को याद करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि जब मैंने पहली बार मुंबई के लिए अंडर-15 क्रिकेट खेला था, तब मुझे 15,000 रुपये मिले थे। यह पूरे दौरे के लिए थे। मैंने शायद पूरी रकम खर्च कर दी थी। उस समय मेरे पास बैट का कोई स्पॉन्सर नहीं था, इसलिए मैं अपनी पूरी कमाई क्रिकेट का सामान खरीदने में खर्च करता था।' उनका यह बयान बताता है कि भारतीय क्रिकेट के मौजूदा स्टार ने अपने शुरुआती दिनों में किस तरह सीमित संसाधनों के बीच क्रिकेट का सफर तय किया।

वर्ल्ड कप जिताने के बाद टीम से बाहर

सूर्यकुमार ने 2026 में भारत की कप्तानी करते हुए टीम को टी20 वर्ल्ड कप का खिताब दिलाया था। यह भारत का तीसरा टी20 वर्ल्ड कप खिताब था और लगातार दूसरा खिताब भी था। इससे पहले भारत ने 2007 में एमएस धोनी और 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में यह ट्रॉफी जीती थी। हालांकि, वर्ल्ड कप जीतने के कुछ ही महीनों बाद सूर्यकुमार को भारतीय टी20 टीम से बाहर कर दिया गया। चयनकर्ताओं ने अगले दो साल के चक्र को ध्यान में रखते हुए टीम में बदलाव का फैसला किया और श्रेयस अय्यर को कप्तानी की जिम्मेदारी दी।

खराब फॉर्म बनी बड़ी वजह

सूर्यकुमार की बल्लेबाजी में लगातार निरंतरता की कमी भी चयनकर्ताओं के फैसले की एक वजह मानी गई। 2026 के आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। इसके बावजूद सूर्यकुमार का कहना है कि वह भारतीय टीम में वापसी के लिए अपनी तरफ से पूरी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने वापसी के सवाल पर कहा, 'देखिए, मैं पूरी मेहनत कर रहा हूं और वह सब कुछ कर रहा हूं जो मैं कर सकता हूं। अगर चीजें अच्छी होती हैं, तो सब कुछ अपने आप सही जगह पर आ जाएगा।'

ईशान भैया को नहीं पता था कि मैं विकेट टेकर हूं

नईदिल्ली, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी में ईशान किशन की कप्तानी वाली ईस्ट जोन ने नॉर्थ ईस्ट जोन को पारी और 210 रनों से हराकर सेमीफाइनल में एंट्री मार ली है. इस बड़ी जीत में टीम के उपकप्तान वैभव सूर्यवंशी का बल्ला भले ही खामोश रहा, लेकिन उन्होंने अपनी फिरकी से 2 अहम विकेट झटककर महफिल लूट ली. मैच के बाद इस युवा स्टार ने अपनी घातक गेंदबाजी के राज से पर्दा उठाया और बताया कि आखिर किस मास्टर प्लान के तहत उन्होंने विरोधी बल्लेबाजों को अपने जाल में फंसाया. वैभव सूर्यवंशी को फैन्स विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जानते हैं. ऐसे में इस युवा खिलाड़ी ने गेंद से कमाल का प्रदर्शन कर सभी को हैरान कर दिया.

दरअसल, नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ खेले गए मैच में जब ईस्ट जोन के गेंदबाजों को विकेट निकालने में संघर्ष करना पड़ रहा था, तब कप्तान ईशान किशन ने वैभव को गेंद थमाई. ईशान को लग रहा था कि यह एक रिस्क है, लेकिन बाएं हाथ के स्पिनर वैभव ने सिर्फ 3 ओवर में 11 रन देकर 2 अहम विकेट चटका दिए और अपने कप्तान को पूरी तरह से गलत साबित कर दिया. बीसीसीआई डोमेस्टिक द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में अपनी इस शानदार गेंदबाजी पर बात करते हुए वैभव ने मजेदार खुलासा किया. उन्होंने कहा कि अगर आप किसी भी बल्लेबाज से पूछें तो उसे गेंदबाजी करने में मजा आता है. विरोधी टीम के विकेट नहीं गिर रहे थे, इसलिए मुझे 2-3 ओवर फेंकने को कहा गया.

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 3993

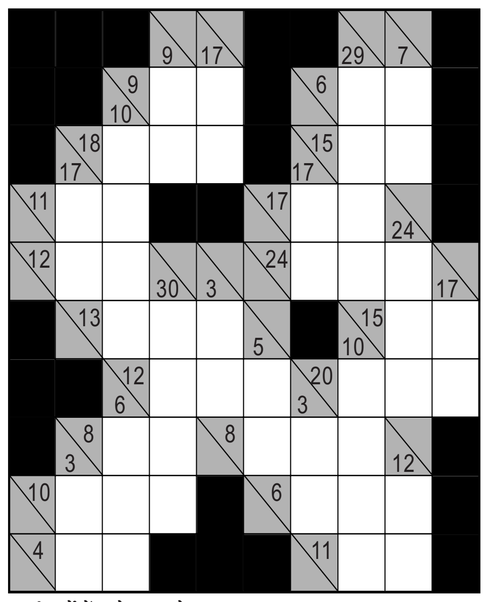

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

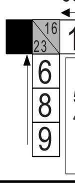

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 3992 का हल

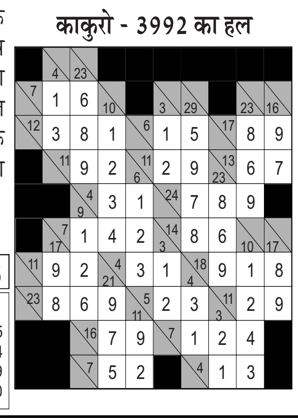

हंसी के फूव्वारें

एक साहब अपने दोस्त से कहने लगे- ''मेरी घरवाली बहुत झुठी है. वह कल दो घण्टे घर से गायब रही और वापसी पर मुझे बताया कि वह अपनी सहेली गीता के साथ फिल्म देखने गई थी !''

''मगर तुम्हें इस बात का पता कैसे चला कि वह झूठ बोल रही है.''

''उस समय मैं गीता के साथ फिल्म देख रहा था.'' साहब ने जवाब दिया.

इस पर दोस्त खामोश हो गया.

एक महिला एक निमन्त्रण में गई.

वहां उसने हर व्यक्ति को अपनी उम्र अलग-अलग बताई. किसी को बीस, किसी को पच्चीस तो किसी को तीस. यह देख उसकी एकमात्र बेटी उसे खींचकर कोने में ले गई और बोली-''मम्मी ! तुम किसी को कुछ भी आयु बताओ ! मगर इतना ध्यान अवश्य रखना कि मेरी और तुम्हारी उम्र में कम-से-कम नौ महीने का अन्तर रहे.''

एक आदमी ने जज से अपनी घरवाली को तलाक देने का कारण बताते हुए कहा- ''मेरी घरवाली ने शादी के बाद से अब तक केवल एक बेटी को जन्म दिया है. मगर मेरी प्रबल इच्छा है कि मैं एक बेटे का बाप बनूं.''

इस पर पत्नी तमककर बोली-''जज साहब ! अगर मैं इनके भरोसे रहती तो यह बेटी भी नहीं होती !''

फिल्म वर्ग पहेली- 3993

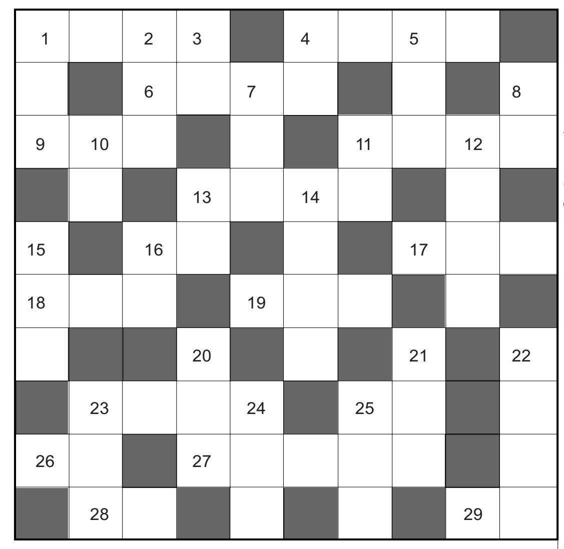

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, अपूर्व अग्निहोत्री, महिमा की 'किसी रोज तुम से' गीत वाली फिल्म-४
४. 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीनत अमान की फिल्म-४
६. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मुझे दुनियावलों शरबी' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
११. अजय, सैफ, विवेक, करीना, बिपाशा की 'बीड़ी जलई' गीतवाली फिल्म-४
१३. 'आ ये हसीना रात' गीत वाली जीतेंद्र, आदित्य, एकता की फिल्म-४
१६. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आँखों से दिल में' गीत वाली फराज खान, सुमन रंगनाथन की फिल्म-३
१८. दिलीपकुमार, सायरा की 'सारे शहर में आपसा कोई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रात दुल्हन बनी चाँद दूल्हा बना' गीत वाली जीतेंद्र, बिस्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, संजीव, शर्मिला की 'जिंदगी है क्या बोलो' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'दिल गम से' गीत वाली विजय, सुरैया की फिल्म जो सुरैया की अंतिम फिल्म थी-२
२६. संजयदत्त, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम दीवानों को' गीत वाली फिल्म-२
२७. आमिर, ममता कुलकर्णी की 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-२,३
२८. सनी, सुनील शेट्टी, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
२९. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, शाहरूख, सुनील, रानी, जूही की फिल्म-३
२. 'दुनिया में ऐसा कहाँ सबका नसीब' गीत वाली फिल्म-३
३. नसीरूद्दीनशाह, पूजा भट्ट की फिल्म-२
४. 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-२
५. इंद्रकुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-३
७. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
१०. 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
११. अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
१२. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली फिल्म-४
१३. मोहित अहलावत, निशा की फिल्म-२
१४. 'ये वादा करो चाँद' गीत वाली फिल्म-४
१५. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की फिल्म-३
१६. 'हम दर्द के मारों का इतना ही' गीत वाली फिल्म-२
२०. धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा की फिल्म-३
२१. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-३
२२. आफताब शिवदासानी, अमीषा पटेल, एशा देओल की फिल्म-४
२३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली फिल्म-३
२४. जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२५. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली अमिताभ, जया प्रदा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3992

सूडोकु -3993

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3992 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्द पहेली - 3993

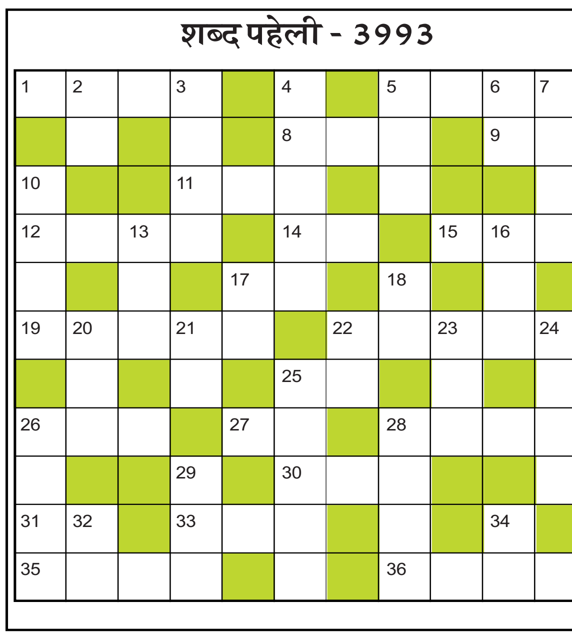

बाएँ से दाएँ

1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे

2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली -3992 का हल

बिना बीमार पड़े कैसे लें बारिश का मजा?

बारिश नहीं लाएगी बीमारी

बारिश में भीगना अच्छा लगता है, मगर कई बार बारिश का पानी आपको बीमार भी बना देता है। आमतौर पर बरसात के मौसम में बैक्टीरियल और वायरल बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। पानी में भीगने पर अगर आप छोटी-छोटी गलतियां करें, तो बुखार, जुकाम और शरीर दर्द जैसी सामान्य समस्याओं का खतरा ज्यादा होता है। इस बारिश में अगर आप खुलकर बारिश का मजा लेना चाहते हैं, तो ये 8 मानसून हेल्थ टिप्स ध्यान में रखें।

पहली बरसात से बचें

हम अकसर पहली बारिश का लुत्फ उठाना चाहते हैं, लेकिन चिकित्सकों की मानें तो पहली बरसात स्वास्थ्य के लिहाज से सही नहीं होती। इससे न सिर्फ स्वास्थ्य खराब होने का खतरा बढ़ सकता है, बल्कि त्वचा संबंधी बीमारियां भी हो सकती हैं। रैशेज, मुंहासे जैसी समस्याओं का अक्सर पहली बरसात में भीगने से सामना करना पड़ता है। इसके पीछे एक वजह यह है कि बरसता की पहली फुहार प्रदूषित होती है, जिसका सीधा सीधा असर हमारी त्वचा पर पड़ता है।

ज्यादा देर तक भीगे कपड़े न पहनें

अब चूंकि आप बरसात में भीगने का आनंद उठा ही चुके हैं तो सावधानी के तौर पर जितना जल्दी हो सके भीगे कपड़े निकाल दें। कहने का मतलब यह है कि ज्यादा देर तक भीगे कपड़ों में न रहें। हम जितना अधिक भीगने से बीमार पड़ते हैं, उससे कही ज्यादा भीगे कपड़े में रहने के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से रूबरू होना पड़ता है। अतः ज्यादा देर तक भीगे कपड़ों में न रहें।

पैरों को अच्छी तरह धोएं

बरसात में सबसे ज्यादा हमारे पैरों की अंगुलियां प्रभावित होती हैं। यह बड़ी अटपटी बात है कि हम अक्सर नहाते हुए पूरे शरीर को साफ करते हैं; लेकिन पैरों की अनदेखी कर देते हैं। यह सही नहीं है। बेहतर यही है कि पैरों को अच्छी तरह धोएं। दरअसल बरसात में भीगने के कारण पैरों की अंगुलियां ठिठुर जाती हैं। यहां तक कि भीगने की वजह से सफेद तक पड़ जाती है। अगर सही से इनकी सफाई न की गई और सूखे कपड़े से इन्हें न पोछा गया तो इसमें फंगस जैसी बीमारी लगने की आशंका बढ़ सकती है।

भीगने के बाद गुनगुने पानी से नहाएं

निःसंदेह भीगते हुए मजा बहुत ज्यादा आता है, लेकिन भीगने के तुरंत बाद ठंड भी लगती है। इसलिए भीगने के बाद ठंडे पानी से नहाना समझदारी नहीं है। इससे आपके शरीर में ठंड बैठ सकती है, जिससे कि आपको बुखार, जुकाम, सिरदर्द, बदनदर्द जैसी बीमारियां हो सकती हैं। अतः बरसात की फुहार में भीगने के बाद गुनगुने पानी से नहाने का मजा उठाएं।

एंटीसेप्टिक साबुन का इस्तेमाल करें

शायद आपको ज्ञात हो कि बरसात के पानी में असंख्य किटाणु होते हैं। किटाणुओं से बचने के लिए यह जरूरी है कि आप एंटीसेप्टिक साबुन का उपयोग करें। अगर आप घर में एंटीसेप्टिक साबुन नहीं रखते तो नहाने के पानी में डेटोल का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इससे आप किटाणुओं के संपर्क में आने से बच सकते हैं।

ड्रायर का उपयोग करें

यह बात खासकर महिलाओं पर लागू होती है। दरअसल उनके बाल लंबे होते हैं। बरसात में भीगने के बाद शरीर ठंड के कारण कंपकपाहट से भर जाता है। इसके बाद यदि जल्द से जल्द बाल न सुखाए गए तो शरीर में ठंड बैठ सकती है। छाती में दर्द या सिरदर्द भी हो सकता है। इसलिए बालों को जल्द से जल्द सुखाने का प्रबंध करें।

मॉइश्चराइजर इस्तेमाल करें

त्वचा संबंधी समस्याओं से बचने के लिए मोएस्चराइजर का इस्तेमाल लाभकारी सिद्ध होता है। जैसा कि पहले ही जिक्र किया जा चुका है कि बरसात के पानी में असंख्य किटाणु होते हैं। नहाने के बाद यदि मोएस्चराइजर का इस्तेमाल न किया जाए तो हो सकता है कि त्वचा रूखी हो जाए। इसके अलावा कुछ त्वचा संबंधी बीमारियां भी दस्तक दे सकती हैं। इनसे बचने के लिए मोएस्चराइजर बेहतर विकल्प है।

मसाला चाय का सेवन करें

बरसात में भीगने के बाद चाय की ललक भला किसे नहीं लगती? सबको लगती है, लेकिन साधारण चाय बरसात के दिनों में फायदा नहीं पहुंचाती। भीगने के तुरंत बाद आपको चाहिए कि मसाला चाय पिएं। इससे सर्दी, जुकाम आने से पहले ही रफूचक्कर हो जाते हैं।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर — खबरों की स्वतंत्रता — राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W — Rs. 750/- (Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR — Rs. 750/- + 50% Extra (Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY — Rs. 75/- (Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words — Rs. 15/- (Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area Delhi NCR & Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

‘गांधारी’ में मेरे किरदार को लेखिका कनिका ढिल्लों ने बहुत बारीकी से लिखा है

तापसी पन्नू की आने वाली फिल्म ‘गांधारी’ रिलीज से पहले ही लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस फिल्म में तापसी एक ऐसी मां का किरदार निभा रही हैं, जिसकी बेटी किडनैप हो जाती है। बेटी को वापस लाने के लिए वह हर खतरे का सामना करने को तैयार है। ट्रेलर लॉन्च के दौरान तापसी ने किरदार की तैयारी, आंखों की रोशनी चले जाने के बाद निभाए गए सीन और एक्शन के बारे में खुलकर बात की। इसी दौरान उन्होंने कंगना रनौत के साथ चल रहे विवाद पर भी नाराजगी जाहिर की।

तापसी ने कहा, ‘फिल्म में मेरे किरदार को लेखिका कनिका ढिल्लों ने बहुत बारीकी से लिखा है। किरदार को समझने के लिए मुझे बहुत ज्यादा चीजें खुद से बनाने की जरूरत नहीं पड़ी, क्योंकि पूरी भावनाएं पहले से कहानी में साफ थीं। मुझे बस उस किरदार को सही तरीके से पर्दे पर दिखाना था। कहानी के बीच में मेरा किरदार अपनी आंखों की रोशनी खो देता है। ऐसे में किरदार के चलने के तरीके या दूसरे कामों के करने के तरीकों को समझने के लिए मैंने एक खास ट्रेनिंग ली कि बिना देखे किस तरह चलना है, शरीर की हरकत कैसी होनी चाहिए और किसी चीज को महसूस करते समय किस तरह प्रतिक्रिया देनी है। यह अनुभव मेरे लिए इसलिए भी अलग था, क्योंकि मुझे बोलने के बजाय अपने शरीर की हर छोटी हरकत से यह दिखाना था कि मेरा किरदार देख नहीं सकता। ‘

एक्शन को लेकर तापसी ने कहा, ‘ ’मैं इससे पहले भी एक्शन फिल्मों में काम कर चुकी हैं, इसलिए मुझे इसकी तैयारी का अंदाजा है। एक्शन करते समय कलाकार को खुद को इस तरह तैयार रखना पड़ता है कि चोट लगने का खतरा कम हो। इसके लिए शरीर और दिमाग दोनों को तैयार रखना जरूरी होता है। लेकिन, ‘गांधारी’ का एक्शन मेरे पुराने काम से अलग है, क्योंकि इसमें एक मां की भावनाएं भी जुड़ी हुई हैं।’’ उन्होंने कहा, ‘ ’मेरे किरदार का एक्शन किसी बदले की भावना से जुड़ा नहीं है। वह अपनी बेटी को बचाने के लिए लड़ रही है। इसलिए जब वह किसी से भिड़ती है तो उसके पीछे गुस्से से ज्यादा अपनी बच्ची को वापस पाने की बेचैनी है। अगर मेरे किरदार की बेटी तक पहुंचने के रास्ते में कोई भी आएगा, तो वह उसे नहीं छोड़ेगी।’’

फिल्म के ट्रेलर की बात करें तो इसकी शुरुआत तापसी और उनकी बेटी मिष्टी के साथ होती है। दोनों के बीच मां-बेटी का बेहद प्यारा रिश्ता दिखाई देता है। एक सीन में तापसी आंखों पर पट्टी बांधकर बच्ची के साथ छुपन-छुपाई खेलती नजर आती हैं। इसके बाद कहानी अचानक बदल जाती है। ट्रेन से सफर के दौरान मिष्टी गायब हो जाती है और यहीं से एक मां की बच्ची को लेकर तलाश शुरू होती है। बेटी को काफी खोजने के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिलता, तो तापसी का किरदार खुद उसे ढूंढने निकलता है। कहानी में आगे दिखाया जाता है कि सिर्फ मिष्टी ही नहीं, बल्कि आसपास के इलाके से कई बच्चियां गायब हुई हैं। इसके बाद मामला और गंभीर हो जाता है। तापसी को छाया कदम का किरदार ट्रेनिंग देता है, और वह आंखों पर पट्टी बांधकर अपनी बेटी की तलाश के लिए निकल पड़ती है।

ट्रेलर में महाभारत का संदर्भ भी

ट्रेलर में महाभारत की गांधारी का भी संदर्भ दिया गया है। इसमें कहा जाता है कि जिस तरह गांधारी ने अपने पति के लिए आंखों पर पट्टी बांधी थी, उसी तरह एक मां अपनी बेटी के लिए आंखों पर पट्टी बांधेगी। आगे जॉयपुरा की रहस्यमयी दुनिया दिखाई देती है, जहां बहरूपियों और गायब होती बच्चियों से जुड़ा एक डरावना सच सामने आता है। ट्रेलर लॉन्च के दौरान जब कंगना रनौत के साथ चल रहे विवाद को लेकर सवाल पूछा गया, तो इस पर तापसी ने अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा, ‘ ’मीडिया यह सवाल पूछना कब बंद करेगा? अगर सच में आप चाहते हैं कि हमारे बीच कोई विवाद न रहे तो ऐसे सवाल पूछना ही बंद कर देना चाहिए। शायद मीडिया को इस तरह के सवालों में काफी मजा आता है, तभी बार-बार यही बात पूछी जाती है।’’

कबीर खान की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म के साथ निर्माता बने कार्तिक आर्यन

कार्तिक आर्यन ने अभिनय से आगे बढ़ते हुए अपने प्रोडक्शन बैनर डोपामिन स्टूडियोज़ की शुरुआत की है। यह बैनर अब मशहूर फिल्म निर्देशक कबीर खान के साथ उनकी आगामी फिल्म से आधिकारिक रूप से जुड़ गया है। यह अभी तक बिना शीर्षक वाली फिल्म कार्तिक और कबीर खान की 2024 की बायोग्राफिकल स्पोर्ट्स ड्रामा ‘चंदू चैंपियन’ के बाद दूसरी साझेदारी है।

गौरतलब है कि ‘चंदू चैंपियन’ भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर के जीवन पर आधारित थी, जिसके लिए कार्तिक को हाल ही में भारत के 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का सम्मान मिला है। असाधारण सच्ची घटना से प्रेरित इस फिल्म में कार्तिक एक किकबॉक्सिंग कोच की भूमिका निभा रहे हैं, जो कश्मीर की एक युवा लड़की के सफर को दिशा देने में मदद करता है।

माना जा रहा है कि इस फिल्म की कहानी युवा कश्मीरी एथलीट तजामुल इस्लाम के जीवन से प्रेरित है, जिन्होंने किकबॉक्सिंग चैंपियन के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। कहानी सुनने के बाद से ही कार्तिक इससे इस कदर गहराई से जुड़ गए कि इसकी भावनात्मकता, संघर्ष, दृढ़ता और जज्बे से प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाए। इसी जुड़ाव के चलते उन्होंने फिल्म में अभिनय करने के साथ ही डोपामिन स्टूडियोज़ के माध्यम से निर्माता के रूप में भी जुड़ने का फैसला कर लिया। स संदर्भ में फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया, ‘कहानी सुनते ही कार्तिक इससे बहुत गहरे स्तर पर जुड़ गए थे।

कार्तिक के करियर में नए अध्याय की शुरुआत

डोपामिन स्टूडियोज़ की शुरुआत कार्तिक आर्यन के करियर में एक नए अध्याय की शुरुआत है, जहां वह अभिनय के साथ-साथ फिल्म निर्माण में भी अपनी रचनात्मक भागीदारी बढ़ा रहे हैं। कबीर खान के साथ उनकी यह दूसरी फिल्म भी संघर्ष, महत्वाकांक्षा, दृढ़ संकल्प और मानवीय जज्बे की जीत जैसी भावनाओं पर केंद्रित है। दिलचस्प बात यह है कि इस भूमिका के लिए कार्तिक ने किस बॉक्सिंग की ट्रेनिंग भी ली है। फिल्म की शूटिंग फिलहाल जारी है और इसके कुछ हिस्सों की शूटिंग मुंबई और कश्मीर में की जा रही है। इसके अलावा फिल्म का शीर्षक, बाकी कलाकारों और रिलीज़ डेट से जुड़ी अन्य जानकारियां आने वाले समय में आधिकारिक रूप से सामने आने की उम्मीद है।

क्या रणबीर की ब्रह्मास्त्र 2 में नजर आएंगी दीपिका पादुकोण?

फिल्म ‘ब्रह्मास्त्र’ साल 2022 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट लीड रोल में नजर आए। अब कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा कहा गया था कि दूसरे पार्ट में दीपिका पादुकोण नजर आएंगी। वे अमृता की भूमिका अदा करेंगी। मगर, अभिनेत्री के प्रवक्ता ने ऐसी खबरों को खारिज कर दिया है।

दीपिका पादुकोण ‘ब्रह्मास्त्र 2’ में नजर नहीं आएंगी। उनके प्रवक्ता ने यह बात कही है। इस स्पष्टीकरण से उन वायरल खबरों का खंडन होता है जिनमें दावा किया गया था कि एक्ट्रेस इस सीक्वल में अहम भूमिका निभाएंगी रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका पादुकोण ‘ब्रह्मास्त्र 2’ से नहीं जुड़ी हैं। दीपिका पादुकोण के प्रवक्ता ने साफ किया कि वे खबरें पूरी तरह बेबुनियाद हैं, जिनमें कहा गया था कि दीपिका ‘ब्रह्मास्त्र 2’ में दिखाई देंगी।

दीपिका की भूमिका को लेकर क्या कहा गया था?

दीपिका पादुकोण के प्रवक्ता ने कहा, ‘हाल ही में आई वे सभी खबरें गलत हैं, जिनमें कहा गया है कि दीपिका पादुकोण ‘ब्रह्मास्त्र 2’ का हिस्सा हैं या किसी भी तरह से इस प्रोजेक्ट से जुड़ी हैं। हालांकि, दीपिका के इसमें शामिल होने की अटकलें यूं ही नहीं लगी थीं। साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म ‘ब्रह्मास्त्र-पार्ट वन शिवा’ में एक्ट्रेस की एक बहुत छोटी सी झलक दिखी। इसमें उन्हें ‘अमृता’ के तौर पर दिखाया गया था। अमृता एक शक्तिशाली अस्त्र चलाने वाली और ‘अस्त्रावर्स’ की पौराणिक कथाओं में एक अहम किरदार थीं। हालांकि उनका चेहरा बस कुछ ही पल के लिए दिखाया गया, लेकिन यह सीन बहुत अहम था। इसमें दीपिका का किरदार ‘अमृता’ एक बच्चे को लिए हुए ‘देव’ से भागती हुई दिखाई देती है। देव एक रहस्यमयी किरदार है, जिसके बारे में फिल्म के आखिर में पता चलता है। इस सीन ने उस कहानी की नींव असरदार ढंग से रखी, जिसे ‘ब्रह्मास्त्र 2’ में दिखाए जाने की उम्मीद थी।

दीपिका का वर्क फ्रंट

दीपिका पादुकोण के वर्क फ्रंट की बात करें तो इन दिनों वे अल्लू अर्जुन की ‘राका’ को लेकर व्यस्त हैं। इसमें वे अहम भूमिका अदा करेंगी। इसके अलावा वे शाहरुख खान की ‘किंग’ में भी नजर आएंगी। दीपिका पादुकोण की निजी जिंदगी की बात करें तो वे प्रेग्नेंट हैं। रणवीर सिंह के साथ अगले महीने वे दूसरे बच्चे का स्वागत करेंगी।

तनुश्री दत्ता ने बॉलीवुड में उम्र और वरिष्ठता को लेकर राय रखी

’आशिक बनाया आपने’ और ‘ढोल’ जैसी फिल्मों में दिख चुकीं अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने बॉलीवुड में उम्र और वरिष्ठता को लेकर एक बार फिर बेबाक राय रखी है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति को सिर्फ इसलिए सम्मान नहीं दिया जाना चाहिए, क्योंकि वह उम्र में बड़ा है या फिल्म इंडस्ट्री में लंबे समय से काम कर रहा है। अपने अनुभवों को याद करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि उन्होंने जिंदगी और करियर से यह सीख ली है कि किसी इंसान की पहचान उसकी उम्र से नहीं, बल्कि उसके चरित्र से होनी चाहिए। सोमवार को तनुश्री दत्ता ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने बॉलीवुड में अपने सफर और इस दौरान मिली सीख के बारे में बात की। उन्होंने लिखा, ‘ ’मुझे भी यही लगा था कि उम्रदराज एक्टर है, कोई काम नहीं दे रहा, मदद कर देती हूं। लेकिन नहीं, बॉलीवुड में ‘वेटरन’ का मतलब है शातिर-दिमाग, मंझा हुआ खिलाड़ी, जो घाट-घाट का पानी पीकर सारी चालबाजी सीख चुका है, जिसको सारी मीडिया और पब्लिक मैनिपुलेशन आती है।’’ तनुश्री ने लिखा, ‘ ’वे अपनी वरिष्ठता और अनुभव की छवि के पीछे अपनी असलियत छिपा सकते हैं। ऐसे लोगों को मीडिया और जनता की धारणा को अपने पक्ष में करने का तरीका पता होता है।’’ तनुश्री ने चेतावनी देते हुए लिखा, ‘ ’ऐसे इंसान पर सिर्फ उनकी उम्र की वजह से भरोसा न करें। इनमें से कुछ बहुत ही बुरे और नकारात्मक लोग, जिनके युवाओं के प्रति बहुत ही बुरे और घटिया इरादे हैं, वेटरन की कैटेगरी में हैं। वे युवा और विशेषाधिकार प्राप्त लोगों से नफरत करते हैं और उन्हें बर्बाद करने के लिए कुछ भी करेंगे।

अर्जुन रेड्डी के 9 साल

शालिनी पांडे ने डेब्यू को किया याद

मुंबई ‘अर्जुन रेड्डी’ को रिलीज़ हुए नौ साल पूरे हो गए हैं, लेकिन यह कल्ट तेलुगु फिल्म आज भी भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित फिल्मों में गिनी जाती है। गौरतलब है कि इस फिल्म के साथ ही फिल्म की नायिका शालिनी पांडे के फिल्मी सफर के भी नौ साल पूरे हो गए हैं, क्योंकि इसी फिल्म के जरिए उन्होंने प्रीति के किरदार में अपना अभिनय करियर शुरू किया था। इस अवसर पर शालिनी ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा कर फिल्म और अपने डेब्यू को याद किया है। शालिनी ने ‘अर्जुन रेड्डी’ से अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा है, ‘यहीं से शुरुआत हुई थी। सब कुछ यहीं से शुरू हुआ था।’ इसी के साथ फिल्म और उनके किरदार को मिले अपार प्यार के लिए आभार जताते हुए उन्होंने आगे लिखा है, ‘हमें इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद, और प्रीति को हमेशा के लिए अपने दिलों का हिस्सा बनाने के लिए भी धन्यवाद। ‘

रातां कालियां के साथ शाज़ान ने बतौर सिंगर म्यूज़िक की दुनिया में रखा कदम

मुंबई एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने के बाद अब शाज़ान पदमसी ने म्यूजिक की दुनिया में भी अपना खूबसूरत कदम रख दिया है। उनका पहला ओरिजिनल सॉन्ग और डेब्यू सिंगल रातां कालियां अब रिलीज़ हो चुका है। स्क्रीन पर अपनी अलग पहचान बनाने वाली शाज़ान पदमसी अब अपनी आर्टिस्टिक जर्नी का एक नया रंग दर्शकों के सामने लेकर आई हैं।

रातां कालियां के साथ शाज़ान ने बतौर सिंगर अपनी शुरुआत की है और इस गाने के जरिए अपनी क्रिएटिविटी का एक बेहद पर्सनल और दिल के करीब वाला पहलू दुनिया के सामने रखा है। माइक्रोफोन के पीछे कदम रखते हुए शाज़ान के लिए यह एक एक्साइटिंग नए चैप्टर की शुरुआत है। शाज़ान के लिए रातां कालियां सिर्फ एक डेब्यू सिंगल नहीं है, बल्कि प्यार को समझने और महसूस करने की एक इमोशनल जर्नी है। गाना उस सफर को बयां करता है, जहां प्यार में भरोसा और सहारे की तलाश से शुरू होकर इंसान धीरे धीरे प्यार के असली और गहरे मायने समझता है। गाने की खूबसूरती इसी बात में है कि प्यार किसी खालीपन को भरने का नाम नहीं, बल्कि उस खास कनेक्शन का नाम है जहां आप खुद को पूरी तरह आज़ाद, सुरक्षित और असली रूप में महसूस कर सकें। अपने म्यूज़िकल डेब्यू पर बात करते हुए शाज़ान पदमसी कहती हैं, म्यूज़िक हमेशा से मेरे लिए एक्सप्रेशन का एक बेहद पर्सनल जरिया रहा है, इसलिए रातां कालियां बनाना मेरे लिए बहुत खास है। यह गाना एक बेहद ईमानदार जगह से आया है और यह दिखाता है कि समय के साथ प्यार को लेकर मेरी समझ कैसे बदली है। अब तक मैं ज्यादातर किसी और की कहानियों का हिस्सा रही हूं। लेकिन रातां कालियां अलग है, क्योंकि यह मेरी अपनी कहानी है, जो सीधे दिल से निकली है। पहली बार मैं सिर्फ एक आवाज या परफॉर्मर नहीं हूं, बल्कि अपनी जर्नी की स्क्रिप्ट खुद लिख रही हूं। अपनी जिंदगी, एक्सपीरियंस और दिल की सच्ची बातों को मैंने म्यूज़िक में पिरोया है। रातां कालियां के साथ शाज़ान पदमसी ने अपने क्रिएटिव सफर का एक नया दरवाज़ा खोला है, जहां उनकी आर्टिस्टिक सेंसिबिलिटी और म्यूज़िक के लिए प्यार एक बेहद इंटिमेट, ईमानदार और पर्सनल अंदाज में साथ आते हैं।

संक्षिप्त समाचार

चीन के सिचुआन प्रांत में लगे भूकंप के झटके

बीजिंग, एजेंसी। भूकंप के झटके बाद नेपाल में फ्लड फ्लैश से मची तबाही के बीच चीन में भूकंप के तेज झटके महसूस हुए हैं। चीन के सिचुआन प्रांत स्थित लोंगचांग शहर शुक्रवार को 5.1 तीव्रता का जोरदार भूकंप महसूस किया गया है। भूकंप के तेज झटकों से लोगों में दहशत फैल गई। चाइना अर्थक्वेक नेटवर्क्स सेंटर ने भूकंप की पुष्टि करते हुए बताया कि लॉन्गचांग शहर में 5.1 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र लॉन्गचांग शहर बताया जा रहा है। भूकंप के झटके दर्ज किए जाने के बाद स्थानीय प्रशासन अलर्ट मोड पर है और प्रभावित इलाकों में स्थिति पर नजर रखी जा रही है। बता दें कि चीन में भूकंप की खबर ऐसे समय में आई है, जब पड़ोसी देश नेपाल पहले से ही बाढ़ और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहा है। ज्ञात हो कि चीन के सिचुआन प्रांत में पहले भी कई बार भूकंप आ चुके हैं, इसलिए यहां लोग भूकंप को लेकर हमेशा सतर्क रहते हैं। शुक्रवार को लगे भूकंप के झटके से फिलहाल किसी तरह के नुकसान या जनहानि को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

पहली विदेश यात्रा पर भारत आएंगे पीएम बालेन शाह, नेपाली वित्त मंत्री का बड़ा एलान

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के वित्त मंत्री स्वर्णिम वागले ने गुरुवार को बताया कि पदभार संभालने के बाद नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह अपनी पहली विदेश यात्रा भारत की करेंगे। हालांकि, वागले ने अभी तारीख नहीं बताई, लेकिन वाग्ले ने संकेत दिया है कि अगर सब कुछ तय कार्यक्रम के मुताबिक रहा तो शाह इस साल के अंत से पहले भारत आ सकते हैं। इस दौरान दौरान स्वर्णिम वागले ने नेपाल की अर्थव्यवस्था को 100 अरब डॉलर तक ले जाने के लक्ष्य, भारतीय और नेपाली रुपये की विनिमय दर, हालिया बाढ़ राहत कार्यों और प्रधानमंत्री बालेन शाह की कार्यशैली पर भी विस्तार से चर्चा की। वागले ने कहा, पदभार ग्रहण करने के बाद बालेन का पूरा ध्यान घरेलू मुद्दों पर ही केंद्रित था। हमारे शुरुआती 100 दिन 100 सूत्री एजेंडे पर केंद्रित रहे, जिसमें हमने खुद को 87.2 प्रतिशत अंक दिए हैं। उन्होंने आगे कहा, इसके बाद हमने प्रधानमंत्री की विदेश यात्राओं पर चर्चा शुरू की। मुझे पूरा विश्वास है कि उनकी पहली विदेश यात्रा भारत की ही होगी। हालांकि, तारीखों पर अभी फैसला होना बाकी है, लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह दौरा इसी साल के अंत से पहले होगा। कार्यक्रम में मौजूद भारत की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद रविशंकर प्रसाद ने इस घोषणा को बेहद महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, नेपाल और भारत के संबंधों की नींव इतनी मजबूत है कि इन्हें पासपोर्ट या सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता। अगर आज वागले ने यह स्पष्ट किया है कि प्रधानमंत्री बालेन शाह की पहली विदेश यात्रा भारत की होगी, तो यह दर्शाता है कि भविष्य में दोनों देशों के रिश्ते किस सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ेंगे। यह सचमुच एक महत्वपूर्ण संदेश है। गौरतलब नेपाल में इसी साल मार्च महीने में हुए आम चुनाव में बालेन शाह के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने भारी जीत हासिल की। जिसके बाद बालेन शाह ने 27 मार्च 2026 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली।

कनाडा को चिढ़ाने के चक्कर में फिर ट्रोल हुआ व्हाइट हाउस, उल्टा पड़ा बाज और हंस की फोटो का दांव

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और कनाडा के बीच चल रहे कूटनीतिक और व्यापारिक तनाव के बीच कनाडा को नीचा दिखाने के लिए एक बाज द्वारा कनाडाई हंस को दबोचने की फोटो पोस्ट की, जिसमें एक अमेरिकी बाज (गंजा बाज) कनाडाई हंस को दबोचे हुए दिख रहा है। व्हाइट हाउस ने इसे अमेरिकी ताकत का प्रतीक बनाकर शेयर किया, लेकिन यह कूटनीतिक दांव उल्टा पड़ गया। क्योंकि जिस वीडियो से यह तस्वीर ली गई थी, उसमें अंततः कनाडाई हंस ने ही पलटवार कर बाज को खदेड़ दिया था। दरअसल, व्हाइट हाउस द्वारा शेयर की गई तस्वीर का मकसद यह था कि अमेरिका एक शक्तिशाली बाज की तरह हावी है और कनाडा की बत्तख हार मान चुकी है। हालांकि, गोवा के एक प्रवासी द्वारा रिकॉर्ड किए गए मूल फुटेज ने इस कहानी का पूरा पासा ही पलट दिया। बर्फ पर करीब 20 मिनट तक चले इस हवाई संघर्ष में कनाडाई बत्तख ने ऐसा पलटवार किया कि अंततः अमेरिकी गंजे बाज को हार मानकर वहां से उड़ना पड़ा। यह अद्भुत दृश्य 23 फरवरी 2025 को ओंटारियो के बर्लिंगटन में मर्विन सेक्वेरा ने अपने कैमरे में कैद किया था। मूल रूप से गोवा के रहने वाले मर्विन कनाडा बसने के बाद एक उत्साही वन्यजीव फोटोग्राफर बन गए हैं। घटना की जानकारी देते हुए मर्विन सेक्वेरा ने ग्लोबल न्यूज को बताया कि उन्होंने बाज को हंस पर बार-बार हमला करते देखा था।

नेपाल की प्रलयंकारी बाढ़ में अपनों की तलाश, फोन की घंटी बजने के इंतजार में कटी परिजनों की रातें

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल-तिब्बत सीमा पर रसुवा जिले में संदिग्ध ग्लेशियर फटने से आई प्रलयंकारी बाढ़ ने एक पवित्र यात्रा को भीषण त्रासदी में बदल दिया है। भोटे कोशी और त्रिशूली नदी प्रणालियों में मलबे व पत्थरों के तेज बहाव से मची तबाही इतनी भयंकर थी कि भूकंपीय मॉनिटरों पर भी कुछ पल के लिए हलचल दर्ज की गई। इस भीषण प्राकृतिक आपदा ने न केवल स्थानीय लोगों को, बल्कि सात समंदर पार अमेरिका में बसे भारतीय-अमेरिकी परिवारों को भी असहनीय इंतजार और गहरे संकट में धकेल दिया है।

इस हिमालयी तबाही ने नेपाल में कितना नुकसान पहुंचाया है : नेपाल के राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) की छठी स्टेटस रिपोर्ट के अनुसार, भोटे कोशी बाढ़ के बाद अब तक 389 शव बरामद किए जा चुके हैं और 977 लोग अब भी लापता हैं। लापता लोगों में नेपाली सेना, पुलिस व आव्रजन विभाग के 105 सुरक्षाकर्मियों के साथ 517 विदेशी नागरिक और विदेशों में रहने वाले 127 नेपाली शामिल हैं। इस अचानक आई भीषण बाढ़ की आपदा में 73 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, और परिवहन से लेकर बिजली व संचार के बुनियादी ढांचे को भारी क्षति पहुंची है।

अपनों की तलाश में भटक रहे परिवारों पर क्या गुजर रही है : अमेरिका में रह रहे कई भारतीय-अमेरिकी परिवार इस समय गहरे मानसिक आघात और अपनों की खोज में पल-पल तड़प रहे हैं। न्यूयॉर्क के शशिधरन श्रीधरन की पत्नी रेखा और 14 वर्षीय बेटी राशि कैलाश मानसरोवर यात्रा पूरी कर बुधवार को नेपाल लौटने वाली थीं, लेकिन तभी यह आपदा आ गई। श्रीधरन ने इसे अपने जीवन के सबसे बुरे 48 घंटे बताया है। इसी तरह वर्जीनिया के ऋत्विक रंगू अपने पिता और डॉ. राधिका शर्मा अपने बुजुर्ग माता-पिता (65 वर्षीय रमेश शर्मा और 64 वर्षीय नीलम शर्मा) की सुरक्षित वापसी के लिए गुहार लगा रहे हैं। न्यूयॉर्क में नेपाल के महावाणिज्य दूत दधिराम भंडारी ने बताया कि उन्हें 25 से अधिक लापता अमेरिकी नागरिकों (जिनमें से अधिकांश भारतीय मूल के हैं) की सूची नेपाल के विदेश मंत्रालय को भेजी है। राहत और बचाव के लिए जमीनी स्तर पर क्या कदम उठाए जा रहे हैं? नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के अनुसार स्थिति बेहद चुनौतीपूर्ण है और पूरी सरकारी मशीनरी खोज और बचाव में जुटी है। खोज अभियान में 13,295 सुरक्षाकर्मियों और 15 हेलीकॉप्टरों को लगाया गया है। इनकी मदद से अब तक 1,976 लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। नेपाल सरकार ने प्रभावित क्षेत्रों के राहत कार्य के लिए तत्काल 2.5 करोड़ नेपाली रुपये (एनपीआर) भेजे हैं। इसके साथ ही, नेपाल के विदेश मंत्रालय ने प्रभावित विदेशियों की मदद और समन्वय के लिए एक आपातकालीन नियंत्रण कक्ष (ईसीआर) स्थापित किया है। लापता भारतीयों की तलाश और सामाजिक संगठनों की क्या भूमिका है? भारतीय विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के अनुसार, अब तक 84 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बचाया जा चुका है। इनमें त्रिशूली-ढ्ढ परियोजना में कार्यरत 63 भारतीय कर्मचारी और कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए तमिलनाडु के 21 तीर्थयात्री शामिल हैं। इस संकट में जयपुर फुट यूएसए जैसे संगठनों के नेता प्रेम भंडारी ने एक हेल्पलाइन नंबर जारी किया है जो चौबीसों घंटे काम कर रहा है। वहीं, अध्यात्मिक गुरु स्वामी अवधेशानंद गिरि ने न्यूयॉर्क में राहत कार्यों की समीक्षा की और नेपाल को सहायता की पेशकश के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संवेदनशीलता की सराहना की। यह त्रासदी दिखाती है कि प्रकृति के रौद्र रूप के सामने मानवीय तंत्र कितने लाचार हो जाते हैं। फिलहाल, भारत, अमेरिका और नेपाल की सरकारें प्रभावितों तक पहुंचने की हरसंभव कोशिश कर रही हैं। मलबे के बीच अपनों को सुरक्षित ढूंढने की यह जंग जारी है, और उनके परिवार इस उम्मीद में फोन थामे बैठे हैं कि जल्द ही कोई अच्छी खबर मिलेगी।

नेपाल की बाढ़ के बीच चीन के हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स पर उठे सवाल, वायरल वीडियो ने खोली पोल : काठमांडू, बीजिंग, एजेंसी। नेपाल में हाल ही में आई भीषण बाढ़ के बीच चीन द्वारा बनाए जा रहे हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। बाढ़ से ठीक कुछ दिन पहले सामने आए एक ब्लॉगर के वीडियो ने इन परियोजनाओं की पोल खोलकर रख दी है। दरअसल, नेपाल में आई भयानक बाढ़ आने से कुछ दिन पहले, एक ब्लॉगर ने नेपाल की तरफ़ बन रहे चीन के बड़े हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स का वीडियो बनाया था। व्लॉगर ने नेपाल की ओर निर्माणाधीन विशाल चीनी जलविद्युत परियोजनाओं का दस्तावेजीकरण किया था।

यूएन में भारत की दो-टूक: यूएन 80 पहल में विकास सर्वोच्च प्राथमिकता हो

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत हरीष परवथानेनी ने बुधवार को यूएनडीपी प्रशासक के साथ संवाद किया। उन्होंने यूएनडीपी/ यूएनएफपीए/ यूएनओपीएस कार्यकारी बोर्ड के दूसरे सत्र को संबोधित किया। परवथानेनी ने कहा कि भारत यूएन80 पहल में विकास स्तंभ को सर्वोच्च प्राथमिकता मानता है। भारत संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की संरचनाओं, कार्यबल और संचालन मॉडल को वर्तमान वास्तविकताओं के साथ संरेखित करने का समर्थन करता है। उन्होंने मौजूदा प्रणालियों में अनावश्यक बदलावों के प्रति आगाह किया। परवथानेनी ने कहा, हमें ऐसी चीज को ठीक करने की कोशिश नहीं करनी चाहिए जो खराब नहीं है। भारत ने राष्ट्रीय स्वामित्व और देश-नेतृत्व वाले विकास मार्गों के महत्व पर जोर दिया। भारत का तर्क है कि समाधान बाहर से थोपे नहीं जाने चाहिए।

राष्ट्रीय प्राथमिकताएं और बहुपक्षीय सहायता : भारत समग्र, समावेशी और टिकाऊ आर्थिक वृद्धि मॉडल का पक्षधर है। यह राष्ट्रीय स्वामित्व और देश-नेतृत्व वाले विकास मार्गों पर केंद्रित है। भारत मानता है कि समाधान बाहर से तय नहीं होने चाहिए। इसके बजाय, उन्हें सदस्य देशों द्वारा पेश किया जाना चाहिए और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं, क्षमताओं व परिस्थितियों से प्रेरित होना चाहिए। परवथानेनी ने जोर दिया कि साझेदार देशों की विकास प्राथमिकताओं का सम्मान हो। बहुपक्षीय सहायता उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप रहनी चाहिए।

यूएनडीपी के साथ भारत का सहयोग : भारतीय राजदूत ने यूएनडीपी के साथ भारत के सहयोग को रेखांकित किया। भारत इंडिया-संयुक्त राष्ट्र विकास साझेदारी कोष और भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका (इब्सा) कोष के माध्यम से संगठन के साथ काम कर रहा है। इन कोषों से भारत ने डिजिटल बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य और जलवायु लचीलेपन के लिए 150 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक दिए हैं। सबसे कम विकसित देशों (एलडीसी) और छोटे द्वीप विकासशील देशों (एसआईडीएस) पर विशेष ध्यान है। ये पहल दक्षिण-दक्षिण सहयोग को दर्शाती हैं। यह विकासशील देशों को ज्ञान साझा करने, क्षमताएं जोड़ने, संसाधन जुटाने और बेहतर शर्तों पर पूंजी पाने में मदद करता है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र विकास प्रणाली के वित्तपोषण पर चिंता व्यक्त की, खासकर मुख्य वित्तपोषण में गिरावट पर। पारवथानेनी ने यूएनडीपी के लिए भारत की लगातार मुख्य योगदानकर्ता की भूमिका दोहराई।

रूसी बमबारी से दहली यूक्रेन की अर्थव्यवस्था

कीव, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष अब एक नए विनाशकारी आर्थिक मोर्चे पर पहुंच गया है। गुरुवार सुबह राजधानी कीव समेत नौ यूक्रेनी शहरों पर रूस ने मिसाइलों और ड्रोन की भीषण बारिश कर दी। साढ़े चार साल से जारी इस युद्ध में यह हमला न सिर्फ सैन्य ठिकानों पर, बल्कि यूक्रेन के निजी व्यवसायों और समग्र अर्थव्यवस्था को पंगु बनाने के इरादे से किया गया था। इस हमले में आम नागरिकों की जान जाने के साथ-साथ यूक्रेन की बिजली प्रणालियों, अनाज निर्यात बंदरगाहों और बड़े व्यापारिक गोदामों को भारी क्षति पहुंची है। रूस अब यूक्रेन के आर्थिक तंत्र को सीधी चोट पहुंचाने की नीति पर काम कर रहा है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने इसे तेल रिफाइनरियों, लॉजिस्टिक्स हब और बंदरगाहों जैसे सैन्य-औद्योगिक ठिकानों पर कार्रवाई बताया। लेकिन असल चोट यूक्रेन के निजी व्यापार को लगी है। रूसी ड्रोन हमलों ने तीन बड़े वितरण केंद्रों को निशाना बनाकर खिलौनों की एक स्टोर चेन और एक चॉकलेट कंपनी के विशाल गोदामों को तबाह कर दिया, जबकि एक इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर का डिपो क्षतिग्रस्त हो गया। दरअसल, यूक्रेन के हालिया लंबी दूरी के ड्रोन हमलों से रूस को वित्तीय मुश्किलें हुई थीं, जिससे नाराज होकर रूस ने यूक्रेनी निजी उद्योगों पर यह हमला किया है। यूक्रेनी सेना ने भी रूस के आर्थिक हितों पर सीधे हवाई हमले तेज कर दिए हैं। यूक्रेन लगभग हर रात रूसी सीमा के भीतर सैकड़ों लंबी दूरी के ड्रोन दाग रहा है। हाल ही में रूस की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी वाइल्डबेरीज के गोदामों को तबाह करने के बाद यूक्रेनी ड्रोनों ने रूस की दूसरी सबसे बड़ी ऑनलाइन रिटेलर कंपनी ओजोन को अपना निशाना बनाया है। ओजोन के उफा स्थित लॉजिस्टिक्स केंद्र पर सीधा हमला किया गया, जबकि ऑरेनबर्ग सुविधा को सतर्कता चेतावनी के बाद खाली कराना पड़ा। उधर, रूसी हवाई सुरक्षा प्रणालियों ने विभिन्न क्षेत्रों में यूक्रेन के 267 ड्रोनों को मार गिराने का दावा किया है। इस बमबारी ने यूक्रेन के नागरिक और आर्थिक बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान पहुंचाया है। ओडेसा के बंदरगाह क्षेत्र में हुए सात घंटे लंबे हमले में एक विशाल अनाज गोदाम (ग्रेन एलीवेटर) क्षतिग्रस्त हो गया, जो यूक्रेन के अनाज निर्यात के लिए महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, भीषण ठंड से पहले बिजली ग्रिड को ठप करने की नीयत से दागे गए चार ग्लाइड बमों ने खेरसॉन के एक प्रमुख संयंत्र के जनरेटरों को नष्ट कर दिया, जिससे नाफ्तोगाज को प्लांट बंद करना पड़ा।

ट्रंप के डाक मतदान पर संकट: अमेरिकी कोर्ट ने आदेश पर फिर लगाई रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। एक संघीय न्यायाधीश ने गुरुवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक कार्यकारी आदेश को लागू करने की कोशिशों पर रोक लगा दी। इस आदेश में डाक मतदाता को सीमित किया गया था। इस कदम ने उस आदेश को दूसरी बार रोक दिया। यह सब तब हुआ जब मध्यावधि चुनावों के लिए पहला डाक बैलेट भेजे जाने में बस एक हफ्ता ही बचा था। अमेरिकी जिला अदालत की न्यायाधीश इंदिरा तलवानी ने सरकार को दो हफ्ते तक इस आदेश को लागू करने से रोक दिया।

सुप्रीम कोर्ट में क्यों अपील किया जा सकता है: इस मामले को जल्द ही सुप्रीम कोर्ट में अपील के लिए वापस भेजा जा सकता है, क्योंकि कुछ ही दिन पहले न्यायाधीशों ने एक प्रक्रियात्मक निर्णय सुनाते हुए तलवानी के उस पूर्व के फैसले को रद्द कर दिया था जिसने ट्रंप के आदेश को प्रभावी होने से रोक दिया था।

हाई कोर्ट ने पहले फैसला क्यों नही सुनाया : गुरुवार को आया यह फैसला डेमोक्रेट्स और मतदान अधिकार समूहों ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पालन करने के लिए अपने मुकदमों को फिर से दायर किया। उच्च न्यायालय के रूढ़िवादी बहुमत ने ट्रंप के कार्यकारी आदेश की वैधता पर फैसला नहीं सुनाया, बल्कि यह कहा कि इसके खिलाफ कानूनी चुनौतियां हैं। जिनके कारण तलवानी ने शुरू में इसे रोक दिया था। इसे बहुत जल्दबाजी में दायर की गई थीं। नए औपचारिक नियम में क्या है? अब प्रशासन ने एक औपचारिक नियम जारी किया है, जो यह तय करेगा कि क्या अमेरिका डाक सेवा राज्यों के मेल बैलेट पहुंचाएगी या नहीं। इससे कानूनी लड़ाई फिर से शुरू हो गई है। उतार-चढ़ाव भरी इस कानूनी लड़ाई का मध्यावधि चुनावों पर बड़ा असर पड़ेगा। लगभग एक-तिहाई अमेरिकी डाक से वोट करते हैं। वहीं, चुनाव अधिकारियों का कहना है कि डाक सेवा के नए निर्देशों के मुताबिक अपने सिस्टम में बदलाव करने के लिए उनके पास पर्याप्त समय नहीं है। डाक सेवा का कहना है कि वह डाक मतपत्रों तब तक डिलीवर नहीं करेगी, जब तक राज्य उन मतदाताओं की सूची नहीं देते, जिन्हें ये बैलेट मिलने चाहिए और लिफाफों को एक खास तरीके से तैयार नहीं करते। तलवानी ने गुरुवार को लिखा, मुकदमा करने वाले राज्यों के पास मिडटर्म चुनाव से पहले नए मेल बैलेट डिजाइन करने, नए डिजाइनों को मंजूरी दिलाने, मेल बैलेट के उत्पादन का ऑर्डर देने। अपने चुनाव प्रबंधन सिस्टम को अपडेट करने, यूएसपीएस पोर्टल का इस्तेमाल करने के लिए चुनाव अधिकारियों को ट्रेनिंग देने और पोर्टल पर नागरिकों का डेटा अपलोड करने के लिए न तो समय है और न ही फंड। इस मामले की सुनवाई 3 सितंबर को होनी है। डेमोक्रेट और मतदान अधिकार समूह का क्या कहना है? डेमोक्रेट और मतदान अधिकार समूह इस मांग को असंवैधानिक बताते हैं। उनका कहना है कि संविधान राज्यों और कुछ मामलों में कांग्रेस को चुनाव नियम बनाने का अधिकार देता है, न कि राष्ट्रपति या डाक सेवा को। इसी तर्क के आधार पर अदालतों ने ट्रंप के पहले कार्यकारी आदेश को रोक दिया था, जो पिछले साल जारी किया गया था और जिसमें चुनाव प्रक्रियाओं को बदलने की मांग की गई थी, जैसे कि पंजीकरण के लिए नागरिकता के दस्तावेजी प्रमाण की आवश्यकता। राष्ट्रपति लंबे समय से डाक मतदान को निशाना बनाते रहे हैं, जिसके लिए वे झूठा आरोप लगाते हैं कि उन्हें 2020 के चुनाव में हार का सामना करना पड़ा, ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूशन द्वारा 2025 में प्रकाशित एक रिपोर्ट में पाया गया कि डाक द्वारा डाले गए प्रत्येक 10 मिलियन मतपत्रों में से केवल लगभग चार मामलों में ही धोखाधड़ी हुई थी।

भारत-कनाडा बातचीत: द्विपक्षीय निवेश संधि पर वार्ता को हरी झंडी, 2030 तक 4.65 लाख करोड़ के कारोबार का लक्ष्य

टोरंटो, एजेंसी। भारत और कनाडा के बीच आर्थिक संबंधों में नया अध्याय जुड़ रहा है। नई दिल्ली में मार्च 2026 में दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की बैठक की प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाते हुए दोनों देशों के वित्त मंत्रियों के बीच पहली आर्थिक और वित्तीय वार्ता संपन्न हुई। बैठक के बाद भारत ने कनाडा के साथ जल्द से जल्द द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) पर बातचीत शुरू करने की इच्छा जताई है। यह रणनीतिक कदम निवेश संबंधों को मजबूत करेगा और वर्ष 2030 तक आपसी व्यापार को 70 अरब कनाडाई डॉलर यानी करीब 4.65 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करेगा। इस वार्ता का मुख्य ध्यान दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाना और निवेश को नई ऊंचाइयों पर ले जाना रहा। दोनों पक्षों ने वर्ष 2030 तक आपसी व्यापार को बढ़ाकर 70 अरब कनाडाई डॉलर (करीब 4.65 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंचाने के संकल्प को दोहराया है। यह महत्वपूर्ण कदम मार्च 2026 में नई दिल्ली में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई बैठक की प्रतिबद्धताओं पर आधारित है। दोनों पक्षों ने वर्ष 2026 के अंत तक कनाडा-भारत व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) वार्ता को पूरा करने की प्रतिबद्धता जताई है। वित्त मंत्रियों-निर्मला सीतारमण और फ्रांसिस-फिलिप शैम्पेन ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य और अपनी घरेलू नीतिगत प्राथमिकताओं पर चर्चा की। वार्ता में भारतीय बाजार में कनाडाई पेंशन फंडों की बड़ी मौजूदगी को रेखांकित किया गया और वित्तीय संस्थानों के बीच साझेदारी बढ़ाने पर बात हुई। दोनों पक्षों ने निवेशकों के लिए स्थिर और निश्चित घरेलू कर कानूनों की आवश्यकता को महत्वपूर्ण माना। संवाद में भुगतान प्रणालियों के आधुनिकीकरण, वित्तीय स्थिरता, फिनटेक इनोवेशन और वित्तीय अपराधों से निपटने पर सहयोग की रूपरेखा तैयार की गई। इसमें सबसे बड़ा कदम कनाडा में भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के विस्तार का स्वागत करना है। इसके लिए स्थानीय भुगतान सेवा प्रदाताओं के साथ साझेदारी की जाएगी, जिससे सीमा पार प्रेषण (रेमिटेंस) तेज और सस्ता होगा। इसका लाभ दोनों देशों के बीच पर्यटन, शिक्षा, व्यापार और छोटे व मध्यम स्तर के उद्यमों (एमएसएमई) को मिलेगा।

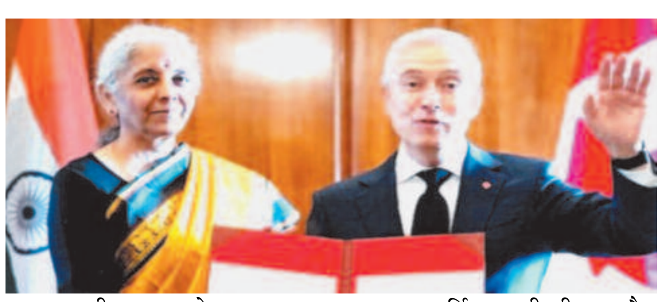

व्हाइट हाउस में निर्माण बना सुरक्षा में रोड़ा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हेलीकॉप्टर मरीन वन और एक यात्री विमान के बीच इस महीने हुई करीबी घटना में व्हाइट हाउस में चल रहे निर्माण कार्य की भूमिका सामने आई है। संघीय जांचकर्ताओं के मुताबिक, निर्माण के कारण मरीन वन के रेडियो संचार में दिक्कत आ गई थी। इसी वजह से एयर ट्रैफिक कंट्रोलर हेलीकॉप्टर के उड़ान भरने से तीन मिनट पहले दी जाने वाली जरूरी चेतावनी नहीं सुन पाए। इसके बाद उन्होंने एक यात्री विमान को उड़ान भरने की अनुमति दे दी। यह घटना 4 अगस्त को वॉशिंगटन के रोनाल्ड रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट के पास हुई थी। उस समय ट्रंप को लेकर मरीन वन उड़ान भरने वाला था और दूसरी तरफ एनवॉय एयर का एक यात्री विमान टेकऑफ के लिए तैयार था। दोनों विमान कुछ समय के लिए काफी करीब आ गए थे। मामले में ह्ृअस्क्रकी जांच अभी जारी है और मौजूदा रिपोर्ट को प्रारंभिक रिपोर्ट माना जा रहा है।

पहले से सामने आ चुकी थी रेडियो की समस्या : राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, घटना से करीब एक सप्ताह पहले एयर ट्रैफिक कंट्रोलर और मरीन वन के पायलटों के बीच बैठक हुई थी। इसमें पायलटों ने बताया था कि उड़ान से पहले दी जाने वाली सामान्य तीन मिनट की चेतावनी कंट्रोल टावर तक नहीं पहुंच रही थी। दोनों पक्षों ने तय किया था कि अगर रेडियो संपर्क में दोबारा समस्या आई तो किसी दूसरे व्यक्ति या स्थान के जरिए यह संदेश कंट्रोलरों तक पहुंचाया जाएगा। लेकिन 4 अगस्त को यह वैकल्पिक व्यवस्था भी काम नहीं कर सकी। मरीन वन के पायलटों ने तीन मिनट पहले उड़ान की सूचना देने की कोशिश की थी, लेकिन रीगन एयरपोर्ट के कंट्रोलरों ने वह संदेश नहीं सुना।

कंट्रोलर को नहीं मिली जानकारी, यात्री विमान को मिली उड़ान की अनुमति : मरीन वन के पायलट ने रेडियो पर बताया था कि हेलीकॉप्टर तीन मिनट में उड़ान भरेगा। लेकिन एयरपोर्ट के आधिकारिक कंट्रोल रिकॉर्डिंग में यह चेतावनी दर्ज नहीं हुई। इसके चलते कंट्रोलर को यह पता नहीं था कि राष्ट्रपति का हेलीकॉप्टर उड़ान भरने वाला है। इसलिए उन्होंने यात्री विमान को टेकऑफ की अनुमति दे दी। कुछ ही देर बाद कंट्रोलर को पता चला कि मरीन वन भी उड़ान भर रहा है। उन्होंने हेलीकॉप्टर के पायलट को यात्री विमान के बारे में चेतावनी दी। मरीन वन के पायलटों ने भी विमान को देख लिया और सुरक्षित दूरी बनने तक कुछ समय के लिए अपनी उड़ान रोक दी। शुरुआती अनुमान के मुताबिक, दोनों विमान अपने सबसे नजदीकी बिंदु पर करीब 0.8 मील (1.3 किलोमीटर) की क्षैतिज दूरी और लगभग 700 फीट (215 मीटर) की ऊंचाई के अंतर पर थे। यात्री विमान के चालक दल को उड़ान भरने के तुरंत बाद अपने विमान के टकराव-रोधी सिस्टम से चेतावनी मिली थी। हालांकि, चालक दल ने हेलीकॉप्टर को अपनी आंखों से नहीं देखा।

ट्रंप खुद अपने सबसे अच्छे प्रवक्ता: कैरोलिन लेविट की उत्तराधिकारी को सलाह, व्हाइट हाउस प्रवक्ता पद से विदा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की निवर्तमान व्हाइट हाउस प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने अपने आखिरी दिन अपने काम की व्यस्तता का जिक्र करते हुए कहा कि टेलीविजन पर दिखाई देने वाली प्रेस ब्रीफिंग उनके काम का केवल 10 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि 90 प्रतिशत काम पत्रकारों के फोन कॉल का जवाब देने में जाता है। लेविट ने कहा, लोग यह नहीं समझते कि इस नौकरी में ब्रीफिंग और टीवी पर मैंने जो किया, वह 10 प्रतिशत है। 90 प्रतिशत काम सुबह पांच बजे और रात 11 बजे तक आपके सभी फोन कॉल लेने का है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस हिस्से की कमी महसूस नहीं होगी, लेकिन पत्रकारों के साथ रोजाना काम करने की याद आएगी।

लेविट ने अपने उत्तराधिकारी को क्या दी सलाह : इस दौरान कैरोलिन लेविट ने अपने उत्तराधिकारी को सलाह देते हुए कहा कि इस पद पर सबसे महत्वपूर्ण बात यह समझना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद अपने सबसे अच्छे प्रवक्ता हैं। लेविट ने आगे कहा कि व्हाइट हाउस के संचार निदेशक स्टीवन चिउंग और वह अक्सर मजाक करते थे कि ट्रंप ही व्हाइट हाउस के असल कम्युनिकेशन डायरेक्टर और प्रेस सेक्रेटरी हैं। कैरोलिन लेविट ने 27 अगस्त को व्हाइट हाउस प्रेस सचिव के रूप में अपना आखिरी दिन पूरा किया। वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन में इस पद पर रहने वाली सबसे कम उम्र की प्रेस सचिव थीं। उन्होंने परिवार और अपने छोटे बच्चों के साथ अधिक समय बिताने के लिए पद छोड़ने का फैसला किया है। हालांकि, वह ट्रंप के बाहरी सलाहकार के तौर पर काम करती रहेंगी।

राष्ट्रपति ट्रंप ने की जमकर तारीफ : कैरोलिन लेविट इस पद पर रहने वाली 36वीं प्रेस सचिव थीं। लेविट ने अपने कार्यकाल के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी अमेरिका फर्स्ट नीति का मजबूती से बचाव किया। व्हाइट हाउस ने उनके कार्यकाल के कई चर्चित पलों को याद करते हुए उनकी पत्रकारों के साथ तीखी बहस और सरकार की नीतियों के बचाव का जिक्र किया। वहीं, राष्ट्रपति ट्रंप ने लेविट को व्हाइट हाउस प्रेस सचिवों के इतिहास में सर्वश्रेष्ठ में से एक बताया।

पत्रकारों से तीखे सवाल-जवाब : लेविट कई बार पत्रकारों के साथ तीखे सवाल-जवाब को लेकर चर्चा में रहीं। एक मौके पर उन्होंने एक पत्रकार से कहा, आप लेफ्ट-विंग हैक हैं। आप पत्रकार नहीं हैं। वहीं, एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, क्या बेवकूफी भरा सवाल है। उन्होंने ट्रंप प्रशासन की आव्रजन नीति का भी बचाव किया और अवैध तरीके से अमेरिकी कानून तोड़ने वाले प्रवासियों को अपराधी बताया। अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी को लेकर उन्होंने डेमोक्रेट्स और मुख्यधारा के मीडिया पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा और अमेरिकी सैनिकों के मुद्दे पर उन्हें भाषण देने की जरूरत नहीं है।

फ्रांस और स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी पर भी दिया था बयान : विदेश नीति के मुद्दों पर भी लेविट के बयान चर्चा में रहे। फ्रांस के एक राजनेता की स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी से जुड़ी टिप्पणी पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा था कि आज फ्रांस के लोग जर्मन भाषा नहीं बोल रहे हैं तो इसकी वजह अमेरिका है। उन्होंने डेमोक्रेट्स और मुख्यधारा के मीडिया पर ट्रंप प्रशासन के खिलाफ गलत सूचना फैलाने का आरोप भी लगाया। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा और डेमोक्रेटिक पार्टी के शासन वाले अमेरिकी शहरों में अपराध को लेकर भी उन्होंने बयान दिए। लेविट ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के स्वास्थ्य और उनकी काम करने की क्षमता को लेकर भी पूर्व प्रशासन और मीडिया पर सवाल उठाए थे। उन्होंने इसे अमेरिका के इतिहास के सबसे बड़े कवरअप और राजनीतिक घोटालों में से एक बताया था।

ट्रंप पर हमले के बाद टाली थी मैटरनिटी लीव : लेविट ने ट्रंप पर हुए हत्या के प्रयास के बाद अपनी मैटरनिटी लीव भी कुछ समय के लिए टाल दी थी। उन्होंने कहा था कि उन्हें लगा था कि वह आखिरी बार सवालों का जवाब दे रही हैं, लेकिन राष्ट्रपति पर हमले के बाद उन्हें लगा कि प्रेस के सवालों का जवाब देने के लिए व्हाइट हाउस में रहना जरूरी है। अपने कार्यकाल में लेविट ने नए मीडिया संस्थानों और पत्रकारों को भी व्हाइट हाउस ब्रीफिंग रूम में जगह दी। उन्होंने कहा था कि ट्रंप का संदेश हर जगह पहुंचाना उनकी टीम के लिए जरूरी है। इस बीच ट्रंप ने नए प्रेस सचिव को लेकर एक संभावित नाम की ओर इशारा किया है। हाल ही में फॉक्स न्यूज की संवाददाता एलेक्सिस मैकएडम्स ने ट्रंप से पूछा कि लेविट की जगह कौन ले सकता है। ट्रंप ने मजाकिया अंदाज में मैकएडम्स से ही पूछा, आप? इसके बाद उन्होंने कहा, आप कैसी रहेंगी? ट्रंप ने मैकएडम्स के काम की भी तारीफ की और कहा कि उन्हें वह हमेशा पसंद रही हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)